वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच **

शनिवार, 08 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 32, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

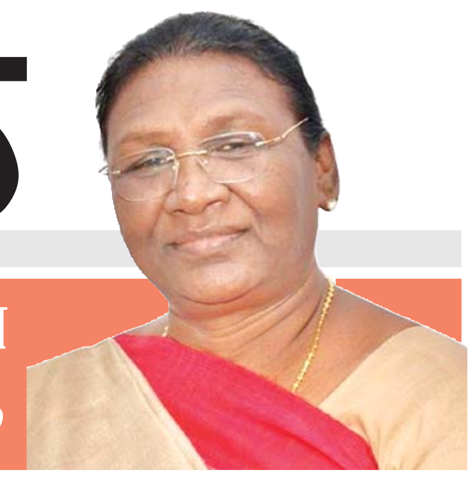

सेंसेक्स में 456 अंकों की गिरावट

वित्तीय शेयरों में बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार में दो दिनों की तेजी थम गयी। सेंसेक्स 456 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 65 अंकों की गिरावट रही। } 10

ई-कॉमर्स मंचों से बढ़ायी जा सकती है हथकरघा उत्पादों की पहुंच

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश का हथकरघा क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्रदान करता है और ई-कॉमर्स मंचों के माध्यम से इसके उत्पादों की वैश्विक पहुंच को और बढ़ाया जा सकता है। } 12

झारखंड : सरकार व छात्रों के बीच व्यापक चर्चा

प्रतिनिधिमंडल ने सौंपी अपनी मांगों की सूची

एजेंसी

रांची। भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों ने शुक्रवार को झारखंड सरकार को 10 सदस्यों वाले नए प्रतिनिधिमंडल की सूची सौंपी। यह प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे के समाधान के लिए सरकार के साथ बातचीत करेगा।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे झारखंड लोक सेवा आयोग-झारखंड कर्मचारी चयन आयोग सुधार मंच ने बताया कि सरकार की ओर से पहले भेजे गए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पर आपत्ति जताए जाने के बाद नयी सूची सौंपी गई है। पुराने प्रतिनिधिमंडल में एक अधिवक्ता और दो तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे। नए प्रतिनिधिमंडल में छात्र नेता रविंद्र पासवान, पीयूष कुमार, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर, अंकित राज, कार्तिक सोरेन, शालू कुमारी, रविंद्र कुमार रवि, आनंद कुमार और अंकित कुमार शामिल हैं। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जारी आंदोलन शुक्रवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान छह प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं, जबकि दो छात्र संगठनों ने शुक्रवार को विधानसभा तक मार्च निकाला। छात्रों से बातचीत के ...शेष पृष्ठ 10 पर

चढ़ावा चोरी व छात्रों पर पुलिसिया कार्रवाई को लेकर संसद में गतिरोध

लोकसभा में हंगामे के बीच ही सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्वाई के मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को भी संसद की कार्यवाही बाधित रही और दोनों सदनों को एक-एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

लोकसभा ने हंगामे के बीच ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना पारित कर दिया। लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने आगामी नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया और सदस्यों ने कुछ क्षण मौन रखकर शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। बिरला ने भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान का उल्लेख करते हुए विपक्षी सांसदों से उनसे प्रेरणा लेने को कहा। अध्यक्ष ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का योगदान भारत ही नहीं, पूरी दुनिया मानती है और उनसे प्रेरणा लेती है। आप सब भी उनसे प्रेरणा लें और देश के अंदर लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करने के लिए संवाद करें। बिरला ने कहा बाबा साहेब आंबेडकर ने यह विचार दिया था कि देश के अंदर लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करना है तो चर्चा और संवाद ही इसका रास्ता है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। वे अपने मुद्दे को लेकर नारे लगा रहे थे। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद बैठक शुरू होने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान विपक्ष का हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच ही सदन ने विधेयक को चर्चा के बिना पारित कर दिया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग आज भी सवेरे से गृह मंत्री का नाम ले-लेकर नारे लगा रहे हैं। ये लोग हंगामा करके गायब हो जाते हैं। गृह मंत्री अमित ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

सहायक पोस्टमास्टर ने किया 1.4 करोड़ गबन

संभल। जिले के बहजोई डाकघर के सहायक पोस्टमास्टर को लोगों के खातों से 1.4 करोड़ रुपये गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि मामले में सात अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने पत्रकारों को बताया कि आरोपी दीपक कुमार पर लोगों के खाते से धनराशि गबन करने का आरोप है। 2023 में चंदौसी डाकघर से बहजोई में उसका स्थानांतरण हुआ था। आरोपी सावधि जमा और बचत खाते में पैसे जमा कराने आने वाले लोगों से रकम लेकर रसीद नहीं देता था। उन्होंने कहा कि जिन खातों में मोबाइल नंबर लिंक नहीं थे, उन्हीं को निशाना बनाकर पैसे हड़पे गए। शिकायत मिलने पर मामले की जांच की गई और सात लोगों की तहरीर के आधार पर बहजोई थाने में अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज हुईं। उन्होंने कहा कि अब तक 1.4 करोड़ रुपये के गबन की पुष्टि हुई है।

सिपाही हत्याकांड में दो दोषियों को उम्रकैद

सहारनपुर। जिले की एक अदालत ने सिपाही राहुल ढाका की हत्या के मामले में 13 साल बाद फैसला सुनाते हुए दो आरोपितों मेहताब और सादर को दोषी करार दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) संजय कुमार ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाने के साथ 75-75 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अभियोजन के अनुसार पांच जून 2013 को सुबह करीब साढ़े नौ बजे मलिरा रोड की पुलिया के पास कुख्यात मुकिम काला गिरोह के सदस्यों के साथ पुलिस की मुठभेड़ के दौरान सीओ सदर उमेश कुमार यादव के गनर सिपाही राहुल ढाका की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को उम्रकैद की मांग की थी।

यूपी में दंगा नहीं, अब कानून का राज : योगी

अंबेडकरनगर में 706 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

जिला संवाददाता

आंबेडकरनगर (उप्र)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर विधानसभा सत्र नहीं चलने देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा की विकास में कोई रुचि नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा की पूर्ववर्ती सरकार में पार्टी का झंडा लगाकर अवैध वसूली होती थी, थानों-तहसीलों पर कब्जे थे, गुंडागर्दी चरम पर थी। आदित्यनाथ ने कहा कि उस समय लोगों के मन में यह भाव आ गया था- जिस गाड़ी में सपा का झंडा- समझो उसमें होगा सपा का गुंडा। आदित्यनाथ शुक्रवार शाम आंबेडकरनगर जिले के जलालपुर, आलापुर एवं टांडा विधानसभा क्षेत्रों की 706 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र और चेक वितरित करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि उप्र विधानमंडल दल का मानसून सत्र तीन अगस्त से सात अगस्त तक प्रस्तावित था, लेकिन विपक्ष के हंगामे के चलते छह अगस्त को अनुपूरक बजट पारित होने के बाद सत्र स्थगित कर दिया गया। इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2026-27 का 59 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुपूरक बजट विधानमंडल में विपक्षी दलों के शोर-शराबे और हंगामे के बीच पारित हुआ। आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में विधानसभा सत्र न चलने देने के लिए समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार बताते हुए कहा हम लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं, लोकतंत्र की तीन महत्वपूर्ण आधारशिला विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बेहतर समन्वय से विकास के कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने जनसभा में आये लोगों को याद दिलाते हुए कहा आपने देखा होगा अभी हाल ही में उप्र विधानमंडल का सत्र था। विधानसभा में हमने 59 हजार करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्ताव पेश किया, हमने सोचा था कि सत्तापक्ष के विधायक और सहयोगी दलों के विधायक तो इस पर चर्चा करते ही हैं, विपक्ष के लोगों की भी इसमें रुचि होगी। आदित्यनाथ ने ...शेष पृष्ठ 10 पर

स्वदेशी आंदोलन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दी नयी दिशा : सीएम योगी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर सभी बुनकरों, हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों को शुभकामनाएं देते हुए शुक्रवार को कहा कि स्वदेशी आंदोलन ने ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नयी दिशा प्रदान की थी। लखनऊ में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उत्कृष्ट बुनकरों को संत कबीर राज्य स्तरीय हथकरघा पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के बाद वस्त्र उद्योग सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में संत कबीर के नाम पर पांच वस्त्र पार्क स्थापित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने हस्तशिल्पियों और कारीगरों को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने 2017 से पहले की सरकारों, विशेष रूप से सपा सरकार पर इस वर्ग की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा यह ...शेष पृष्ठ 10 पर

हाईकोर्ट ने अलीगंज अग्निकांड में सरकार से मांगा विस्तृत जवाब

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अलीगंज अग्निकांड से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदेश सरकार और अन्य संबंधित अधिकारियों को विस्तृत जवाबी हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि गोलमोल जवाब स्वीकार नहीं किए जाएंगे। न्यायमूर्ति राजन राय एवं न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ को प्रदेश सरकार तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की ओर से बताया गया कि अग्नि सुरक्षा मानकों और भवन निर्माण नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए तैयार की जा रही मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लगभग तैयार है। इसे और जवाबी हलफनामे दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया।

खंडपीठ ने निर्देश दिया कि जवाबी हलफनामों में जनहित याचिका में उठाए गए सभी मुद्दों के साथ-साथ अदालत के पूर्व आदेश में व्यक्त की गई चिंताओं का भी स्पष्ट उत्तर दिया जाए। अदालत ने पूर्व में अलीगंज स्थित तीन मंजिला...शेष पृष्ठ 10 पर

नीट पेपर लीक मामला : तीन विशेषज्ञ मुख्य आरोपी

सीबीआई ने त्वरित अदालत में दाखिल किया आरोप-पत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के आरोप-पत्र में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के तीन विषय विशेषज्ञों पी. वी. कुलकर्णी (रसायन विज्ञान), मनीषा गुरुनाथ मांढरे (प्राणी विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान) और मनीषा संजय हवलदार (भौतिकी) को मुख्य आरोपी बताया गया है।

सीबीआई ने हाल में उस विशेष त्वरित अदालत के समक्ष आरोप-पत्र दाखिल किया है, जो प्रश्नपत्र लीक और सार्वजनिक परीक्षाओं में अन्य अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई कर रही है। आरोप-पत्र में कहा गया है, जांच में सामने आया है कि इन तीनों विशेषज्ञों को अनुवाद के दौरान लिखने के काम के लिए गोपनीय कक्ष के अंदर सादे कागज उपलब्ध कराए गए थे। आरोप-पत्र के अनुसार, आरोपी पी वी कुलकर्णी ने इन कागजों का इस्तेमाल कर छोटी पर्चियों पर रसायन विज्ञान के सभी 135 प्रश्नों और उनके उत्तर विकल्पों को संक्षेप में लिखा और उन्हें छिपाकर बाहर ले गया। कुलकर्णी को प्रश्नपत्र लीक का कथित मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है। आरोप-पत्र में कहा गया है कि एनटीए के गोपनीय कक्ष ...शेष पृष्ठ 10 पर

फिर चर्चा के केंद्र में रही अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन

प्रयागराज। अतीक अहमद की बीवी और उमेश पाल हत्याकांड में वांछित शाइस्ता परवीन शुक्रवार को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में रही। सड़क हादसे में सबसे छोटे बेटे आबान की मौत के बाद हटवा गांव में उसका शव पहुंचने पर दिनभर यह चर्चा होती रही कि शाइस्ता अपने बेटे का अंतिम दीदार करने आई थी। हालांकि पुलिस और प्रशासन ने ऐसे सभी दावों को अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया।

शुक्रवार सुबह जैसे ही आबान का शव हटवा गांव पहुंचा, अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में बुर्कानशीं महिलाएं भी मौजूद थीं। इसी दौरान भीड़ में शाइस्ता के होने की चचाएं तेज हो गईं। कई लोगों ने दावा किया कि वह गुपचुप तरीके से आई ...शेष पृष्ठ 10 पर

धामी कैबिनेट ने 15 प्रस्तावों पर लगायी मुहर

हल्द्वानी में हाईकोर्ट के लिए 30 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराने का निर्णय

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। राज्य में न्यायिक आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, श्रमिकों को अधिक प्रभावी संरक्षण देने और ग्रामीण क्षेत्रों में आय के साधन बढ़ाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में 15 प्रस्तावों को मंजूरी मिली। फैसलों में हाईकोर्ट परिसर के लिए भूमि, श्रम कानूनों की नई व्यवस्था, पशुपालन, खेल शिक्षा, सड़क कनेक्टिविटी और जीएसटी से जुड़े अहम विषय शामिल रहे।

बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए महानिदेशक सूचना एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट को नैनीताल से हल्द्वानी स्थानांतरित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए लामाचौड़ क्षेत्र में 30 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित किए जाने को मंजूरी दी गई है। भूमि उपलब्ध होने से हल्द्वानी में प्रस्तावित न्यायिक परिसर के निर्माण और उससे जुड़ी आधारभूत सुविधाओं के विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। कैबिनेट ने श्रमिकों के वेतन और कार्य संबंधी अधिकारों को लेकर उत्तराखंड मजदूरी संहिता नियमावली-2026 को लागू करने की ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- कांवड़ शिविरों में सात्विक स्वाद व हाईटेक सेवा (पृष्ठ-02)
- रालोद को झटका, रामाशीष राय ने दिया इस्तीफा (पृष्ठ-02)
- रुपया मामूली बढ़त के साथ 95.20 प्रति डॉलर (पृष्ठ-10)
- झारखंड में पेश 8,399 करोड़ का बजट पेश (पृष्ठ-10)
- खाद्य प्रसंस्करण में 22 कंपनियों से मिले प्रस्ताव (पृष्ठ-10)

विशेष खबर

इंडियन ऑयल ने लॉन्च किया 'इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाव', सिलेंडर की संख्या की कोई बाध्यता नहीं

अब मात्र तीन घंटे में मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उपभोक्ताओं की सहूलियत और त्वरित सेवा के लिए इंडियनऑयल ने इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाव सिलेंडर की शुरूआत की है। अब इस नए विकल्प के तहत उपभोक्ताओं को बुकिंग के मात्र तीन घंटे के अंदर रसोई गैस सिलेंडर की डिलीवरी की जाएगी। यह सिलेंडर देखने में आकर्षक ट्रांसपेरेंट लुक में है और उठाने में काफी हल्का है, जिसे गृहणियां भी आसानी से संभाल सकती हैं।

इंडियनऑयल के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख, उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय-1, संजय भंडारी ने इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाव सिलेंडर की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित करते हुए बताया कि इसमें हल्का कंपोजिट निर्माण, उन्नत सुरक्षा मानक, आधुनिक सौंदर्य लुक और आसान रखरखाव शामिल है। इसका जंग-मुक्त पॉलीमर डिजाइन रसोईघर के फर्श को एकदम साफ-सुथरा और बेदाग बनाए रखता है, जो आधुनिक मॉड्यूलर किचन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है। मुख्य महाप्रबंधक (एलपीजी) भोद्रो लाकरा ने बताया कि कामकाजी वर्ग, छात्रों और त्वरित सेवा चाहने वाले उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए इंडियनऑयल ने इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाव का नया विकल्प पेश किया है। इसकी शुरूआत काशी से की गयी है, जहाँ कई उपभोक्ताओं को मौके पर ही यह सुविधा प्रदान की गई। इसके तहत बुकिंग कराने के मात्र तीन घंटे के भीतर घर पर डिलीवरी की विशेष सुविधा दी जा रही है। श्री लाकरा ने बताया कि इस सिलेंडर को लेने या रिफिल कराने के लिए किसी प्रकार की मासिक या वार्षिक सीमा नहीं है। ग्राहक अपनी आवश्यकतानुसार कभी भी इसे ले सकते हैं।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यह सिलेंडर इंडेन गैस एजेंसियों में उपलब्ध कराया गया है। उपभोक्ता इसे इंडियन ऑयल वन ऐप के जरिए ऑनलाइन बुक कर सकते हैं या अपने निकटतम इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर से संपर्क कर आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। मॉड्यूलर किचन, अपार्टमेंट्स और सोसायटियों के लिए बेहद आकर्षक और सुरक्षित है। वर्किंग प्रोफेशनल्स, ट्रांसफरबल एम्प्लॉइज, हॉस्टल्स और छोटे व्यवसायों के लिए सुविधाजनक है। प्रमुख ...शेष पृष्ठ 10 पर

शत्रु संपत्ति हेराफेरी मामले में तत्कालीन एसडीएम समेत आठ पर एफआईआर

विशेष संवाददाता

- सीजेएम ने पुलिस को 10 दिन में जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा

लखनऊ/गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में शत्रु संपत्ति को कथित रूप से फर्जी तरीके से निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज कराने के मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अमित सिंह ने तत्कालीन एसडीएम समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने पुलिस को मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने और 10 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आरोपियों में शामिल तत्कालीन एसडीएम वर्तमान में सिद्धार्थनगर जिले में तैनात बताए जा रहे हैं। मामला तरबगंज तहसील क्षेत्र के गोहनी गांव का है। गांव निवासी अजय पांडेय और राजू सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि गांव की 0.138 हेक्टेयर भूमि मूल रूप से ऐसे परिवार के नाम दर्ज थी, जो वर्ष 1945 से पहले पाकिस्तान चला गया था। याचिकाकताओं के अनुसार, यह भूमि शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज की जानी चाहिए थी। आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर भूमि को निजी व्यक्तियों ...शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

हथकरघा को नयी पहचान दिला रही योगी सरकार, बुनकरों का बढ़ा उत्साह

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर संत कबीर राज्यस्तरीय पुरस्कार समारोह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के बुनकरों और लाभार्थियों को सम्मानित किया। शुक्रवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार और चेक प्रदान किए। कार्यक्रम में सम्मान पाने वाले बुनकरों ने इसे अपने लिए गौरव का क्षण बताते हुए योगी सरकार के प्रति आभार जताया।

बनारसी साड़ियों का काम करने वाले वाराणसी के जमालुद्दीन ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का कार्यक्रम उनके लिए गौरवान्वित करने वाला है हथकरघा क्षेत्र को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए योगी सरकार प्रयासरत है। जमालुद्दीन ने बताया कि 2017 के बाद इस क्षेत्र में कई बेहतर कार्य हुए हैं और पहली बार उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। सीतापुर के बुनकर अकील अहमद ने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से सम्मानित किए जाने से उन्हें बेहद प्रसन्नता हुई है। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में अनेक बदलाव हुए हैं और इन्हीं बदलावों का परिणाम है कि बुनकर बेहतर तरीके से अपना काम आगे बढ़ा पा रहे हैं। वाराणसी के साड़ी बुनकर प्यारेलाल ने कहा कि सीएम योगी बुनकर समाज के लिए लगातार काम कर रहे हैं। रोजगार और कारोबार को आगे बढ़ाने के प्रयासों से उन्हें लाभ मिल रहा है। समय पर आर्थिक सहायता मिलने से काम को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है और सम्मान मिलने से उनका मनोबल भी बढ़ा है। ललितपुर की मीराबाई ने कार्यक्रम में बुलाकर सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इटावा की बिनाई कारीगर सोनी ने कहा कि सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जिसका सकारात्मक असर उनके काम और तरक्की पर दिखाई दे रहा है। हाथरस के रूप किशोर ने कहा कि सीएम योगी का विजन बुनकरों और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। 2017 के बाद हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र की उन्नति के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। टांडा के शाहनवाज अहमद ने बताया कि वे गमछा, साड़ी और दुपट्टा बनाने का काम करते हैं। हस्तशिल्पकारों के लिए किए जा रहे प्रयासों से काम को मजबूती मिल रही है। वहीं सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बुनकरों को आगे बढ़ने का भरोसा और मजबूती मिल रही है।

संगठन की मजबूती व जनभागीदारी से मिलेगी जीत

मंत्री ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति आयोग के गठन पर मुख्यमंत्री का निषाद समाज की ओर से जताया आभार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। निषाद पार्टी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद की अध्यक्षता में शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के विश्वास का चुनाव होगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पार्टी की नीतियों को मछुआ समाज के घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें।

उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और वंचित, शोषित एवं पिछड़े समाज के अधिकारों की लड़ाई निरंतर लड़ती रही है। प्रदेश सरकार द्वारा समाज के सर्वांगीण विकास एवं अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों को जनता के बीच प्रभावी ढंग से रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। आगामी चुनाव को देखते हुए प्रत्येक पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नियमित जनसंपर्क अभियान चलाए, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़े तथा बूथ और सेक्टर स्तर पर संगठनात्मक संरचना को पूर्ण रूप से सुदृढ़ करें। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से पूर्ण समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन का संकल्प लिया।

विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति आयोग पर डॉ. संजय कुमार निषाद ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति आयोग के गठन के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक एवं सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजातियों को उनका सम्मान और अधिकार दिलाने का संघर्ष आज का नहीं, बल्कि दशकों पुराना है। उन्होंने स्वयं भी लंबे समय से इन समाजों को उनका संवैधानिक एवं सामाजिक अधिकार दिलाने के लिए निरंतर आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदायों की लगभग 193 जातियां निवास करती हैं।

डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति आयोग के गठन का निर्णय इन समुदायों के सम्मान, अधिकारों और समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने जिन समुदायों की उपेक्षा की, आज उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने का कार्य वर्तमान सरकार कर रही है। इसके लिए निषाद समाज सहित सभी विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

कांवड़ शिविरों में सात्विक स्वाद के साथ हाईटेक सेवा

बिना प्याज-लहसुन के देसी से लेकर चाइनीज व्यंजन तक मिल रहे

विशेष संवाददाता (vol)

मेरठ। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा में इस बार सेवा, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्थाओं का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मेरठ में कांवड़ मार्ग पर लगाए गए शिविरों में शिवभक्तों के स्वागत के लिए ऐसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो किसी बड़े आयोजन से कम नहीं हैं।

सात्विक परंपरा को बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को बिना प्याज-लहसुन के देसी व्यंजनों के साथ आधुनिक स्वाद भी परोसे जा रहे हैं। शिविरों में पास्ता, पिज्जा, नूडल्स, मोमोज और मंचूरियन जैसे व्यंजन भी कांवड़ियों के लिए उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत प्रशासनिक अधिकारी लगातार शिविरों का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

कांवड़ियों के लिए पूरे दिन के भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। सुबह चाय, बिस्किट, पोहा और जलेबी से दिन की शुरूआत होती है। नाश्ते में समोसा, कचौड़ी, ब्रेड पकौड़ा, वेज हक्का नूडल्स और हनी चिली पोटैटो जैसे व्यंजन परोसे जा रहे हैं। दोपहर के भोजन में शाही पनीर, कढ़ाई पनीर, पनीर लबाबदार, दाल मखनी, मिक्स वेज, चूरचूर नान, बटर नान, जीरा राइस और ताजी रोटियों के साथ रबड़ी-जलेबी, रसमलाई, रसगुल्ला और गुलाब जामुन की व्यवस्था है। शाम को स्प्रिंग रोल, चिली पनीर, मंचूरियन, पास्ता, वेज पिज्जा, मोमोज, मैकरोनी, सूप और बर्गर जैसे व्यंजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रात में छोले-पूड़ी, मटर पनीर, पुलाव, दाल और रोटियों के साथ खीर, हलवा, फ्रूट कस्टर्ड और मिठाइयां परोसी जा रही हैं। कंकरखेड़ा व्यापार संघ के शिविर में तकनीक का इस्तेमाल कर सेवा व्यवस्था को और बेहतर बनाया गया है। शिविर संयोजक नीरज मित्तल और व्यवस्था संचालक राजेश खन्ना के अनुसार यहां 20 किलो आटा गूंधने वाली मशीन और ऑटोमैटिक रोटी मशीन लगाई गई है। यह मशीन एक मिनट में करीब 16 और एक घंटे में लगभग 900 रोटियां तैयार कर रही है। शिविर में प्रतिदिन छह से सात हजार रोटियां बनाई जा रही हैं। सब्जियां काटने और मसाले तैयार करने के लिए भी आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। मोदीपुरम स्थित शिविर में उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष फलाहार की व्यवस्था की गई है। कुट्टू और सिंघाड़े के आटे से बने व्यंजन, आलू की सब्जी, मौसमी फल और अन्य व्रत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। लंबी यात्रा के बाद शिवभक्तों को ऊर्जा देने के लिए कुल्हड़ में केसर युक्त गर्म दूध भी पिलाया जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों के 500 मीटर दायरे में नशे पर नकेल

हॉस्टल-कैंटीन की होगी नियमित जांच, विवि व कॉलेजों में चलेगा व्यापक नशामुक्ति अभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशामुक्त भारत' के आह्वान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से योगी सरकार प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में व्यापक नशामुक्ति अभियान शुरू करेगी। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को प्रतिदिन दो मिनट की नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी और शैक्षणिक परिसरों को नशामुक्त बनाने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी।

यह निर्णय विधानसभा परिसर में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और परीक्षा नियंत्रकों की बैठक में लिया गया। बैठक में अभियान को प्रभावी, सतत और परिणामोन्मुख बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना को मंजूरी दी गई। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रत्येक कार्यदिवस की शुरूआत से पहले विद्यार्थियों को दो मिनट की नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी। इसके अलावा 'रन फॉर नशामुक्ति', मैराथन, पथ संचलन, भाषण, निबंध, चित्रकला, नाटक और नुक्कड़ नाटक जैसी जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक शिक्षक सप्ताह में एक बार अपने पीरियड के अंतिम दस मिनट नशामुक्ति विषय पर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। सरकार ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के 500 मीटर दायरे में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री पर कड़ी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। हॉस्टलों, कैंटीनों और परिसर का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। वहीं ऑनलाइन डिलीवरी और कूरियर से आने वाली सामग्रियों की प्रवेश द्वार पर ही जांच सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि नशे की प्रवृत्ति वाले विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग कराई जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अभिभावकों को बुलाकर संवाद स्थापित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को नशे की लत से बाहर निकालने में परिवार की भी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए पूरे प्रदेश को पांच जोनों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में वरिष्ठ अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर वरिष्ठ नोडल अधिकारी, महाविद्यालय स्तर पर प्राचार्य और प्रत्येक संकाय में अलग नोडल अधिकारी अभियान की नियमित निगरानी करेंगे।

रवींद्रनाथ टैगोर और स्व.मानसी दत्ता को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। बंगे नागरिक समाज द्वारा राष्ट्रगान 'जन गण मन' के रचयिता, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं भारतीय साहित्य के युगपुरुष गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम में रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने लखनऊ स्थित गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके साहित्य, शिक्षा, मानवता और राष्ट्र के प्रति अमूल्य योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर बंगे नागरिक समाज की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की अनुयायी स्वर्गीय मानसी दत्ता की पुण्यतिथि पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उनके सामाजिक योगदान को याद किया गया।

भरवारा आरओबी निर्माण का रास्ता साफ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया फिर से होगी

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गोमतीनगर स्थित भरवारा रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे समय से प्रस्तावित रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) के निर्माण का रास्ता साफ करते हुए राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के अहम चरण दोबारा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने माना कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत अधिग्रहण प्रक्रिया में गंभीर प्रक्रियागत खामियां बरती गई हैं।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने कहा कि अधिनियम की धारा-11 के तहत जारी प्रारंभिक अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया कि भूमि अधिग्रहण से किसी परिवार का विस्थापन नहीं होगा, जबकि सामाजिक प्रभाव आकलन (सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट) रिपोर्ट इससे अलग स्थिति दशार्ती है। अदालत ने इसे बिना समुचित विचार किए लिया गया निर्णय माना और कहा कि इसी कारण धारा-19 की अधिसूचना सहित बाद की समस्त अधिग्रहण कार्रवाई विधिसम्मत नहीं ठहराई जा सकती। खंडपीठ ने कहा कि एक ओर आरओबी का शीघ्र निर्माण जनहित में आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित भूमि स्वामियों के वैधानिक अधिकारों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर धारा-11 की अधिसूचना में संशोधन (कोरिजेंडम) जारी करे या फिर नई अधिसूचना जारी कर कानून के अनुसार पूरी अधिग्रहण प्रक्रिया दोबारा शुरू करें। अदालत ने अधिकारियों को छह माह के भीतर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है।

साथ ही, आरओबी परियोजना की प्रगति पर निगरानी के लिए स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा है।

यूपी में 45 हजार करोड़ से अधिक का निवेश

विशेष संवाददाता (vol)

एचसीएल-फॉक्सकॉन, अवाडा समेत 8 बड़ी कंपनियां गौतमबुद्ध नगर में लगायेंगी औद्योगिक इकाइयां

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में 8 बड़ी कंपनियां 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने जा रही हैं। इन परियोजनाओं से 25 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

एचसीएल-फॉक्सकॉन, अवाडा इलेक्ट्रो, एंबर एंटरप्राइजेज, एसएईएल सोलर, ओरियाना पावर, सीईएससी ग्रीन पावर, आईबी सोलर और एसेंट के सर्किट जैसी कंपनियां गौतमबुद्ध नगर में नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने या अपने निवेश का विस्तार करेंगी। प्रदेश सरकार का कहना है कि उद्योग-अनुकूल नीतियों, पारदर्शी शासन, बेहतर कानून व्यवस्था, विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचे और निवेशकों को समयबद्ध सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था से उत्तर प्रदेश देश-विदेश की कंपनियों की पसंद बन रहा है।

हरित ऊर्जा क्षेत्र में अवाडा इलेक्ट्रो लिमिटेड 16,139 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे करीब 7,400 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं एसएईएल सोलर प्राइवेट लिमिटेड 8,000 करोड़ रुपये का निवेश कर लगभग 7,760 लोगों को रोजगार देने की योजना बना रही है। ओरियाना पावर लिमिटेड 4,500 करोड़ रुपये और सीईएससी ग्रीन पावर लिमिटेड 3,805 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रदेश में हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग को भी नई गति मिल रही है। एचसीएल-फॉक्सकॉन (इंडिया चिप प्रा. लि.) सेमीकंडक्टर नीति के तहत 3,706 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे करीब 3,000 रोजगार सृजित होंगे। एसेंट के सर्किट द्वारा 3,250 करोड़ रुपये के निवेश से इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा एंबर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड 3,232 करोड़ रुपये और आईबी सोलर 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इन परियोजनाओं से प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही एमएसएमई क्षेत्र, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का है, जिसके लिए बड़े निवेशों को अहम माना जा रहा है।

अखिलेश से मिले अभ्यर्थी, अतिरिक्त अवसर देने की उठायी मांग

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीसीएस, आरओ/एआरओ एवं बीईओ परीक्षा की तैयारी कर रहे उन अभ्यर्थियों से मुलाकात की, जो कोरोना काल, पाठ्यक्रम में बदलाव और नई सेवा भर्ती नियमावली के कारण आयु सीमा पार कर चुके हैं।

इन युवाओं की मांग है कि उनके साथ न्याय करते हुए पीसीएस परीक्षा में दो अतिरिक्त अवसर तथा आरओ/एआरओ और बीईओ में एक अतिरिक्त अवसर प्रदान किया जाए। युवाओं ने ज्ञापन देकर कहा कि कोरोना काल (2019-21) में पढ़ाई और परीक्षाओं की तैयारियां प्रभावित हुईं। इसके बाद पीसीएस के पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव (2023-25) हुआ, जिससे अभ्यर्थियों को नए सिरे से तैयारी करनी पड़ी। अब नई सेवा भर्ती नियमावली 2026 का लाभ भी आयु सीमा पार कर चुके इन अभ्यर्थियों को नहीं मिल पा रहा है। युवाओं के वर्षों के परिश्रम और उनके भविष्य को देखते हुए उनकी मांगों को पूरा करे सरकार। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। युवाओं के संघर्ष में सपा उनके साथ खड़ी है।

रालोद को झटका, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने दिया इस्तीफा

ऐश्वर्य राज सिंह बने रालोद के नये प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को बड़ा झटका लगा है। रालोद के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वहीं, रालोद के शीर्ष नेतृत्व ने नये प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर ऐश्वर्य राज सिंह को नियुक्त किया है।

फिलहाल श्री राय ने इस्तीफे में अपनी ही पार्टी की नीतियों पर इशारों में कई आरोप लगाये हैं। किसानों और नौजवानों की बात कहते हुए उनकी समस्याओं को उठाया है। जय प्रकाश नारायण और अटल बिहारी वाजपेयी के अह्वानों की चर्चा करते हुए लिखा कि आज संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे प्रहार से लोकतंत्र खतरे में है। रामाशीष राय इससे पहले भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे हैं। चर्चा है कि वह सपा में जा सकते हैं। अगला विधानसभा चुनाव भी लड़ने की तैयारी है। रामाशीष ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि मैं राजनीति में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से प्रेरित होकर जुड़ा था। उस समय भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण और शासन-प्रशासन की जवाबदेही जैसे प्रश्न राष्ट्रीय चिंता के विषय थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान करते हुए व्यवस्था परिवर्तन का जो सपना देश के सामने रखा था, वह आज भी अधूरा प्रतीत होता है।

देवरिया से चुनाव लड़ने की चर्चा : कुछ दिनों पहले ही जयंत चौधरी ने अनुपम मिश्रा को रालोद का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया था। तभी से माना जा रहा था कि डा. राय पार्टी छोड़ सकते हैं। उनके सपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि देवरिया से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस में भी जाने की चर्चा है। हालांकि उन्होंने अभी इस पर कोई भी जानकारी साझा नहीं की है।

4677 नये ट्रांसफार्मरों से बदलेगी 19 जिलों की बिजली व्यवस्था

बार-बार ट्रांसफार्मर फुंकने की समस्या होगी कम, लेसा समेत मध्यांचल के सभी जिलों में जल्द लगेंगे

समरेश पति त्रिपाठी

लखनऊ। गर्मी और ओवरलोडिंग के दौरान बार-बार ट्रांसफार्मर फुंकने से जूझ रहे बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) ने लेसा के चारों जोन सहित 19 जिलों की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कुल 4677 नए वितरण ट्रांसफार्मर लगाने की तैयारी पूरी कर ली है। ट्रांसफार्मरों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही इनकी आपूर्ति शुरू होने के साथ संबंधित जिलों में स्थापना कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। विभाग का मानना है कि नए ट्रांसफार्मर लगने से ओवरलोडिंग की समस्या में कमी आएगी, ट्रांसफार्मर फुंकने की घटनाएं घटेंगी और उपभोक्ताओं को अधिक भरोसेमंद बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। योजना के तहत सबसे अधिक ध्यान छोटे क्षमता वाले वितरण ट्रांसफार्मरों पर दिया गया है, ताकि तेजी से बढ़ रहे बिजली भार को संतुलित किया जा सके। वर्तमान में कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुराने अथवा क्षमता से अधिक लोड वाले ट्रांसफार्मरों के कारण बार-बार बिजली बाधित होती है। नए ट्रांसफार्मर लगने से इन क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। लेसा के सेंट्रल, अमौसी, जानकीपुरम और गोमतीनगर जोन में कुल 1015 ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। इनमें 250 केवीए क्षमता के 441, 100 केवीए क्षमता के 404 तथा 63 केवीए क्षमता के 170 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इन ट्रांसफार्मरों की स्थापना उन इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी जहां लगातार ओवरलोडिंग और फाल्ट की शिकायतें मिल रही हैं। वहीं, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अन्य 19 जिलों में 3662 ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। इनमें 250 केवीए क्षमता के 1039, 100 केवीए क्षमता के 1161 तथा 63 केवीए क्षमता के 1462 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इन ट्रांसफार्मरों के माध्यम से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में भी बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे फाल्ट की संख्या कम होने के साथ बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार ट्रांसफार्मरों की आपूर्ति मिलते ही सभी वितरण खंडों के जूनियर इंजीनियर (जेई) और तकनीकी टीमें स्थापना कार्य शुरू कर देंगी। प्राथमिकता उन क्षेत्रों को दी जाएगी जहां ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहे हैं या उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ने से मौजूदा ट्रांसफार्मर क्षमता से अधिक लोड वहन कर रहे हैं। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की यह पहल भविष्य में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में भी सहायक होगी। नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना से बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर होगी, लाइन लॉस और तकनीकी बाधाओं में कमी आएगी तथा लाखों उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा।

आरटीआई में भ्रामक सूचनाऔर दो साल की देरी पड़ी भारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने में अनावश्यक विलंब और भ्रामक सूचना देने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने कानपुर देहात के तत्कालीन जन सूचना अधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक को अपीलकर्ता को 20 हजार रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश गुप्ता ने यह आदेश पारित किया। यह मामला सीमा सिंह बनाम जन सूचना अधिकारी, कार्यालय अपर पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात से संबंधित है। आयोग के अनुसार, अपीलकर्ता ने 4 अक्टूबर 2023 को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन देकर थाना रूरा में दर्ज एक आपराधिक प्रकरण से संबंधित चार बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। इसमें लेखपाल अशोक कुमार की गिरफ्तारी, गिरफ्तारी से जुड़े अभिलेख और एक वाहन से संबंधित सूचनाएं शामिल थीं। हालांकि, जन सूचना अधिकारी ने 1 नवंबर 2023 को जवाब देते हुए सूचना को आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) और धारा 11 के तहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद अपीलकर्ता ने प्रथम और फिर द्वितीय अपील सूचना आयोग में दायर की। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि मांगी गई सूचनाओं से संबंधित अभिलेख विभाग के पास उपलब्ध थे और नियमानुसार उपलब्ध कराए जा सकते थे। आयोग ने माना कि प्रारंभिक स्तर पर दी गई सूचना भ्रामक थी, जिससे अपीलकर्ता को यह आभास हुआ कि जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। बाद की प्रक्रिया में वही सूचना उपलब्ध कराई गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि प्रारंभिक जवाब उचित नहीं था। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि सूचना उपलब्ध कराने में लगभग दो वर्ष का अनावश्यक विलंब हुआ, जिससे अपीलकर्ता को नुकसान पहुंचा। इसी आधार पर आयोग ने 20 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति देने का निर्देश दिया।

अनंत नगर योजना में 460 भूखंडों के पंजीकरण कल से

लॉटरी के माध्यम से होगा भूखण्डों का आवंटन, 112.5 वर्गमीटर से 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के हैं भूखण्ड

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण एक बार फिर अनंत नगर योजना में 460 भूखंडों का पंजीकरण खोलने जा रहा है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को इस बाबत आदेश जारी कर दिये हैं। जिसके तहत 09 अगस्त से 09 सितम्बर , 2026 तक भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। इसमें आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और भूखण्डों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि मोहान रोड पर 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अनंत नगर योजना में लगभग डेढ़ लाख लोगों के आशियाने का सपना साकार होगा। योजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत ग्रिड पैटर्न पर किया जा रहा है। जिसमें चैड़ी सड़कों के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए भूमिगत केबल बिछायी जा रही हैं। योजना में बड़े हिस्से में एडुटेक सिटी विकसित की जाएगी। वहीं, लगभग 130 एकड़ भूमि पर पार्कों व ग्रीन स्पेस का विकास किया जाएगा, जोकि योजना को पर्यावरण के अनुकूल एक हरा-भरा क्षेत्र बनाएगा। अनंत नगर योजना में पहले 04 चरणों में लगभग 1700 भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जा चुका है। जिसमें 35 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण धनराशि जमा कराके प्रतिभाग किया था। पांचवें चरण में आशीष खण्ड के 460 भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जा रहा है। उपाध्यक्ष ने बताया कि रविवार से पोर्टल लाइव हो जाएगा और लोग 09 सितम्बर, 2026 तक भूखण्डों के लिए पंजीकरण करा सकेंगे। आवेदन के लिए लोगों को एलडीए की वेबसाइट पर लॉगइन करके पंजीकरण पुस्तिका खरीदनी होगी। जिसके बाद भूखण्ड के अनुमानित मूल्य की 05 प्रतिशत पंजीकरण धनराशि जमा कराके रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सफलतापूर्वक पंजीकरण कराने वाले आवेदकों के मध्य भूखण्डों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि कुल 460 भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जा रहा है। इसमें 200 वर्गमीटर के 23, 162 वर्गमीटर के 12 और 112.5 वर्गमीटर क्षेत्रफल के 425 भूखण्ड शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के 407 भवनों की लॉटरी 14 अगस्त को : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को पार्क व्यू एवं ऐशबाग स्क्वॉयर अपार्टमेंट के 75 फ्लैटों का लॉटरी से आवंटन किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के प्लूटो ऑडिटोरियम में हुये इस लॉटरी ड्रा में आवेदकों के हाथों से ही लॉटरी की पर्चियां निकलवायी गयीं। एलडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि बसन्तकुंज योजना में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के सामने पार्क व्यू अपार्टमेंट निर्मित किया जा रहा है। इसमें 03 बीएचके प्लस स्टडी श्रेणी के 24 एवं 03 बीएचके श्रेणी के 39 फ्लैटों का लॉटरी से आवंटन किया गया।

वहीं, ऐशबाग में मिल रोड पर बनने वाले ऐशबाग स्क्वॉयर अपार्टमेंट में 03 बीएचके प्लस सर्वेंट श्रेणी के 12 फ्लैट आवंटित किये गये। उन्होंने बताया कि लॉटरी की पूरी प्रक्रिया का यू-ट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण भी किया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के 407 भवनों की लॉटरी करने जा रहा है। योजना के प्रभारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि बसन्तकुंज योजना के सेक्टर-एन में 200 एवं शारदा नगर विस्तार योजना में 207 रिक्त भवनों का लॉटरी से आवंटन किया जाएगा। इसके लिए खोले गये ऑनलाइन पंजीकरण में बड़ी संख्या में लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें पात्र आवेदकों के चयन के लिए सत्यापन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उपाध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को पात्र आवेदकों के मध्य 407 भवनों की लॉटरी करायी जाएगी।

सीएजी करेगा नगर निगम के विकास कार्यों का जमीनी ऑडिट

- सड़क, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, ट्रैफिक परियोजनाओं की होगी भौतिक जांच
- तीन वर्षों के कार्यों की होगी पड़ताल

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के विकास कार्य अब केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी परखे जाएंगे। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के निर्देश पर नगर निगम में नागरिक-केंद्रित अनुपालन लेखा परीक्षा (अर्बन मोबिलिटी ऑडिट) कराई जाएगी। इसके लिए प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-प्रथम), प्रयागराज ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है।

ऑडिट 30 सितंबर से प्रस्तावित है। इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक नगर निगम द्वारा कराए गए विकास कार्यों और उन पर हुए खर्च की विस्तृत जांच होगी। ऑडिट टीम स्वीकृतियां, डीपीआर, निविदाएं, अनुबंध, भुगतान विवरण और गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण करेगी। इस ऑडिट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि जांच केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगी। ऑडिट टीम चयनित परियोजनाओं का संयुक्त भौतिक सत्यापन (जेपीवी) भी करेगी। इसके तहत जियो-टैग्ड फोटोग्राफी, उपयोगिता परीक्षण और सेवा स्तर का मूल्यांकन किया जाएगा। सड़कों, स्ट्रीट लाइट, यातायात प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का मौके पर आकलन होगा।

ऑडिट के दायरे में स्थानीय सड़कें, मुख्य मार्ग, आंतरिक सड़कें, चौड़ीकरण, पुनर्निर्माण और रखरखाव कार्य शामिल होंगे। इसके अलावा फुटपाथ, पैदल पथ, जेब्रा क्रॉसिंग, पैदल पारपथ, फुटओवर ब्रिज, सब-वे, रैंप तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं का भी मूल्यांकन किया जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधाएं वास्तव में मिल रही हैं या नहीं। ऑडिट टीम साइकिल ट्रैक, साइकिल पार्किंग, ग्रीन कॉरिडोर, नॉन-मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट (एनएमटी), बस स्टॉप, बस शेल्टर, ई-रिक्शा और टेम्पो स्टैंड, मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन तथा लास्ट माइल कनेक्टिविटी से जुड़ी परियोजनाओं की भी समीक्षा करेगी। नगर निगम के विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कराए जा रहे इस ऑडिट से करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आएगी। माना जा रहा है कि इससे विकास कार्यों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी।

रामकृष्ण पार्क व्यापार मंडल ने ली शपथ

लखनऊ। बुद्धूलाल धर्मशाला, अमीनाबाद में शुक्रवार को रामकृष्ण पार्क व्यापार मंडल का भव्य शपथ ग्रहण समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र एवं वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा रहे। इस अवसर पर संरक्षक विनोद अग्रवाल और केदारनाथ बाजपेयी भी मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्र ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में अध्यक्ष मनीष वर्मा, महामंत्री हर्ष कनोडिया, कोषाध्यक्ष ब्रजेश गुप्ता सहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्य शामिल रहे। इस अवसर पर लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि संगठित व्यापारी समाज ही अपनी समस्याओं का प्रभावी समाधान करा सकता है। उन्होंने व्यापारियों से संगठन की मजबूती और एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि व्यापारिक संगठनों की मजबूती ही व्यापारियों के अधिकारों की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण पार्क व्यापार मंडल की नई टीम व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, बाजार व्यवस्था में सुधार और संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में पूरी निष्ठा से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल केवल व्यापारियों की समस्याओं को उठाने का मंच नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। व्यापारी समाज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि संगठित व्यापारी समाज ही अपनी समस्याओं का बेहतर समाधान करा सकता है। व्यापार मंडल हमेशा व्यापारियों के हितों की रक्षा और बाजारों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जितेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि रामकृष्ण पार्क व्यापार मंडल की नई टीम ऊर्जा, पारदर्शिता और सेवा भावना के साथ कार्य करेगी। लखनऊ व्यापार मंडल संगठन के साथ हर कदम पर खड़ा रहेगा और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से लगातार संवाद करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष केदार बाजपेयी ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल बजाज ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह में महामंत्री प्रियंक गुप्ता, मुमताज मार्केट के अध्यक्ष यूसुफ, महामंत्री रिजवान, कार्यवाहक अध्यक्ष आनंद गुलाटी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

पुलिस को सौंपी जायेगी आईटीएमएस व सेफ सिटी परियोजना

- हेल्थ एटीएम को दिसंबर 2026 तक समय विस्तार, अलीगंज अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर नगर निगम के हवाले

लखनऊ। लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (एलएससीएल) की 27वीं बोर्ड बैठक में शहर की विभिन्न स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंडलायुक्त एवं एलएससीएल के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) और सेफ सिटी परियोजना को जल्द पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही हेल्थ एटीएम परियोजना का संचालन दिसंबर 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया गया।

बैठक में नगर आयुक्त एवं एलएससीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कुमार ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बोर्ड को बताया गया कि अलीगंज सेक्टर-बी स्थित स्मार्ट सिटी के तहत निर्मित अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर एवं सीनियर सिटीजन केयर सेंटर का भवन नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया गया है। भवन के प्रथम एवं द्वितीय तल पर नगर निगम के जोन-3 कार्यालय का संचालन शुरू हो चुका है, जबकि भूतल पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैरम, शतरंज समेत विभिन्न इनडोर खेलों और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने वाली आईटीएमएस परियोजना की भी समीक्षा की गई। बोर्ड ने अनुबंधित फर्म को दिए गए तीन माह के समय विस्तार का संज्ञान लेते हुए परियोजना को शीघ्र पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। बोर्ड ने हेल्थ एटीएम परियोजना का संचालन कर रहे एसजीपीजीआई को दिसंबर 2026 तक समय विस्तार देने की मंजूरी दी।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हेल्थ एटीएम पर उपलब्ध जांच सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठा सकें। हेल्थ एटीएम पर शुगर, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, डेंगू, मलेरिया और यूरिन टेस्ट जैसी जांचें रियायती दरों पर उपलब्ध हैं, जबकि ब्लड प्रेशर, बीएमआई, पल्स ऑक्सीमीटर और शरीर के तापमान की जांच निःशुल्क की जा रही है। बैठक में प्रशासनिक बदलावों को भी मंजूरी दी गई।

केजीएमयू में मिलेगी अत्याधुनिक एमआरआई जांच की सुविधा

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मरीजों को जल्द ही अत्याधुनिक एमआरआई जांच की सुविधा मिलेगी। करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश की पहली वेट-बेयरिंग (खड़े होकर जांच करने वाली) एमआरआई मशीन स्थापित की जा रही है। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह के अनुसार नयी एमआरआई मशीन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। उम्मीद है कि करीब एक महीने में इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। रेडियोडायग्नोसिस विभागाध्यक्ष डॉ. अनित परिहार का कहना है कि यह उत्तर प्रदेश की पहली वेट-बेयरिंग एमआरआई मशीन होगी। सामान्य एमआरआई में मरीज को लेटाकर जांच की जाती है। जबकि नई तकनीक में मरीज के खड़े रहने की स्थिति में भी स्कैन किया जा सकेगा। इससे शरीर पर वास्तविक भार पड़ने के दौरान हड्डियों, जोड़ों, रीढ़ और विशेष रूप से पैरों से जुड़ी समस्याओं का अधिक सटीक आकलन किया जा सकेगा।

केजीएमयू में पीएच समिट आज

लखनऊ। सीने में दबाव जैसी परेशानी को सामान्य समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। यह पल्मोनरी हाईपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारी का शुरूआती संकेत हो सकता है। बीमारी की समय पर पहचान और इलाज से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। यह जानकारी शुक्रवार को केजीएमयू के पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि पल्मोनरी हाईपरटेंशन का पता अक्सर देर से चलता है। क्योंकि शुरूआती लक्षण सामान्य सांस की तकलीफ जैसे लगते हैं। उन्होंने बताया कि इस गंभीर बीमारी को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इलाज की नई तकनीकों पर चर्चा के लिए 8 और 9 अगस्त को केजीएमयू में पीएच समिट आयोजित होगी, इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ भाग लेकर पल्मोनरी हाईपरटेंशन के आधुनिक निदान, इलाज और शोध पर मंथन करेंगे।

यूजीसी नियमों को वापस लेने की मांग

लखनऊ। भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है लेकिन आज देश में हर राजनीतिक दल के निशाने पर अगड़ा समाज, खासकर क्षत्रिय वर्ग है। इसको लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नियमों को वापस लेने की मांग की है। महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर और चयन प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए। इस संबंध में महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी 13 सितंबर को बिहार के मुजफ्फरपुर में आयोजित होगी।

'हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हुई बैठक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित मालवीय सभागार में शुक्रवार को लखनऊ जनपद के समस्त सहयुक्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों की अहम एवं उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' (09 से 17 अगस्त) तथा 'नशा मुक्त भारत अभियान' को व्यापक जनसहभागिता के साथ सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना रहा। अधिष्ठात्री छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया ने कहा, डिजिटल पंजीकरण एवं देशभक्ति शपथः विश्वविद्यालय एवं सभी संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को माय भारत पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने तथा जाकर नशा मुक्ति ऑनलाइन शपथ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है । कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा 'हर घर तिरंगा' और 'नशा मुक्त भारत' जैसे राष्ट्रीय अभियानों में हमारे विद्यार्थियों की सहभागिता सर्वोपरि रहेगी। नशे का सबसे सॉफ्ट टार्गेट युवा होता है बच्चों को नशा मुक्त भारत का राजदूत बनायें इसके लिए बच्चों से संवाद करना जरुरी है। महाविद्यालय में हर छात्र के लिए एक टीचर मेंटर बनाया जाए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शैक्षिक कैलेंडर का हर हाल में कड़ाई से पालन किया जाएगा और सभी परीक्षाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर ही संपन्न कराई जाएंगी। बैठक का कुशल संचालन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा किया गया।

भाषा विवि में पीएचडी की लिखित परीक्षा आज

विशेष संवाददाता (vol)

- 17 विषयों में 267 अभ्यर्थी होंगे शामिल

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का आयोजन 8 अगस्त को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पीएचडी प्रवेश के लिए आयोजित इस लिखित परीक्षा में कुल 17 विषयों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए कुल 305 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, जिनमें से 267 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार पीएचडी प्रवेश परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 01:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा का केंद्र विश्वविद्यालय के एकेडमिक ब्लाक में निर्धारित किया गया है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम एक घंटा पूर्व, अर्थात प्रातः 11:00 बजे तक, अनिवार्य रूप से पहुंचें। इससे प्रवेश, पहचान सत्यापन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को समय से पूरा करने में सुविधा होगी और परीक्षा निर्धारित समय पर प्रारंभ की जा सकेगी।

प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को अपना एडमिट कार्ड एवं पहचान-पत्र अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने की स्थिति में परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा केंद्र पर केवल आवश्यक सामग्री एवं निर्धारित दस्तावेजों के साथ ही उपस्थित हों।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए छात्राओं को किया जागरूक

लखनऊ। श्री गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, नाका हिंडोला स्थित नानक सभागार में बाल स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वस्थ आदतों, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता और समग्र विकास के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में करीब 150 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पारुल सोहाने ने बच्चों एवं किशोरों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. पारुल सोहाने ने विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, जंक फूड और शक्करयुक्त पेय पदार्थों से दूरी बनाने तथा मौसमी फल और हरी सब्जियों को भोजन में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने मोबाइल स्क्रीन टाइम कम करने, पर्याप्त नींद लेने और नियमित खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में हैंड हाइजीन पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। छात्राओं को हैंड वॉशिंग तकनीक के माध्यम से सही तरीके से हाथ धोने की जानकारी दी गई। इस दौरान शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, दंत स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, अनुशासित दिनचर्या और अच्छे संस्कारों के महत्व पर भी चर्चा की गई।

शिवभक्तों पर आज पुष्पवर्षा करेंगे योगी

विशेष संवाददाता (vol)

- हिंडन से मेरठ तक कांवड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण और मोदीपुरम में शिवभक्तों का अभिनंदन करेंगे

लखनऊ/मेरठ। सावन में शिवमय आस्था के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ में कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का पुष्पवर्षा से स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा करोड़ों शिवभक्तों की आस्था के प्रति श्रृद्धा, सम्मान और प्रदेश सरकार की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री इस दौरे में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ ही सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हिंडन एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर द्वारा मेरठ पहुंचेंगे। इस दौरान वह हिंडन से मेरठ तक पूरे कांवड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री मोदीपुरम क्षेत्र स्थित दुल्हैड़ा पुलिस चौकी के निकट बनाए गए मंच से शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैरिकेडिंग, सुरक्षा घेरा और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सीएम के आगमन के लिए शोभित विश्वविद्यालय परिसर में हेलिपैड तैयार किया गया है। एलआईयू, एंटी-सबोटाज और बम निरोधक दस्ता लगातार क्षेत्र की जांच कर रहा है, जबकि कांवड़ मार्ग पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। शुक्रवार को एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर, डीआईजी कलानिधि नैथानी, डीएम डॉ वीके सिंह, सीडीओ नूपुर गोयल और एसएसपी अविनाश पांडेय ने कार्यक्रम स्थल, हेलिपैड और कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसपी सिटी ने ड्रोन कैमरे के माध्यम से मोदीपुरम से रुड़की रोड तक कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, यातायात संचालन और सुरक्षा प्रबंधन की निगरानी की। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कांवड़ मार्ग पर चिकित्सा शिविर, पेयजल, विश्राम स्थल एवं स्वच्छता बनाए रखने की व्यापक व्यवस्था की गई है। शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है और प्रतिदिन लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री की ओर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा को शिवभक्तों के सम्मान और आस्था के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के रूप में देखा जा रहा है।

अतिक्रमण, गंदगी व पॉलिथीन के खिलाफ अभियान, 1.11 लाख जुर्माना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर निगम ने शुक्रवार को शहर में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-3, जोन-7 और जोन-8 में की गई कार्रवाई के दौरान कुल 1,11,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया तथा 10.5 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की गई।

जोन-3 में बादशाह नगर स्टेशन से सौमित्र पार्क तक चले अभियान में सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर खड़े 20 से 25 वाहनों को हटाया गया। प्रतिबंधित पॉलीथीन के प्रयोग पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। नगर निगम ने दोबारा अतिक्रमण रोकने के लिए क्षेत्रीय पुलिस से भी सहयोग मांगा है। जोन-7 में मटियारी चौराहे से देवा रोड तक विशेष अभियान चलाकर प्रतिबंधित पॉलिथीन के इस्तेमाल पर 38 हजार रुपये और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इस क्षेत्र में कुल 78 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया तथा 8.5 किलोग्राम पॉलिथीन जब्त की गई। अभियान के दौरान दुकानदारों को स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक के संबंध में जागरूक भी किया गया। वहीं जोन-8 में बंगला बाजार से तेलीबाग-पीजीआई रोड तक 27 से अधिक दुकानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान गंदगी पाए जाने पर 8,500 रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलीथीन मिलने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यहां से करीब 2 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक भी जब्त की गई।

नगर निगम के अनुसार, तीनों जोनों में एक दिन के अभियान के दौरान कुल 1,11,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में उठीं आवास, गोशाला की शिकायतें

मेयर ने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के दिए निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शहरवासियों ने आवास, गोशाला, जलनिकासी, संपत्ति विवाद और हाउस टैक्स से जुड़ी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभी शिकायतें सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सभी आठ जोनों से विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 214 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें कर विभाग से संबंधित 45 शिकायतों का निस्तारण किया जा सका

निशातगंज स्थित भुइंयन देवी गोशाला की ओर से पंडित शर्मिला महाराज ने आरोप लगाया कि नगर निगम की टीम नौ गायों को जबरन ले गई, जबकि उनके बछड़ों को वहीं छोड़ दिया गया। उन्होंने कार्रवाई के दौरान अभद्रता और ताला तोड़ने का भी आरोप लगाया। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। पूनम गौड़ ने शिकायत की कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2016 में लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित होने के बावजूद आज तक उन्हें मकान का कब्जा नहीं मिला। उनका कहना था कि हर बार अलग-अलग योजनाओं में आवास स्थानांतरित होने की जानकारी देकर मामला टाल दिया जाता है।

बंगला बाजार निवासी कृष्ण मोहन रावत ने आरोप लगाया कि उनके मकान को अवैध तरीके से तीन बार बेचा गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज हैं और दीवानी न्यायालय से फैसला उनके पक्ष में आने के बावजूद उनकी पत्नी का नाम अब तक अभिलेखों में दर्ज नहीं किया गया है।

चौक क्षेत्र के अशोक कुमार वर्मा ने कटारी टोला और सोंधी टोला में पेयजल लाइन में नाली का पानी मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस समस्या से करीब 30 हजार की आबादी प्रभावित है और कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ। शिवपुरम निवासी शकुन्तला ने बताया कि पहले उनके मकान का नगर निगम कर लगभग 300 रुपये आता था, जो अब बढ़कर 2,300 रुपये हो गया है। उन्होंने बिल की जांच कर राहत दिलाने की मांग की। मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सिटी बसों की आय बढ़ाने पर फोकस संचालित रूटों का होगा अध्ययन

- यात्रियों की जरूरत के अनुसार रूटों में सुधार के निर्देश

लखनऊ। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एलसीटीएसएल) के निदेशक मंडल की 51वीं बैठक में सिटी बसों के संचालन, आय और बजट की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त एवं कंपनी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्देश दिए गए कि यात्रियों की जरूरत और यात्री भार को ध्यान में रखते हुए संचालित बस रूटों का अध्ययन किया जाए तथा आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

बैठक में मार्च से जुलाई 2026 तक सिटी बसों के संचालन की समीक्षा करते हुए विभिन्न मार्गों पर बसों के प्रदर्शन और यात्री संख्या का आकलन किया गया। निदेशक मंडल ने कहा कि जिन मार्गों पर आवश्यकता है, वहां संचालन व्यवस्था में सुधार कर बस सेवा को अधिक प्रभावी बनाया जाए।

बोर्ड ने बस सेवा की आय में वृद्धि के लिए वर्तमान रूटों की विस्तृत समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार उनमें बदलाव पर विचार करने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रियों की सुविधा और वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया गया। बैठक में मार्च से जुलाई 2026 की अवधि के बजट और उसके सापेक्ष प्राप्त परिणामों की भी समीक्षा की गई। निदेशक मंडल ने वित्तीय प्रदर्शन को संतोषजनक बताते हुए भविष्य में भी बेहतर संचालन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, नगरीय परिवहन निदेशालय के निदेशक, पुलिस कमिश्नरेट के प्रतिनिधि, एलसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी, प्रबंधक (संचालन), चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम 9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

जवान की संदिग्ध हालत में गोली लगने से मौत

अफसरों ने बताया आत्महत्या, पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप

- शव बुद्धेश्वर चौराहे पर रखकर हरदोई हाईवे जाम किया जाम, शव का दोबारा पोस्टमार्टमकराने की मांग
- जवान की पत्नी ने अफसरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की गोली लगने से मौत को लेकर पारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के के जवान परिजनों ने हंगामा किया। लोगों ने जवान का शव बुद्धेश्वर चौराहे पर रखकर हरदोई हाईवे जाम कर दिया। सूचना पाकर पुलिस पहुंचे पुलिस अफसरों ने प्रदर्शन करने वालों को समझाने की कोशिश की। जवान की पत्नी ने सीआरपीएफ के अफसरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पति से जबरन ड्यूटी करवाई जा रही थी। उन्हें बुखार था, इसके बावजूद उनको छुट्टी नहीं मिल रही थी। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान उनके सीने में गोली लगी है। अफसर बता रहे हैं कि विनीत ने खुद को गोली मारी है, लेकिन कोई खुद अपने सीने में तीन गोली कैसे मार सकता है, यह सवाल शंका उत्पन्न कर रहा है। आरोप है कि उसे किसी व्यक्ति ने उन्हें गोली मारी है। पति के शव का दोबारा पोस्टमार्टमकराने की मांग को लेकर जवान की पत्नी परिवार के साथ करीब दो घंटे तक हाईवे पर डंटी रही। बाद में आश्वासन देकर अफसरों ने उन्हें शांत कराया और वे शव लेकर गृह जनपद हरदोई रवाना हुए, जहां जवान काअंतिम संस्कार किया गया।

बताते हैं कि विनीत सिंह (37) सीआरपीएफ की 112वीं बटालियन में थे। इस समय उनकी तैनाती मणिपुर में थी। 05 अगस्त को उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हुई थी। विनीत सिंह का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में हुआ। सीआरपीएफ के अफसर विनीत की पत्नी नेहा को एक लाख रुपए दिए हैं। इससे पूर्व विनीत की पत्नी नेहा सिंह पार्थिव शरीर वाली गाड़ी को लखनऊ में रुकवा दिया कहा कि वह न्याय पाने के लिए मणिपुर तक जाएंगी।

कांवड़ लेकर गए पिता, आधे रास्ते वापस लौटे : सीआरपीएफ जवान विनीत सिंह के पिता देशराज सिंह कांवड़ लेकर बाबा बैजनाथ धाम जा रहे थे, लेकिन बेटे की मौत की सूचना मिलते ही उन्हें यात्रा अधूरी छोड़कर वापस लौटना पड़ा। पत्नी नेहा सिंह अपने बेटे को लेकर लखनऊ में पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर स्थित आदर्श विहार कालोनी में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई करा रही हैं।

बड़े भाई ने दी चिता को मुखाग्नि : जवान विनीत सिंह का पार्थिव शरीर शुक्रवार सुबह उनके पैतृक गांव पुरवाबाजीराव (मजरा जरौआ) जनपद हरदोई पहुंचा। सुबह करीब 10:30 बजे विनीत की अंतिम यात्रा निकाली गई। गांव से 2 किलोमीटर दूर स्थित हत्याहरण तीर्थ स्थल के पास उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े भाई अनिल सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी।

लोकबंधु अस्पताल में मरीज की मौत के बाद मारपीट, प्रभावित रहा इलाज

- परिजन व कर्मचारियों के बीच हाथापायी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आशियाना स्थित लोकबंधु अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और इलाज संबंधी दस्तावेज लेकर जाने लगे तो डॉक्टर व कर्मचारियों ने रोकने का प्रयास किया। परिजनों ने संविदा कर्मचारी अनुज की पिटाई की। मारपीट के कारण करीब दो घंटे अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सरोजनीनगर के पिपरसंड की रहने वाली रंजना सिंह (45) को शुक्रवार सुबह पूजा के दौरान चक्कर आ गया। परिजनों ने एम्बुलेंस के लिए 108 सेवा को फोन किया। पति शिवमोहन ने एम्बुलेंस से सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये, जहां से मरीज को लोकबंधु अस्पताल रेफर किया, जहां इमरजेंसी में डॉक्टरों ने रंजना को भर्ती कर दिया। डॉक्टरों ने ईसीजी समेत जांचें करायी। करीब ढ़ाई बजे इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गयी। इसके बाद परिजनों ने हंगामा किया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार इलाज संबंधी दस्तावेज परिजनों ने फाड़ दिये और कुछ दस्तावेज लेकर जाने लगे तो कर्मचारियों ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान संविदा कर्मचारी अनुज को परिजनों ने पिटायी की। संविदा कर्मचारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। डाक्टरों ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा लेकिन परिजन सहमत नहीं हुए। पेशे से किसान रंजना का पति शिवमोहन का आरोप है कि डाक्टरों ने इलाज में कोताही बरती। आरोप हैं कि दरवाजा बंद कर डॉक्टर-कर्मचारियों ने लाठी डंडों से धमकाने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. पीसी तिवारी ने बताया कि मरीज की मौत से नाराज तीमारदारों ने हंगामा किया। संविदा कर्मचारी की पिटाई कर दी।

बीबीएयू : दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे राजनाथ सिंह

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ का 11वां दीक्षांत समारोह आगामी 29 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान करेंगे।

यह दीक्षांत समारोह विशेष रूप से वर्ष 2023, 2024, 2025 एवं 2026 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के चार वर्षों में डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग 8,300 है, जिसमें अब तक लगभग 4100 विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह में आने के लिए रजिस्ट्रेशन कर लिया है। दीक्षांत समारोह में सहभागिता के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय का ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल 16 अगस्त तक खुला रहेगा। समारोह में शामिल होने के विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की संख्या बढ़ने के साथ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी वृद्धि हो सकती है।

इस समारोह में लगभग 390 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि तथा लगभग 220 विद्यार्थियों को बहु-निकास योजना के अंतर्गत डिग्री दी जायेगी। साथ ही इस समारोह में लगभग 450 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा चार विद्यार्थियों को आर.डी. सोनकर अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा।

दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और यादगार पड़ाव होता है। यह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का संकल्प लेने का भी क्षण है।

महिलाओं को वितरित किये गये छाता

लखनऊ। अलका स्मृति दिवस के अवसर पर नारी शक्ति संस्था द्वारा दहेज की भेंट चढ़ी महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद घरेलू कामकाजी महिलाओं को पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द कुमार सिंह गोप ने धूप और बरसात से बचाव के लिए छाता वितरित किया। जनता को संबोधित करते हुए अरविंद कुमार सिंह गोप ने कहा कि घरों में काम करने वाली महिलाओं का योगदान बराबर ही होता है क्योंकि दोनों परिवार एवं समाज में ये सामंजस्य बिठाती हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बनती हैं। संस्था की महामंत्री डॉ. अल्पना बाजपेई ने कहा कि देश के विकास में महिलाओं ने सशक्त भागीदारी निभाई है। घरेलू काम, कार्यालय, कार्पोरेट, खेल सभी क्षेत्र महिलाओं के शौर्य से चमक रहे हैं। कोषाध्यक्ष डॉ. नीरज जैन ने कहा कि अगर पुरुष समाज महिलाओं को बराबरी का दर्जा दे और उनके हर कार्य में सहयोग करें तो महिलायें अन्तरिक्ष तक पहुंच जाती हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्था की अध्यक्ष रवीन्द्र कौर पाहवा डॉली ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में निर्मला शुक्ला, रेहाना हुदा, अपर्णा, संगीता चतुर्वेदी दीप पिंकी, नीलम चतुर्वेदी, शशिकला, आशा मिश्रा, वंदना तिवारी जाह्नवी, निगार फातिमा, ज्ञानू शुक्ला, मेराज, दिनेश प्रताप सिंह, अंश, खलील, रईस, बड़े भाई, आदित्य चतुर्वेदी फंचू, सुमित सिंह, शिवम दुबे, अरुण द्विवेदी, डॉ कृष्ण मोहन शुक्ला आदि उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि संस्था 1988 से लगातार महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करती आ रही है।

मछली पकड़ने गये युवक की गोमती में डूबने से मौत

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में मछली पकड़ने गए युवक की गोमती नदी में डूबने से मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामाभर कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पहली घटना माल के बीरपुर गांव निवासी मुन्नीलाल उर्फ अमित (40) गुरुवार को अपने तीन साथियों के साथ मंझौआ घाट गोमती नदी में मछली पकड़ने गया था, जिसका पैर फिसल जाने से वह गोमती नदी के गहरे पानी में चला गया। डूबने से उसकी मौत हो गयी। लोगों की मदद से उसका शव शुक्रवार को बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए लखनऊ भेज दिया। मृतक के बड़े भाई पप्पू ने थाने पर दी गयी तहरीर में किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। जबकि ग्रामीणों ने बताया कि शव शुक्रवार को नदी के बाहर झाड़ियों में पड़ा देखा गया। मृतक की बेटी ने पिता की हत्या किये जाने का आरोप लगाया है।

सर्पदंश से बिजलीकर्मी की मौत : माल क्षेत्र में सर्पदंश से विद्युतकर्मी की मौत हो गयी। घटना माल थाना क्षेत्र के सैदापुर चौराहा गांव की है। सैदापुर गांव निवासी संदीप गुप्ता (32) बिजली मरम्मत का कार्य करता था। जो गत बुधवार को दोपहर लगभग ढाई बजे पकरा बाजार गांव बिजली की लाइन ठीक करने के लिए शंकरपुर फीडर के लाइनमैन के बुलावे पर गया था। जैसे ही संदीप गुप्ता खंभे पर चढ़ने के लिए खंभे के पास पहुंचा तो उसे अचानक सांप ने काट लिया। संदीप को आनन फानन माल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहां से संदीप को बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। संदीप ने उपचार के दौरान शुक्रवार प्रातः दम तोड़ दिया। मृतक संदीप के घर में पत्नी रानी गुप्ता है।

कार में मिला फाइनेंस कर्मी का शव : आशियाना क्षेत्र में शुक्रवार को सड़ककिनारे खड़ी कार के अंदर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पाकर पुलिस मौकेपर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान ज्ञानेंद्र सिंह (36) के रूप में हुई है, जो रायबरेली जिले के बरहा, थाना कोतवाली के रहने वाले थे। वह पिछले कुछ दिनों से आशियाना के बंगला बाजार इलाके में पत्नी प्रियंका और साढ़े तीन वर्ष की बेटी के साथ रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, ज्ञानेंद्र निजी क्षेत्र में लोन फाइनेंस का कार्य करते थे।

आथोपैंडिक्स सर्जरी ब्लॉक में शॉर्ट सर्किट से फैला धुआं

- तत्काल मरीजों को पास के वार्डों में स्थानांतरित
- आग की घटना पर केजीएमयू में फायर सेफ्टी मजबूत करने का लिया निर्णय

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। केजीएमयू के आथोपैंडिक्स सर्जरी ब्लॉक के दूसरे तल के वार्ड में शुक्रवार सुबह दीवार के पंखे में शॉर्ट सर्किट होने से धुआं फैल गया, इससे वार्ड में धुआं भरने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गयी। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मरीजों को पास के वार्डों में स्थानांतरित कर दिया।

आथोपेंडिक सर्जरी वार्ड में 20 बेड हैं। धुआं फैलते ही डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया। मरीजों को स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से नजदीकी वार्डों में शिफ्ट किया गया। प्रशासन ने एहतियातन आसपास के वार्डों के मरीजों की भी सुरक्षा सुनिश्चित की। घटना में किसी मरीज या कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है।

आथोपैंडिकस व जनरल सर्जरी विभाग में आग लगने की घटना के बाद कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने शुक्रवार को फायर सेफ्टी से जुड़े अधिकारियों और संबंधित विभागों के जिम्मेदारों के साथ बैठक कर घटना की समीक्षा की और निर्देश दिये कि सभी भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल जांच कराने और जहां भी कमियां हों, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिए। फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, फायर फाइटिंग सिस्टम और आपातकालीन निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

केजीएमयू के पीडियाट्रिक सर्जरी वार्ड में शॉर्ट सर्किट, सुरक्षित निकाले गये बच्चे

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू)के सर्जरी विभाग के प्रथम तल पर स्थित पीडियाट्रिक सर्जरी वार्ड में गुरुवार देर रात बिजली के पैनल में शॉर्ट सर्किट हो गया, इससे पीडियाट्रिक सर्जरी वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। शार्ट सर्किट के बाद वार्ड धुएं से भर गया। एहतियातन करीब 50 भर्ती बच्चों को बिल्डिंग से बाहर निकाला गया। एनआईसीयू में भर्ती मासूम मरीजों को तत्काल दूसरे वार्ड में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। फायर विभाग की टीम घटनास्थल पहुंची। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। जनरल सर्जरी विभाग के प्रथम तल पर पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग का वार्ड है। बिजली का पैनल बिल्डिंग में लगा है। आग की सूचना मिलने पर केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह मौके पर पहुंचे। बिजली आपूर्ति बंद होने से वार्ड में अंधेरा छा गया, लेकिन डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों ने अभिभावकों की मदद से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग पर भी कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। तीन दरवाजों से बच्चों को सुरक्षित निकाला गया।

सीएमएस : विविध रंगों में निखरी छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा

लखनऊ। सीएमएस के गोमती नगर प्रथम कैम्पस के तत्वाधान में आयोजित दो-दिवसीय अंतर-विद्यालयी सांस्कृतिक समारोह अभ्युत्थानम शुक्रवार को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। सीएमएस गोमती नगर प्रथम कैम्पस ऑडिटोरियम में आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजयी छात्रों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस दो-दिवसीय सांस्कृतिक समारोह के अन्तर्गत प्रतिभागी छात्रों ने मॉडल जी-20 कॉन्फ्रेन्स, अर्थशास्त्र, न्यूजलेटर मेकिंग, क्विज, क्रिकेट ऑक्शन, नुक्कड़ नाटक, पेन्टिंग, नृत्य, कला दरबार, म्यूजिक बैण्ड एवं कविता पाठ जैसी दिलचस्प प्रतियोगिताओं में अपनी बौद्धिक, रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं ने भावी पीढ़ी को अपनी बहुमुखी प्रतिभा एवं सृजनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परम्पराओं एवं जीवन मूल्यों से जुड़ने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान किया।

कुल्हाड़ी से हमला कर मां-बेटे को किया घायल

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के कमालपुर विचलिका गांव में शुक्रवार सुबह मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। कमालपुर विचलिका गांव निवासी बच्चूलाल ने नगराम पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार को गांव के ही हेमराज का पुत्र दुर्गेश उनकी मां रामलली और भाई सुभाष के साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में रामलली के सिर पर गंभीर चोट आई और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं, जबकि सुभाष भी घायल हो गए। थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। जान से मारने की नीयत से व्यक्ति पर हमला करने वाले अभियुक्त को सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक शक्ती सिंह निवासी ओमेक्स द्वारा तहरीरी सूचना दी गई थी कि 30 जुलाई को विपक्षीगणों द्वारा एक राय होकर वादी के भाई मार्केश सिंह को गाली गलौज व जान से मार देने की धमकी तथा जान से मारने की नियत से राड व ईंट से हमला किया गया, जिसमें पीड़ित का भाई गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर दीपांशु यादव के अन्य 05 साथी नाम पता अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया था, जिसमें मुख्य अभियुक्त दीपांशु यादव निवासी ग्राम शाह खेड़ा थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ को गिरफ्तार किया गया।

लविवि के निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक बने प्रो. विनीत वर्मा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में निर्माण विभाग का कार्य अधीक्षक प्रो. विनीत वर्मा को बनाया गया है। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार गणित एवं खगोल शास्त्र विभाग के प्रो. विनीत वर्मा को आगामी तीन वर्ष या अग्रिम आदेश तक जो पहले घटित हो, की तैनाती की गयी है।

बाइकों की भिड़ंत में महिला की मौत

लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात नेवादा गांव के निकट हाईवे पर सामने से उल्टी दिशा से आ रहे बाइक चालक ने दूसरी बाइक में टक्कर मार दी। युवक बाइक से पत्नी और एक माह की बच्ची के साथ दवा लेने सिधौली जनपद सीतापुर जा रहा था। इस दुर्घटना में तीनों उछलकर गिर पड़े। पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला की सीएचसी इटौंजा में मौत हो गई, जबकि उसका पति व नौनिहाल बच्ची घायल है। उनका इलाज जारी है। थाना क्षेत्र के मुन्नू पुरवा निवासी दीपक यादव, पत्नी सोनम (23) व एक माह की नौनिहाल बेटी के साथ सिधौली सीतापुर दवा लेने जा रहे थे। नेवादा गांव के निकट हाईवे पर उल्टे साइड से एक बाइक चालक ने दीपक की बाइक में टक्कर मारदी। हादसे में सोनम, दीपक व बच्ची तीनों हाईवे पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पुलिस ने सीएचसी इटौंजा इलाज के लिए भेजा, जहां सोनम को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सांड़ की हत्या करने वाले तीन गिरफ्तार

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने गावहश कीअत्या केमामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त उपकरण व धारादर हथियार बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि 05 अगस्त को थाना ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत एक बंद पड़ी धान मिल में गौवंश (सांड़) की गला काटकर हत्या कीगयी थी। इस मामले में पुलिस को आरोपितों की तलाश थी। गठित पुलिस टीमों एवं विवेचक द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल अभियुक्तगण के नाम प्रकाश में आए। पुलिस ने अभियुक्त कासिम , अल्लाह रखा, मो. साबिर व शिवम भट्ठा परिसर के पास थाना क्षेत्र ठाकुरगंज से गिरफ्तार किया।

एकेटीयू : कार्यशाला में पेटेंट फाइल का दिखाया गया डेमो

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के इनोवेशन हब के कलाम पेटेंट सेंटर की ओर से कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में इंटलेक्कुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) पर शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में आईपीआर के विभिन्न पहलुओं के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन्स डॉ. रोहित राठौर ने आईपीआर के बारे में विस्तार से बताया।

पेटेंट फाइल करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही डेमो भी दिया। इस दौरान पेटेंट फाइल करने के दौरान होने वाली गलतियों और उससे बचने के उपाय भी बताए। कहा कि थोड़ी सी चूक से पेटेंट फाइल में दिक्कत आ सकती है। इसलिए पूरी सावधानी से पेटेंट फाइल करना चाहिए। ताकि किसी भी समस्या से बचा जा सके। सीएसआईआर, सीडीआरआई के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. नशीम ए सिद्दीकी ने टेक्नॉलजी ट्रांसफर के बारे में जानकारी दी। बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर किया जा सकता है। डॉ. पुरदेंदु पाण्डेय ने नवाचार में अकादमिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। आईपीआर पर तकनीकी सत्र भी हुए। साथ ही पैनल डिस्कशन में स्टार्टअप के लिए आईपीआर नीति पर विशेषज्ञों ने अपनी राय दी। वहीं निदेशक इनोवेशन हब एवं वित्त अधिकारी केशव सिंह ने कहा कि किसी भी आइडिया या प्रोडक्ट का पेटेंट फाइल सबसे जरूरी है। विषय स्थापना एसो. डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने किया। संचालन इनोवेशन हब की सीआईओ वंदना शर्मा ने किया। इस मौके पर सीडीआरआई के वैज्ञानिक डॉ वरूण कुशवाहा, अनुराग चैबे सहित स्टार्टअप, शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

कैंपस ड्राइव में 11 छात्र शॉर्ट लिस्टेड

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की कवायद कर रहा है। इसी क्रम में कुलपति प्रो जेपी पांडेय के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से शुक्रवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कंस्ट्रक्शन कंपनी शालिमार कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर चयन के लिए ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू लिया गया। कंपनी के एचआर एवं सेल्स के अधिकारियों ने छात्रों को परखा। ड्राइव में विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के एमबीए 2026 पासआउट छात्रों ने हिस्सा लिया। अंतिम रूप से चयन के लिए 11 छात्र शॉर्टलिस्टेड किए गए हैं। अंतिम रूप से चयनित छात्रों को सालाना 6 लाख रूपये का पैकेज मिलेगा।

नशे को कहिए नो, नो मीन्स नो

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान पखवाड़ा के तहत कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में शुक्रवार को नशे की लत से दूरी पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स के एसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों पर जानकारी दी। कहा कि हमारा शरीर जटिल मशीन की तरह है। नशे की लत हमारी मशीन को गंभीर खतरे में पहुंचा देता है। न केवल महत्वपूर्ण अंग खराब होने लगते हैं बल्कि कई मामलों में तो नशे के अधिक सेवन से मौत भी हो जाती है। उन्होंने हेरोइन, मारफिन, चरस गांजा शराब सिगरेट तंबाकू जैसे नशीले पदार्थ के सेवन से शरीर पर होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया। कहा कि नशे का सेवन पहली बार करने के बाद वह अपनी गिरफ्त में ले लेता है। इसलिए नशे को पहली बार ही ना कहिए। यानी नो मिंस नो। इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो ओपी सिंह, एसो डीन डॉ अनुज कुमार शर्मा, डॉ विनय चतुर्वेदी डॉ वर्षा शुक्ला सहित शिक्षक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर पत्रकार एसो. की बैठक

लखनऊ । अखिल भारतीय पत्रकार एसोशिएशन द्वारा 13 अगस्त को आयोजित होने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रदेश व लखनऊ जिले की बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष एमएम गौतम के निवास सब्जी मण्डी नरही में हुई। एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र मिश्रा ने कहां कि हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी 13 अगस्त को ऐशबाग रामलीला मैदान से प्रातः 10 बजें भव्य तिरंगा यात्रा प्रारम्भ होकर नाका चौराहा, बांसमण्डी चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, हुसैनगंज चौराहा, विधान सभा मार्ग होते हुए जीपीओ गाँधी प्रतिमा राष्ट्र गान के साथ समापन होगा।

प्रदेश महासचिव संजय सक्सेना ने कहां कि तिरंगा यात्रा सिर्फ आयोजन नही , बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश के गौरव का प्रतीक है। इस तिरंगा यात्रा में सभी शहरवासी , सभी पत्रकार एसोशिएशन के पदाधिकारी 13 अगस्त को ऐशबाग रामलीला मैदान में सहभागिता कर तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने पर जोर दिया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र मिश्रा, प्रदेश महासचिव संजय सक्सेना, उपाध्यक्ष एल एम गौतम, विजय चौरासिया, सचिव मो० सलमान,महासचिव जितेन्द्र शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष, बिजेन्द्र शर्मा, सचिव दीपक मिश्रा समेत प्रदेश व लखनऊ जिले के तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला एवं बाल अपराधों पर हुई कार्यशाला

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशन में शुक्रवार को महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित विभिन्न विधिक प्रावधानों, समयबद्ध विवेचना एवं आइटीएसएसओ विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रिजर्व पुलिस लाइन्स, लखनऊ स्थित संगोष्ठी सदन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार, तथा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत के प्रभावी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला का सफल संचालन पुलिस उपायुक्त महिला अपराध एवं सुरक्षा ममता रानी तथा सहायक पुलिस उपायुक्त महिला अपराध शाहिदा नसरीन के निर्देशन में हुआ।

उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति संवेदनशील, उत्तरदायी एवं समावेशी पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लखनऊ में ₹महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित विभिन्न विधिक प्रावधानों, समयबद्ध विवेचना एवं आईटीएसएसओ विषय पर एक विशेष पुलिस संवेदीकरण एवं क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अभियोजन अधिकारी लखनऊ प्रत्यूष दुबे एवं प्रवीण तिवारी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कमिश्नरेट लखनऊ के समस्त थानों पर नियुक्त उपनिरीक्षक कमिश्नरेट लखनऊ के समस्त थानों पर नियुक्त कुल 70 उपनिरीक्षकगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित प्रकरणों में प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा निर्धारित समयावधि में वैधानिक कार्यवाही पूर्ण किए जाने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित विधिक प्रावधानों, विवेचना की प्रक्रिया, समयबद्ध निस्तारण की जानकारी दी गयी।

पत्नी की आत्महत्या मामले में पति हाईकोर्ट से बरी

- आत्महत्या के पांच माह पहले से ही पत्नी नहीं था कोई संपर्क

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए पति को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब ट्रायल कोर्ट के निष्कर्ष के अनुसार आत्महत्या से पांच माह 12 दिन पहले से पति का पत्नी से कोई संपर्क या संवाद ही नहीं था तो यह नहीं कहा जा सकता कि उसने पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाया। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने अंकुर टंडन की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा को निरस्त कर दिया।

ट्रायल कोर्ट ने उसे धारा 498-ए, 306 आईपीसी तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत दोषी ठहराया था, जबकि दहेज हत्या की धारा 304-बी से बरी कर दिया था। मामले के अनुसार मृतका की शादी 14 दिसंबर 2004 को हुई थी। आरोप था कि पति और उसके परिवार ने फ्लैट खरीदने के लिए 10 लाख रुपये दहेज की मांग की। मृतका के पिता ने जमीन बेचकर छह लाख रुपये दिए, लेकिन शेष चार लाख रुपये के लिए उत्पीड़न जारी रहा। महिला ने दो अक्टूबर 2010 को आत्महत्या कर ली थी। हाईकोर्ट ने छह लाख रुपये दहेज दिए जाने के आरोप पर अभियोजन के साक्ष्यों में गंभीर विरोधाभास पाए। गवाहों के बयानों में अंतर था और जमीन बेचने की तारीख तथा बिक्री की रकम का भी स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया था।

कोर्ट ने कहा कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा तीन में दहेज देना और लेना दोनों अपराध हैं, लेकिन इस मामले में छह लाख रुपये दिए जाने का आरोप संदेह से परे साबित नहीं हुआ। आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप पर कोर्ट ने कहा कि केवल वैवाहिक संबंध खराब होना पर्याप्त नहीं है। आत्महत्या के लिए उकसावे के लिए आरोपी की ओर से निकट समय में ऐसा सकारात्मक कृत्य, प्रोत्साहन या सहायता साबित होनी चाहिए जिससे आत्महत्या के लिए मजबूर होने की स्थिति बनी हो।

कोर्ट ने यह भी कहा कि ठोस साक्ष्य के अभाव में धारा 113-ए के तहत आत्महत्या के लिए उकसावे की धारणा स्वतः नहीं बनाई जा सकती। अभियोजन आरोप साबित करने में विफल रहा। लिहाजा कोर्ट ने पति को सभी आरोपों से बरी करते हुए जमा जुमार्ना वापस करने का निर्देश दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 42/2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैः–
क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः (1) इज्जतनगर मंडल–समइं/फतेहगढ़ के अधिकार क्षेत्र में समपार सं. 67/सी के स्थान पर एल०एच०एस० का निर्माण कार्य (समपार के उन्मूलन के लिये)। (2) समइं/फतेहगढ़ के अधिकार क्षेत्र में समपार सं. 147/सी के स्थान पर एल०एच०एस० का निर्माण कार्य (समपार के उन्मूलन के लिये)। अनुमानित लागतः ₹ 25,99,81,076.93, बयाना राशिः ₹ 51,99,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह।
(1) ई-निविदा दिनांक 28-08-2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। (2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखें।
मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-269 इज्जतनगर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अगला सीजन आने में दो-तीन साल भी लग सकते हैं : अमोल पाराशर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

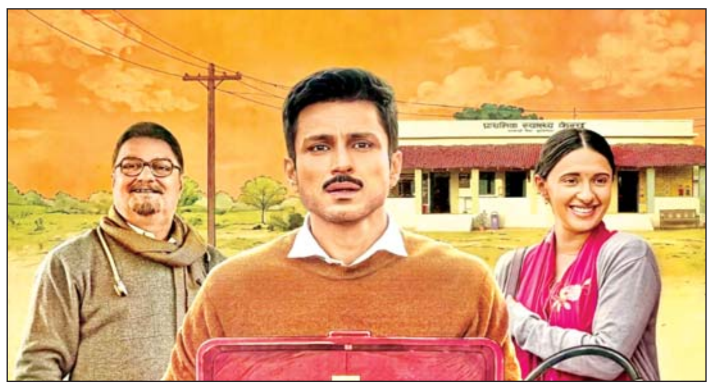

लखनऊ। 'ग्राम चिकित्सालय' यह सीरीज गांव की मिट्टी की खुशबू लिए अमेजन प्राइम पर दिखाई गई। इसमें चिकित्सालय यानी हॉस्पिटल में होने वाली छोटी बड़ी कहानियों को लोगों के सामने रखा गया। इसे दर्शकों ने पसंद भी किया। अब इसी का सीजन 2 लाया जा रहा है जिसमें कलाकार अमोल पाराशर और आकांक्षा रंजन है। इसी सीरीज के प्रमोशन इंटरव्यू के दौरान सीरीज के कलाकारों ने मीडिया से बातचीत की।

सीजन 2 का कोई प्रेशर ?

अमोल पाराशर – जब किसी सीरीज का सीजन टू आ रहा है तो यह समझ लेना चाहिए कि सीजन वन अच्छा खासा चला है। लोगों ने इसे बहुत पसंद किया है और इसीलिए प्रोडक्शन हाउस ने यह तय किया है कि इसका सीजन 2 लाया जाए। मुझे भी कई लोगों ने इसकी तारीफ की है। अच्छा लगता है लेकिन जहां तक बात है जिम्मेदारी की, ऐसे में मैं यह कहूंगा कि फिल्म मेकर्स निर्देशक और लेखक की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं। बतौर एक्टर मेरी जिम्मेदारी बड़ी नहीं निश्चित तौर पर कंधो पर इसकी जिम्मेदारी है लेकिन इसकी वजह से कोई तनाव में कोई प्रश्न महसूस नहीं होता है। हमें तो बस काम करना है। वैसे भी प्रोडक्शन हाउस द वायरल फीवर यह पहली सीरीज नहीं है। जब उनके किसी सीरीज का नया सीजन आ रहा हो, वह तो मंजे हुए खिलाड़ी है। उनको मालूम है कैसे क्या लिखना है क्या दर्शकों को बताना और कितना दर्शकों को बताना है ताकि लोगों की रूचि उसमें बनी रहे। अमोल ने कहा, मैं खुद ही अपने एक और सीरीज के तीन भाग निभा चुका हूं वायरल फीवर के साथ। अब यह बात सोचने वाली जरूर हो जाती है कि जब भी नया सीजन आए तब उसे कुछ इस तरीके से बनाया जाए कि वह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे। अपने पुराने सीरियल से एकदम अलग थलग ना हो। मुझे लगता है। हमारे प्रोडक्शन हाउस के मामले में पूरी जानकारी है।

आकांक्षा रंजन– मेरी भी यही सोच है। बहुत अच्छी बात है कि मैं इस सीरीज का हिस्सा हूं। सच कहूं तो अभी तक हम सारे ही लोगों को अपने अपने कैरेक्टर से प्यार हो गया है। हम तो सिर्फ कैरेक्टर निभाते निभाते मजे कर रहे हैं और कुछ नहीं। जहां तक बात है लेखक और निर्देशक की तो उन्होंने बहुत सोच समझ कर आगे का सीजन लिखा है। मुझे भी मालूम पड़ा कि जिन लोगों को सीरीज में कुछ चीजें पसंद नहीं आई, उनसे फीडबैक लिए गए और उसके आधार पर नए सीजन को लिखा गया।

आपको लगा था कि यह सीरीज अच्छी निकल जाएगी।

आकांक्षा रंजन– मैं अपनी बात कहूं तो मुझे लगा था वरना मैं साइन ही नहीं करती। मैंने सबसे पहले तो यह देखा कि प्रोडक्शन हाउस कौन सा है तो मेकर्स जो है द वायरल फीवर था तो मैंने कभी अच्छा ही होगा। उसके बाद फिर जिस तरीके से मुझे स्क्रिप्ट बताई गई डिटेल्स दी गई। मुझे लगा कि हां, यह कुछ तो अलग शो होने वाला है। फिर धीरे-धीरे जैसे शूट के दौरान एक एक चीज है और एक एक परत खुलती गई। मैं समझ गई कि यह बहुत अच्छा सो जाने वाला है। वो कहते हैं ना एक गुड जोन वाला शो रहेगा यह।

अमोल पाराशर– यह कहना मुश्किल है कि कोई सोहर रहेगा या फ्लॉप रहेगा ? लेकिन इस शो की बात कहूं तो अगर किसी भी सीरीज का दूसरा भाग बन रहा है। इसका मतलब ही यह है कि शो हिट रहा है और आगे भी लोगों को पसंद आएगा। अब किसी ने मुझे यह वादा तो नहीं किया है कि यह सब अच्छा ही होगा लेकिन काम करते-करते आपको समझ में आने लग जाता है कि सही ट्रैक पर है। अच्छा ही बन जाएगा। इसमें तो एक और बात मैं भी बोल सकता हूं कि आमतौर पर होता यह है कि सीजन का जो अगला भाग है वह हमने सीजन वन खत्म करते-करते तय कर लिया था। शायद एक महीने के अंदर ये बात पुख्ता हो कर हमारे सामने थी। मुझे प्रोडक्शन हाउस ने बता दिया था। इसका सीजन 2 हम लेकर आने वाले हैं वरना आमतौर पर किसी भी अच्छी सीरीज का अगला सीजन लाने में दो-तीन साल भी लग सकते हैं। यह तो बहुत ही जल्द बन गया था। ग्राम पंचायत में आप ?

आप इस इंडस्ट्री में आए तब आपके सामने क्या चुनौती थी ?

अमोल पाराशर– मेरे हिसाब से डॉक्टर प्रभात मुझ से कहीं ज्यादा धैर्यवान व्यक्ति हैं। कोई भी चीज उनके साथ हो रही है। वह उनके खिलाफ जा रही हो या उनके साथ जा रही हो। वह बहुत संयम के साथ काम लेते हैं। अगर कोई बात ठीक नहीं लग रही है। तब 2 मिनट का ब्रेक लेते हैं। शांति से सोचते हैं और फिर उसके बारे में रियेक्ट करते हैं। मुझ में इतना पेशेंस तो नहीं है। लेकिन फिर भी मैं यही कहूंगा कि जो संयम बरतना है, वह मुझे प्रभात की तरह ही मदद करता है। अब जरा सोचिए कोई सिंगर होगा तो याद करने के लिए अकेले गाना गा सकता है। कोई लेखक होगा तो लिख सकता है। कोई पेंटर होगा वो पेंट करने के लिए तैयार होगा। लेकिन अब एक एक्टर कैसे रियाज करें। अकेले में कैसे कोई रोल निभा ले या तो मुझे कोई साथ देने वाला चाहिए या फिर मुझे कोई दर्शक चाहिए उसके बिना मैं अकेले क्या अपने आप से बड़ा बना पाऊंगा ? ऐसे समय में लगता है कि कहीं तो कोई तो हो जो हमें छोटा सा रोल करने के लिए बुला लो। हम कहीं ऐक्टिंग कर सकें। उस पल में जाकर लगता है कि हमें संयम बरतना होगा। तो यह जो शब्द है ना धैर्य यह बहुत मदद करता है और बहुत चुनौती भी लेकर आता है। कई बार अंधेरे में मुझे कुछ नए कलाकार दिख जाते हैं। वह बोलते हैं कि देखिए 3 महीना हो गया। मेरा कोई काम नहीं हो रहा है। मैं क्या करूं ? तब मैं मन में कहता हूं। इतना जल्दी कुछ होने भी नहीं बना लेकिन उनसे ऐसा नहीं बोल सकता हूं। फिर उनसे मैं पूछता हूं कि पहली बार कब मुझे ऐसा देखा था जो तुम्हें लगा कि इसने अपना काम जमा लिया है। जवाब आता है ट्रिपलिंग। तब मैं उन्हें कहता हूं कि ट्रिपलिंग 2016 में आया था और मैं मुंबई में 2008 से हूं।

आपने टीवी छोड़कर सीरीज में क्यों काम करने का सोचा ?

आकांक्षा रंजन– मैं मीडियम को लेकर कभी भी अंतर के बारे में नहीं सोचती। दोनों अलग अलग मीडियम है, लेकिन मैं जिसतरह के काम करना चाहती थी, इसमें महिला सशक्तिकरण हो या मुझे कुछ कहने का मौका मिले, एक्टिंग का मौका मिले वैसा सा रोल उस समय टेलीविजन पर मुझे कोई नहीं दिखा।

ऋषि का सद्ज्ञान पीड़ा पतन से मानव समाज को बचाता है : उमानन्द शर्मा

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत डॉ0 सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, सबलापुर, सीतापुर रोड, के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 469वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। आकांक्षा श्रीवास्तव एवं अक्षय सहाय ने अपने प्रिय पुत्री आन्या सहाय के उज्वल भविष्य हेतु ज्ञानदान के रुप में उपरोक्त संस्थान के केन्द्रीय पुस्तकालय में यह सम्पूर्ण युगऋषि वाङ्मय साहित्य भेंट किया साथ-साथ संस्थान के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट किया तथा संस्थान के चेयरमैन, प्रधानाचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी को अमृतवाणी कैलेण्डर भेंट किया गया। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि का सद्ज्ञान पीड़ा पतन से मानव समाज को बचाता है। देवेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए एवं संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ0 सतीश चन्द्र तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वाङ्मय साहित्य स्थापना के इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि श्री उमानंद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, श्री प्यारे मोहन श्रीवास्तव एवं संस्थान के चेयरमैन डॉ0 सर्वेश कुमार शुक्ला, प्रधानाचार्य डॉ0 सतीश चन्द्र तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी विनोद त्रिपाठी सहित संस्थान की शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा छात्र-छात्राएं इत्यादि मौजूद रहे।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया गुरु हरकिशन साहिब जी का प्रकाश पर्व

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में शुक्रवार को शहर के सभी गुरुद्वारों में गुरु हरकिशन साहि जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी यहियागंज में आज शाम 7 बजे से 11 बजे तक गुरु हरकिशन साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं उल्लास पूर्वक मनाया गया। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि डॉक्टर गुरमीत सिंह के संयोजन में इस अवसर पर विशेष रूप से रुद्रपुर से आए भाई गुरविंदर सिंह जी ने शबद कीर्तन द्वारा सगंतो को निहाल किया। हेड ग्रंथी ज्ञानी परमजीत सिंह जी ने श्री गुरु हरकिशन साहब जी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समाप्ति पर मिष्ठान प्रसाद एवं गुरु का अटूट लंगर वितरित हुआ।

वहीं गुरुद्वारा सदर में सिखों के आठवें गुरु साहिब श्री गुरु हर किशन साहिब जी का 370वाँ प्रकाश पर्व आज गुरुद्वारा सदर, लखनऊ में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने गुरु घर में मत्था टेककर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा कीर्तन, कथा एवं अरदास में सहभागी बनकर गुरु साहिब के जीवन एवं शिक्षाओं का स्मरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अखंड पाठ साहिब के भोग एवं अरदास के साथ हुआ। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी हरविंदर सिंह जी ने गुरु हर किशन साहिब जी के जीवन, उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व तथा सेवा, करुणा एवं विनम्रता के संदेश पर आधारित प्रेरणादायी कथा सुनाकर संगत को निहाल किया। उन्होंने कहा कि गुरु हर किशन साहिब जी ने अल्पायु में ही संपूर्ण मानवता को निस्वार्थ सेवा, दया और परोपकार का अमूल्य संदेश दिया। इसके उपरांत भाई गुरविंदर सिंह जी एवं उनके सहयोगी रागी जत्थे ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को आध्यात्मिक आनंद से विभोर कर दिया। संपूर्ण दीवान के दौरान संगत गुरु की वाणी के रस में सराबोर रही।

इस अवसर पर गुरुद्वारा सदर के अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि साहिब श्री गुरु हर किशन साहिब जी का जन्म 7 जुलाई 1656 को किरतपुर साहिब में हुआ था। मात्र पाँच वर्ष की आयु में उन्हें गुरुगद्दी प्राप्त हुई। इतनी अल्प आयु में भी वे गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं, आध्यात्मिक ज्ञान, करुणा, विनम्रता और सेवा भावना से पूर्ण थे। उन्होंने कहा कि जब गुरु हर किशन साहिब जी दिल्ली पधारे, उस समय वहाँ चेचक एवं अन्य संक्रामक महामारी का भीषण प्रकोप था। गुरु साहिब ने बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा संप्रदाय का भेदभाव किए रोगियों की सेवा की, उन्हें सांत्वना दी और मानवता की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। सेवा करते हुए वे स्वयं भी चेचक की चपेट में आ गए और 30 मार्च 1664 को मात्र आठ वर्ष की आयु में जोति जोत समा गए। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा, करुणा एवं मानव कल्याण का अमर संदेश है।

सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने कहा कि आज का युग स्वार्थ और भौतिकवाद का युग माना जाता है, ऐसे समय में गुरु हर किशन साहिब जी का जीवन हमें मानव सेवा, प्रेम, भाईचारे, समानता, सहिष्णुता और विनम्रता का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा नैतिक मूल्यों की स्थापना करना है। गुरु साहिब का जीवन इस सत्य का सर्वोत्तम उदाहरण है कि सच्ची ईश्वर भक्ति मानव सेवा में ही निहित है। उन्होंने संगत से आह्वान किया कि गुरु साहिब के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करते हुए गरीब, असहाय, बीमार एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा को अपना नैतिक एवं सामाजिक दायित्व बनाएं।

यही गुरु हर किशन साहिब जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सरदार नरेंद्र सिंह छाबड़ा एवं सरदार सुरेंद्र सिंह 'गोलू' वरिष्ठ सदस्यों के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में संगत ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

समारोह का समापन सामूहिक अरदास के साथ हुआ, जिसके उपरांत समस्त संगत ने गुरु का अटूट लंगर ग्रहण किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सेवादारों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अच्छे कर्म ही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं : सागर जी महाराज

लखनऊ। आशियाना में चल रहे चातुर्मास महोत्सव के अंतर्गत जैन आचार्य श्री मानतुंगाचार्य विरचित श्री भक्ताम्बर स्तोत्र के 48 गाथाओं के व्याख्यान की श्रृंखला निरंतर जारी है। इसी क्रम में उपाध्याय श्री 108 वीहसंत सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अच्छे एवं बुरे कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है। संसार में जो भी कर्म किए जाते हैं, उनका परिणाम निश्चित रूप से सामने आता है। जो बोया जाता है, वही काटना पड़ता है। उपाध्याय श्री ने कहा कि पूर्व में किए गए कर्म हमारे द्वारा पहले से अर्जित धन के समान हैं, जिसे हम वर्तमान में खर्च कर रहे हैं। यदि आज हम सत्कर्मों, सेवा, दया और परोपकार के माध्यम से पुण्य का संचय नहीं करेंगे, तो भविष्य में कष्टों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भले ही किसी कारणवश एक दिन मंदिर न जा सकें, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कम से कम एक जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति की सहायता करने का नियम अवश्य लेना चाहिए। यही सच्चा धर्म और मानवता की सेवा है। समिति के कार्याध्यक्ष आदीश जैन ने बताया कि आगामी 9 अगस्त 2026 को राष्ट्रहित पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजलक्ष्मी स्वीट हाउस, आशियाना चौराहा, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में चार्टर्ड अकाउंटेंट, चिकित्सक, अधिवक्ता, प्रोफेसर, अभियंता, सरकारी अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले जैन समाज के विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रहित विषय पर विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमें इस बात पर मंथन किया जाएगा कि राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक विकास में जैन समाज किस प्रकार और अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है। कार्यक्रम में जैन समाज के सभी प्रबुद्धजनों से उपस्थित होकर अपने विचार रखने का आह्वान किया गया है।

नशे को ना, जीवन को हां नाट्य प्रस्तुतियों से समाज को किया गया जागरूक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्य विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित नशा मुक्त अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के वास्तुकला एवं योजना संकाय द्वारा शुक्रवार, को संकाय परिसर में नशा मुक्ति विषयक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को समाज में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक, रचनात्मक एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संकाय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गईं तीन प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियां रहीं।

विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से नशे की गिरफ्त में फंसते युवा जीवन, व्यक्ति और परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा नशे के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक समस्याओं को संवेदनशीलता एवं प्रभावशाली संवादों के साथ मंचित किया। प्रस्तुतियों में यह भी दशार्या गया कि नशे की आदत किस प्रकार व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है तथा समय रहते इससे दूर रहना ही स्वस्थ और बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर संकाय की अधिष्ठाता डॉ. वंदना सहगल ने कहा कि, युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नशा व्यक्ति की प्रतिभा और संभावनाओं को कमजोर करने के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। विद्यार्थियों द्वारा नाट्य कला के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देना अत्यंत सराहनीय पहल है। कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से दिया गया सामाजिक संदेश अधिक प्रभावी और दूरगामी होता है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी केवल अकादमिक रूप से ही सक्षम न बनें, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी विकसित हों।

भारतीय हस्तशिल्प सदैव दुनिया का आकर्षण रहा : आलोक कुमार

लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय में आज राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हस्तशिल्प की अनेक विधाओं के प्रदर्श प्रदर्शित किए गए कार्यक्रम का उद्घाटन ललित कला विभाग के प्रधानाचार्य एवं संकाय अध्यक्ष आचार्य डॉ.रतन कुमार एवं आचार्य आलोक कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानाचार्य डॉ रतन कुमार ने बताया कि हमारे टेक्सटाइल विभाग के छात्रों ने लगातार उल्लेखनीय कार्य करते हुए महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है हमारे छात्र अनेक संस्थाओं में टेक्सटाइल विभाग मे ऊंचे पदों पर कार्य करते हुए महाविद्यालय की गरिमा बढ़ा रहे हैं। उद्घाटन करते हुए आचार्य आलोक कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय हस्तशिल्प सदैव दुनिया का आकर्षण रहा है और आज के डिजिटल युग में भारतीय संवेदनाओं इनके मोटिफ और प्रतीकों को लेकर अत्यधिक डिजाइन में मांग बढ़ी है और यह कहना गलत नहीं होगा कि युवाओं की पहली पसंद बनी है। कार्यक्रम के अतिथियों एवं गणमान्य विभूतियां में डॉ. पूनम जायसवाल,किरण आर्या, आचार्य रविकांत पांडे, अमरनाथ गौर एवं सुमित कुमार सम्मिलित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर पूनम जायसवाल द्वारा किया गया इस अवसर पर हस्तशिल्पों से संबंधित अनेक विधाओं एवं आंचलिक वस्त्र कल्पना के सुंदर उदाहरण विद्यार्थियों एवं युवा कलाकारों के समक्ष प्रस्तुत किए एवं उनके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में उदाहरण सहित आचार्य आलोक कुमार ने चर्चा की। आचार्य आलोक कुमार ने बताया कि भारतीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत वस्त्र विधायें किस तरह वैश्विक स्तर पर संस्कृति को प्रभावित करते हैं और भारतवर्ष के महत्व एवं आकर्षक को दुनिया के सामने रखते हैं। शिक्षक सुमित कुमार ने पूरे कार्यक्रम को प्रलेखित करते हुए युवा कलाकारों को कला की गतिविधियों के प्रलेखन की ओर आने को प्रेरित किया।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, भूगर्भ जल विभाग, खण्ड - यॉँत्रिक अयोध्या, एम.एल.आई.जी.-22, फेज-1, कौशलपुरी, अयोध्या।

पत्रांकः- /भू0ज0वि0ख0यॉं0/पीजोमीटर्स-2026-27/अयोध्या/ दिनांक ,2026

ई-निविदा सूचना (अल्पकालीन) 2026-27

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा मध्यम गहरें पीजोमीटर के निर्माण कार्य हेतु भूगर्भ जल विभाग, उ0प्र0 मे पंजीकृत निविदा दाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	ई-निविदा सूचना (अल्पकालीन) संख्या	जनपद का नाम	कार्य का विवरण में)	लागत (लाख रू (रू.) (जी.एस.टी. रहित)	धरोहर धनराशि मूल्य (रू.)	निविदा प्रपत्र का अवधि (जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	02/पीजोमीटर्स/ अयोध्या/ 2026-27	अयोध्या	Construction of 05 No. medium deep Piezometers at various blocks of Distt. Ayodhya.	14.81	150000.00	854.00	60 दिवस
2	03/पीजोमीटर्स/ अयोध्या/ 2026-27	अम्बेडकर नगर	Construction of 05 No. medium deep Piezometers at various blocks of Distt. Ambedkar Nagar.	14.82	150000.00	854.00	60 दिवस
3	04/पीजोमीटर्स/ अयोध्या/ 2026-27	अमेठी	Construction of 05 No. medium deep Piezometers at various blocks of Distt. Amethi.	14.81	150000.00	854.00	60 दिवस

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 13-08-2026 से 31-08-2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 31-08-2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है।
इसकी तकनीकी बिड दिनांक 31-08-2026 को अपरान्ह 01:00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी।
निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(पुनीत मौर्या)
अधिशासी अभियन्ता

UPID-254586 Date: 07.08.26
Website : www.upgov.nic.in

सूर्य ग्रहण 12 को , नहीं लगेगा सूतक काल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सूर्य ग्रहण को लेकर हर बार लोगों में अलग तरह की दिलचस्पी देखने को मिलती है। कोई इसे खगोलीय घटना के तौर पर समझना चाहता है तो कोई इसके धार्मिक और ज्योतिषीय पहलू को जानने में रुचि रखता है। सीधी बात करें तो सूर्य ग्रहण तब लगता है जब चंद्रमा, पृथ्वी और सूर्य एक सीध में आ जाते हैं और चंद्रमा कुछ देर के लिए सूर्य की रोशनी को ढक लेता है।

इस वजह से दिन में भी रोशनी कम हो जाती है और माहौल थोड़ा अलग महसूस होता है। पंचांग के अनुसार, साल 2026 का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त को लगेगा। इसका समय रात 9 बजकर 4 मिनट से शुरू होकर 13 अगस्त सुबह 4 बजकर 25 मिनट तक रहेगा। समय भारत के अनुसार है, लेकिन यह ग्रहण यहां दिखाई नहीं देगा। वजह यह है कि जब ग्रहण लगेगा, उस समय भारत में रात होगी। सूर्य दिखाई नहीं देगा, इसलिए ग्रहण भी नजर नहीं आएगा। यही कारण है कि भारत में इस ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं माना जाता।

कहां दिखाई देगा सूर्य ग्रहण: आर्कटिक क्षेत्र, ग्रीनलैंड और आइसलैंड में इसे साफ देखा जा सकेगा। उत्तरी स्पेन और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में भी यह नजर आएगा। इसके अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में यह आंशिक रूप में दिखाई दे सकता है।

ग्रहण को लेकर परंपराएं: ग्रहण को लेकर कई तरह की परंपराएं भी चली आ रही हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि इस दौरान खाना नहीं खाना चाहिए। कुछ लोग ग्रहण से पहले ही भोजन बनाकर रख लेते हैं और ग्रहण खत्म होने के बाद ही खाते हैं। इसके पीछे मान्यता है कि ग्रहण के समय बना भोजन अच्छा नहीं माना जाता। हालांकि इस बात को लेकर अलग-अलग राय भी है।

कुछ लोग ग्रहण के दौरान सोने से बचते हैं और ध्यान या मंत्र जाप करना ठीक मानते हैं। उनका मानना है कि इससे मन शांत रहता है। गर्भवती महिलाओं को लेकर भी अक्सर सावधानी बरतने की बात कही जाती है। आम तौर पर उन्हें घर के अंदर रहने और तेज या नुकीली चीजों से दूरी बनाने की सलाह दी जाती है। हालांकि ये सभी बातें परंपराओं और मान्यताओं पर आधारित हैं।

भारत में सूतक का असर नहीं होगा: 12 अगस्त 2026 का यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका सीधा असर नहीं माना जाएगा। फिर भी, लोग इसे लेकर जानकारी रखना पसंद करते हैं और अपने हिसाब से सावधानियां अपनाते हैं।

पाठक को अपने से बांधने की ताकत रखती हैं 'छरबिंदा'

लखनऊ। नवनीत नीरव की पकड़ फिक्शन और नॉन-फिक्शन, दोनों विधाओं में समान रूप से सशक्त है। बच्चों, युवा पाठकों और वयस्कों के लिए लिखी गई उनकी रचनाएँ सहज ही पाठक को अपने साथ जोड़ लेती हैं। उनकी किसी भी रचना को पढ़ना शुरू कीजिए, उसे अंत तक पढ़ने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास नहीं करना पड़ता, उनकी भाषा, कथन शैली और संवेदनाएँ स्वतः ही पाठक के भीतर अपनी जगह बना लेती हैं। यह उनके अनूठे कहन का ही कमाल है। जब वे स्वयं अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, तो श्रोता उनके शब्दों और अनुभवों की दुनिया में उनके साथ-साथ विचरण करने लगते हैं। नवनीत जी की एक खास बात है कि वे साहित्य को एक गहरे समर्पण और सामाजिक दायित्व के साथ रचते हैं। यह समर्पण इस बात से भी दिखता है कि वे केवल बाल साहित्य की रचनाएँ ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसके इर्द-गिर्द एक गंभीर विमर्श और सृजनात्मक परिवेश भी निर्मित कर रहे हैं। इस प्रयास से देश में बाल साहित्य का एक सशक्त इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, जहाँ नए रचनाकारों को मंच और दिशा मिल रही है। उनका यह कहानी संग्रह भी उनकी रचनात्मक क्षमता का प्रमाण है। इसकी । हर कहानी पढ़ने के बाद लंबे समय तक पाठक के संसार में अपनी जगह बनाती है।

संक्षेप

20 करोड़ से होगा 19 नयी सड़कों का निर्माण

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए एक बड़ा प्रस्ताव तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना-2026 के तहत लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 19 नई सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है लोक निर्माण विभाग ने इन सभी प्रस्तावित मार्गों का प्राक्कलन (अनुमानित लागत) तैयार कर शासन को भेज दिया है। अब वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। वधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि क्षेत्र के विभिन्न गांवों में वर्षों से लंबित संपर्क मार्गों के निर्माण की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई थी। इसके बाद विभाग ने सर्वेक्षण कर यह प्रस्ताव तैयार किया। इन नई सड़कों के निर्माण से बदलापुर और महाराजगंज विकासखंड के दर्जनों गांवों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। इससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा होगी विधायक मिश्रा ने उम्मीद जताई है कि शासन से जल्द ही स्वीकृति मिल जाएगी, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

चोरी में में फरार युवक युवती गिरफ्तार

जौनपुर। बरसठी थाने पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त और एक अभियुक्ता को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक-एक सफेद धातु की पायल बरामद की है पुलिस के अनुसार इस दौरान थाना बरसठी पर दर्ज , धारा 305, 352, 351(3) एवं 317(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त आनन्द गौतम पुत्र राहुल कुमार गौतम तथा अभियुक्ता प्रियांशी गौतम उर्फ अंजोरा पुत्री अखिलेश कुमार गौतम, निवासी ग्राम जयरामपुर, थाना बरसठी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक-एक सफेद धातु की पायल बरामद की है।

राजगढ़ के आरक्षी पर एसपी का चला हंटर

मीरजापुर। जिले के राजगढ़ थाने पर तैनात मुख्य आरक्षी का अवैध वसूली से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से उक्त आरक्षी को निलंबित कर दिया है। बताते चलें कि अवैध शराब की बिक्री का हिसाब रखने में माहिर राजगढ़ थाने में तैनात कारखास द्वारा अवैध शराब की बिक्री के एवज में पैसा मांगा जा रहा था, जिसकी बातचीत वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे की जहां खूब किरकिरी होने लगी थी वहीं राजगढ़ थाना पर नियुक्त पुलिसकर्मी के सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप वायरल होने को संज्ञान में लेकर प्रभारी निरीक्षक राजगढ़ से जांच करायी गयी तो प्रथम दृष्टया मुख्य आरक्षी रणजीत सिंह को दोषी पाकर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

राहुल दुबे की अनुठी शिव भक्ति

सोनभद्र। मन में सच्ची श्रद्धा भक्ति सेवा भाव है तो कोई भी बाधा व्यक्ति को हताश नहीं कर सकती है। जिसका

जीता जागता उदाहरण घोरावल तहसील क्षेत्र के गड़मा निवासी राहुल दुबे हैं। इनके सनातन धर्म के प्रचार के लिए मन में ऐसी अनुठी भक्ति सेवा भाव जागृत हुई कि इन्होंने श्रावण मास में विजयगढ़ दुर्ग राम सरोवर से जल भर गुप्त काशी के नाम से सुविख्यात उमामहेश्वर धाम शिवद्वार जलाभिषेक करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति बनाकर चल दिये हैं। इनकी सबसे अनुठी शिव भक्ति भगवान भोले नाथ के दरबार में जलाभिषेक करने का यह है कि यह विजयगढ़ दुर्ग के रामसरोवर से जल भरकर लेटते हुए शिवद्वार धाम पहुंचने का संकल्प के साथ जा रहे हैं। यह उनकी अद्भुत और दृढ़ इच्छाशक्ति है कि उमा महेश्वर की शक्ति के बल पर पूरे रास्ते लेटते हुए शिवद्वार धाम पहुंचेंगे और वहां उमा महेश्वर को जलाभिषेक कर अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति और विश्वास को कायम रखेंगे। इनका कहना है कि यदि भगवान भोलेनाथ की कृपा शक्ति रही तो मैं प्रत्येक वर्ष इसी तरह जलाभिषेक कर सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करता रहूंगा। साथ ही उनका यह भी कहना है जो व्यक्ति सच्चे मन से उमा महेश्वर को जलाभिषेक करता है उसकी समस्त दुख बाधा दूर होती है और मनोकामना पूर्ण होती है।

एनटीपीसी विंध्याचल ने विद्यार्थियों को दिए स्कूल बैग

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा अपनी नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत शिक्षा को बढ़ावा देने एवं स्कूली बच्चों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से 6 अगस्त 2026 को सिंगरौली जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय, वार्ड क्रमांक-33 के विद्यार्थियों को 145 स्कूल बैग वितरित किए गए।

स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम रुक्मणी देवी, पार्षद (वार्ड क्रमांक-33), विद्यालय के शिक्षकगण एवं डेविड देशमुख, कार्यपालक (सीएसआर) एनटीपीसी विंध्याचल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके सीखने के अनुभव को बेहतर बनाना है। स्कूल बैग मिलने से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ने के साथ-साथ उन्हें अपनी अध्ययन सामग्री व्यवस्थित रूप से रखने में भी सहायता मिलेगी। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे ये प्रयास परियोजना प्रभावित एवं आसपास के समुदायों के बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यह पहल शैक्षणिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

रोजगार मेला में 94 अभ्यर्थियों का चयन

सोनभद्र। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। मेला में लगभग 270 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। मेला में कुल 08 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें मुख्यतः विजन इण्डिया प्रा०लि० (हिन्डालकों इन्डस्ट्रीज), विश्वनाथ इण्टरप्राइज (रायॅल इन्फिल्ड) जूनो फूड एप ग्लोबल आटोटेक लि०, नोयडा, फ्लीप कार्ट, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सीस ग्रामीण लि०, राबर्ट्सगंज, सुलेरा इंडस्ट्रीज, वज्र एल०ई०डी० सोल्युशन प्रा०लि० इत्यादि रही। इस मेले में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 94 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी विवेक साहू सेवायोजन कार्यालय के सच्चिदा नन्द, रोजगार मेला प्रभारी पवन कुमार सोनकर, प्रदीप सिंह, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र प्रजापति, एवं कार्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

कांवड़ शोभा यात्रा में आकर्षण का केन्द्र रहीं झांकियां

जौनपुर। भगवान शिव की भव्य कांवड़ शोभा यात्रा शुक्रवार को बोल बम कॉंवरिया संघ के नेतृत्व में निकाला गया।

शोभायात्रा में सर्वप्रथम हनुमान घाट स्थित चौरा माता मन्दिर पर बोलबम कॉंवरिया संघ के संरक्षक संतोष सेठ और महासचिव विमल सिंह ने पूजन अर्चन कर, नारियल फोड़कर यात्रा शुभारम्भ की घोषणा की। इसके पश्चात चेयरमैन प्रतिनिधि राम सूरत मौर्या ने शोभायात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा में हाथी,घोड़ा, डी०जे० एवं विभिन्न मुद्राओं में भगवान शिव की भव्य झांकियां, 12 ज्योतिर्लिंग के साथ-साथ, नगर के विभिन्न स्थानों से आयी हुयी प्रमुख झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहा। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ सद्भावना पुल, कजगाँव पड़ाव, ओलन्दगंज, शाही पुल, चहारसू चैराहा, कोतवाली चैराहा, सब्जी मण्डी, सुतहट्टी बाजार से होते हुए भण्डारी स्टेशन पर फरक्का ट्रेन से कॉंवरियों की रवानगी हुई। कॉंवरियों की शोभायात्रा पर महिलाओं ने अपने घरों से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया जगह-जगह पर समाजसेवी संस्थाओं के साथ-साथ पुलिस प्रशासन ने कॉंवरियों के लिए जलपान की व्यवस्था किया। संघ के अध्यक्ष सुधीर साहू ने कहा कि श्रावण मास में पूरा भारतवर्ष भगवान शिव के रंग में रंग जाता है और भगवान शिव जन कल्याण के देवता हैं इनके पूजन से राष्ट्र धर्म और समाज का कल्याण होता है।

न्यायालय के आदेश पर छह नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़। शहर कोतवाली क्षेत्र में पत्रकार पद्माकर पाठक के भाई सुधाकर पाठक की संदिग्ध मौत के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने छह नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

गुरुटोला निवासी पत्रकार पद्माकर पाठक के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5:30 बजे उन्हें सूचना मिली कि पुराने जेल के सामने पावर हाउस के पीछे बंधे पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने शव को लावारिस बताते हुए पैक कर दिया था। बाद में मोबाइल फोन से मिली सूचना और शव की तस्वीर देखने पर परिजनों ने मृतक की पहचान सुधाकर पाठक के रूप में की। परिजनों ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए मृतक के गले पर गंभीर चोट, गले की हड्डी टूटने और शरीर पर चोट के निशान होने का दावा किया है। इसके आधार पर उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। शिकायत के मुताबिक, सिविल लाइन क्षेत्र के कोइरी का पोखरा स्थित देशी शराब के ठेके पर पैसों के लेन-देन को लेकर सुधाकर पाठक के साथ कथित तौर पर मारपीट हुई थी। आरोप है कि मारपीट के बाद उनकी मौत हो गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि घटना को छिपाने के लिए शव को टोटो में लादकर पुराने जेल के सामने सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया। प्रार्थना पत्र में मृतक की जेब से मोबाइल फोन, पर्स, एटीएम कार्ड और अन्य दस्तावेज निकाले जाने का भी आरोप लगाया गया है। परिजनों ने घटना से जुड़े साक्ष्यों के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद शहर कोतवाली पुलिस और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने सीजेएम न्यायालय में धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत प्रार्थना पत्र दाखिल किया। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मुकदमे में विनोद राय, नन्दू यादव, हरिहर प्रसाद के पुत्र बताए जा रहे धर्मेन्द्र उर्फ बिंदू, अंडे की दुकान पर बैठे एक व्यक्ति, टोटो चालक जावेद और उसके सहयोगी सोनू समेत अन्य को नामजद किया गया है।

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है इंडक्शन कार्यक्रम

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं मानव आनुवंशिकी विशेषज्ञ प्रो. ज्ञानेश्वर चैबे रहे। प्रो. चौबे ने विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रदीप कुमार ने की। उन्होंने विज्ञान संकाय की शैक्षणिक उपलब्धियों, आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान सुविधाओं की जानकारी दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्रवृत्तियों एवं छात्र सुविधाओं, जबकि मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. अविनाश डी. पाथर्डिकर ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं एवं अनुशासन संबंधी जानकारी साझा की।

दुकानदार से मारपीट, वीडियो वायरल

आजमगढ़। जीयनपुर थाना क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में घुसकर दुकानदार और उसके बेटे के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। जीयनपुर थाना क्षेत्र निवासी जगरनाथ गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार अगस्त की रात करीब 10 बजे हिमांशु, मोदनवाल आलम और इशहाक पंखा लेने के बहाने उनकी दुकान पर पहुंचे थे। आरोप है कि दुकान में पहुंचते ही तीनों युवक गाली-गलौज करने लगे और विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। जगरनाथ के मुताबिक, शोर सुनकर उनका बेटा आदित्य मौके पर पहुंचा। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ भी गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में कुछ युवक दुकान के अंदर मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की तहरीर के आधार पर जीयनपुर थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। एएसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि घटना में शामिल आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रॉबर्ट्सगंज में सड़क किनारे वेंडिंग की समस्या होगी खत्म

सोनभद्र। जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से सोनभद्र के विकास को मिल रही गति, नगर क्षेत्र को बेहतर स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल। प्रदेश सरकार की विकासपरक एवं जनहितकारी नीतियों के क्रम में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से जिले में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। जनसुविधाओं के विस्तार, नगर क्षेत्रों को व्यवस्थित एवं बेहतर स्वरूप प्रदान करने तथा आमजन की समस्याओं के प्रभावी समाधान की दिशा में विभिन्न स्तरों पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में रॉबर्ट्सगंज नगर क्षेत्र में सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित रूप से लगने वाले ठेले, पटरी दुकानों एवं अन्य स्ट्रीट वेंडरों की समस्या के स्थायी एवं व्यवस्थित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर के अंतर्गत रॉबर्ट्सगंज में ओवर ब्रिज के नीचे उपलब्ध स्थान पर वेंडर जोन विकसित करने की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के लिए एनसीएल द्वारा रूपया 89,59,838.00 की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि परियोजना के पूर्ण होने से नगर क्षेत्र में सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित रूप से दुकानें लगाने वाले स्ट्रीट वेंडरों को निर्धारित, सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका को सुरक्षित एवं स्थायित्व मिलेगा तथा नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था, पैदल आवागमन, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण में भी सुधार होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार की विकासपरक नीतियों के अनुरूप जनपद में विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ जनसामान्य की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। एनसीएल की सीएसआर निधि से प्रस्तावित यह परियोजना रॉबर्ट्सगंज नगर क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित एवं सुविधायुक्त बनाने के साथ ही स्ट्रीट वेंडरों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आजीविका का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना का क्रियान्वयन एनसीएल मुख्यालय के सीएसआर विभाग एवं जिला प्रशासन, सोनभद्र के मध्य समझौता ज्ञापन एम0ओ0यू0 के माध्यम से किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चरणबद्ध रूप से जारी की जाएगी। कार्य की प्रगति एवं पूर्णता से संबंधित उपयोगिता प्रमाण-पत्र, पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं जियो-टैग्ड फोटोग्राफ सहित आवश्यक अभिलेख निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत किए जाएंगे।

बारिश में बह गया गांव का संपर्क मार्ग

- 292 स्कूली बच्चों की जान पर खतरा, ग्रामीणों ने कंधों पर पार कराया रास्ता

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान तहसील क्षेत्र के पटेहरा ब्लॉक अंतर्गत बभनी थपनवा गांव में गुरुवार शाम हुई तेज बारिश ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अस्थायी निर्माण की पोल खोल दी। बारिश के तेज बहाव में गांव का संपर्क मार्ग बह जाने से पूरे गांव का आवागमन प्रभावित हो गया। सबसे अधिक परेशानी कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 292 छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है, जिन्हें जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है।

शुक्रवार सुबह जब बच्चे स्कूल जाने के लिए निकले तो टूटा हुआ मार्ग उनके सामने बड़ी चुनौती बन गया। ऐसे में ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए बच्चों को खतरे वाले स्थान से सुरक्षित पार कराया। कई अभिभावक पूरे समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर मार्ग बहा है, वहां कुछ समय पहले ही लोक निर्माण विभाग ने अस्थायी मरम्मत कर खानापूर्ति की थी। पहली ही तेज बारिश में सड़क का बह जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवालड़े कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते स्थायी निर्माण कराया गया होता तो आज यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीण राकेश पांडेय और कमलेश दुबे ने बताया कि इसी मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे कंपोजिट विद्यालय आते-जाते हैं। बरसात के दौरान पानी का बहाव तेज होने से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विभागीय लापरवाही के कारण बच्चों की जान जोखिम में है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गांव के लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल क्षतिग्रस्त मार्ग का स्थायी निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दिनों में गांव का संपर्क पूरी तरह कट सकता है और स्कूली बच्चों सहित आम लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं, क्षेत्र के अभिभावकों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी अनहोनी से पहले समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

साइबर ठगी के शिकार तीन पीड़ितों को पुलिस ने लौटाये 32,999 रुपये

आजमगढ़। साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले की निजामाबाद और गंभीरपुर पुलिस ने तीन पीड़ितों को राहत दिलाई है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साइबर ठगी में गई कुल 32,999.93 रुपये की धनराशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई गई।

निजामाबाद में दो मामलों में रकम वापसः निजामाबाद थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी नेहा यादव के मित्र का मोबाइल हैक कर साइबर अपराधियों ने खुद को उनका मित्र बताते हुए क्श्टड कॉल किया और ढँङ्गल्लीढी के जरिए उनके इंडियन बैंक खाते से 25 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता की ओर से 1930 पर शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने ठउफ्द्ध पोर्टल के माध्यम से रकम होल्ड करा दी। न्यायालय के आदेश के बाद सात अगस्त को पूरी रकम वापस करा दी गई। इसी थाना क्षेत्र के मस्जिदिया निवासी गुड्डी देवी से किस्त जमा कराने के नाम पर साइबर अपराधियों ने ढँङ्गल्लीढी के जरिए एसबीआई खाते से 5,999.93 रुपये निकाल लिए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने रकम होल्ड कराई और आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद छह अगस्त को पूरी धनराशि पीड़िता के खाते में वापस करा दी। गंभीरपुर में 2,000 रुपये वापसः गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बिन्द्रा बाजार निवासी प्रद्युम्न सिंह के यूनियन बैंक खाते से फर्जी कॉल के जरिए वढक/ढँङ्गल्लीढी से 39,500 रुपये की ठगी की गई थी। पीड़ित ने 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। गंभीरपुर पुलिस की साइबर टीम ने कार्रवाई करते हुए ठगी की रकम में से 2,000 रुपये फ्रीज कराए। इसके बाद टफ्ट पोर्टल के माध्यम से सात अगस्त को यह रकम पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई।

निजामाबाद में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के निर्देशन में तथा गंभीरपुर में थानाध्यक्ष अमित कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में साइबर टीमों ने कार्रवाई की। रकम वापस मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस के प्रति आभार जताया। पुलिस ने अपील की है कि साइबर ठगी होने पर देरी न करें और तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

नहर में मिला अधेड़ का शव, हत्या का आरोप

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के थलोई गांव में भूमि विवाद के दौरान साजिश रचकर हत्या करने का आरोप मृतक के पुत्र ने लगाया है। मामले में एक अगस्त को गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी जबकि गुरुवार को महराजगंज थाना क्षेत्र के भटपुरा गांव में शव मिला जिसकी शिनाख्त थलोई निवासी 49 वर्षीय अशोक कुमार पटेल के रूप में हुई है। शिनाख्त के बाद घटना की सूचना जब ग्रामीणों को हुई तो भारी भीड़ कोतवाली पहुंच गई तो भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने के आश्वासन पर लोग वापस लौट गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक के पुत्र आकाश कुमार पटेल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उनका अपने परिवार और पड़ोसियों से भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। विपक्षी की भटपुरा में रिश्तेदारी है और वे सब रिश्तेदारों के साथ साजिश रचकर पिता अशोक कुमार पटेल की हत्या कर शव को नहर में फेंक दिए। आकाश का कहना है कि एक अगस्त को उनके पिता घर से 8 बजे स्प्लेंडर बाइक से निकले थे और फिर लौट कर घर वापस नहीं लौटे। मामले में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पांच दिन बाद भटपुरा गांव की नहर से क्षत विक्षत शव बरामद हुआ है, जिसका हाथ,पैर कटा था। मामले में आरोपी ईश्वर लाल उनकी पत्नी फूलकली,उनके पुत्र अंकित, अमरेंद्र पटेल, कविता समेत अन्य लोगों को नामजद करते हुए साजिश रचकर पिता की हत्या कराने का आरोप लगाया है। उक्त मामले के बावत प्रभारी निरीक्षक विनीत राय का कहना है कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों की भीड़ को समझा बुझा कर आक्रोश शांत करा दिया गया है।

दिव्यांग बच्चों को टी-शर्ट तथा खाद्य सामग्री दिया

जौनपुर। महिला स्वयंसेवी संस्था इनर व्हील क्लब ऑफ शिराज-ए-हिंद की ओर से अध्यक्ष संध्या सिंह एवं सचिव रंजना शुक्ला के नेतृत्व में दिव्यांग बच्चों के लिए सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सहारा, आत्मविश्वास और खुशियाँ प्रदान करना

रहा। क्लब की ओर से दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर, टी-शर्ट तथा खाद्य सामग्री वितरित की गई। सेवा सामग्री प्राप्त कर बच्चों एवं उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। क्लब की सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया। अध्यक्ष संध्या सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाना इनर व्हील क्लब का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ क्लब भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। सचिव रंजना शुक्ला ने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

डीसीएम बल्कर में टकराया, चालक घायल

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान के पास शुक्रवार दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब मिर्च लदे डीसीएम ट्रक का अगला टायर फटने से ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे सीमेंट लदे बल्कर में पीछे से जा टकराया। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। महाराष्ट्र के गोले गांव से मिर्च लादकर देवरिया जा रहा डीसीएम ट्रक जैसे ही ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान से सौ मीटर पहले पहुंचा तो ट्रक अगला टायर अचानक फट गया। अनियंत्रित ट्रक बल्कर में पीछे से जा टकराया। हादसे में तीस वर्षीय ट्रक चालक राजा उर्फ सचिन निवासी बारा दौलतपुर, घाटमपुर जिला कानपुर नगर को बाहर निकालने के लिए पीछे से आ रहे अन्य ट्रक चालकों व स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत की लेकिन कामयाब नही हो सके। सूचना के करीब पचास मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे फायरब्रिगेड कर्मी व पुलिसकर्मियों ने गैस कटर मशीन से केबिन को काटकर किसी तरह से घायल चालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को पुलिस ने एनएचएआई की एंबुलेंस से उपचार हेतु सीएचसी लालगंज भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक के पैर में आई गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। हादसे के बाद ड्रमंडगंज घाटी में करीब एक घंटे तक एक लेन से यातायात प्रभावित रहा।

दिव्यांगजन चिन्हांकन व पंजीकरण कैंप आयोजित

मड़िहान, मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निदेर्शानुसार विकासखंड पटेहरा कला के सभागार में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिव्यांगजन विभाग द्वारा विशेष दिव्यांगजन चिन्हांकन एवं पंजीकरण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे, जहां पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा लाभार्थियों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सरकारी सुविधाओं और योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रह जाए।

महिला को सांप ने डंसा, मौत

आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र के मुतकल्लीपुर गांव में गुरुवार की शाम दर्दनाक हादसा हो गया। मिट्टी के चूल्हे पर दूध उबालने के लिए उपला निकाल रही 56 वर्षीय महिला को उपले में छिपे सांप ने डंस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई लेकर पहुंचे, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद टांडा पीजीआई में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मुतकल्लीपुर गांव निवासी निर्मला देवी (56) पत्नी त्रिभुवन गुरुवार की शाम दूध लेकर मिट्टी के चूल्हे पर उबालने के लिए बैठी थीं। इसी दौरान चूल्हे के पास रखे उपले निकालते समय उसमें छिपे सांप ने उनके हाथ में डंस लिया। सांप के डंसते ही निर्मला देवी ने शोर मचाया। उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन आनन-फानन में निर्मला देवी को उपचार के लिए सीएचसी पवई लेकर पहुंचे। पति त्रिभुवन का आरोप है कि अस्पताल में एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) इंजेक्शन उपलब्ध नहीं था और बेहतर उपचार की व्यवस्था भी नहीं हो सकी। चिकित्सकों ने उनकी हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन निर्मला देवी को उपचार के लिए टांडा पीजीआई लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी। महिला की मौत से गांव में भी शोक का माहौल है।

नाली विवाद चले में लाठी-डंडे

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में नाली निर्माण को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने पूरी वारदात को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वायरल वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

संक्षेप

डिलीवरी के बाद विवाहिता की मौत

टूंडला। थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद में डिलीवरी के बाद एक विवाहिता की मौत को लेकर मायके और ससुराल पक्ष के बीच कहासुनी हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया और पंचनामा भरवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार रजनी (23) पुत्री बाबूराम, निवासी छारबाग थाना लाइनपार, फिरोजाबाद की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व मोहम्मदाबाद निवासी सतेंद्र पुत्र दौलतराम (भोले) के साथ हुई थी। रजनी का इलाज सुहाग नगर चौराहे स्थित नारायण हॉस्पिटल में चल रहा था, जहां 6 अगस्त को ऑपरेशन के जरिए उसकी डिलीवरी हुई थी। उपचार के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। मृतका का शव गांव मोहम्मदाबाद लाए जाने के बाद मायके पक्ष के लोग भी वहां पहुंच गए और मौत को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। सूचना मिलने पर डायल-112 और थाना टूंडला पुलिस मौके पर पहुंची तथा दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिस ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

1.339 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

फिरोजाबाद। एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना नगला सिंघी और थाना दक्षिण पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 1 किलो 339 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। थाना नगला सिंघी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बनकट रोड से रामपुर जाने वाले मार्ग पर कार्रवाई करते हुए पंकज पुत्र कालीचरन, निवासी फतेहाबाद आगरा को 781 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना नगला सिंघी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं थाना दक्षिण पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे लाइन के किनारे मुरलीनगर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान चन्द्रशेखर उर्फ पीके पुत्र सियाराम, निवासी देवनगर थाना दक्षिण को 558 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना दक्षिण में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है।

नशा मुक्ति व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मथुरा। उप्र पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विवि एवं गो-अनुसंधान संस्थान में एसएसपी श्लोक कुमार की अध्यक्षता और मार्गदर्शन में आज एक दिवसीय नशा मुक्ति और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए नशा न करने की शपथ दिलाई गई। एसएसपी ने देश के कानून और एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में कहा गया कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें इस सामाजिक बुराई से दूर रहकर एक स्वस्थ व सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

छात्रों ने सीखी माइक्रोसाफ्ट की एज्युरे क्लाउड कंप्यूटिंग

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा माइक्रोसाफ्ट से मान्यताप्राप्त प्रशिक्षक के जरिए एजेड-900: माइक्रोसाफ्ट एज्युरे क्लाउड कंप्यूटिंगम्ह पर एक ऑनलाइन वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। वेबिनार में विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग और माइक्रोसाफ्ट एज्युरे प्लेटफॉर्म की बुनियादी बातों से परिचित कराया गया, ताकि उन्हें इंडस्ट्री के लिए जरूरी जानकारी और करियर-ओरिएंटेड टेक्निकल स्किल्स मिल सकें। वेबिनार में विशेषज्ञ प्रशिक्षक मानस श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को क्लाउड कंप्यूटिंग की बुनियादी बातों से परिचित कराया और बताया कि कैसे आधुनिक संगठन स्केलेबिलिटी, फ्लेक्सिबिलिटी, कॉस्ट-एफिशिएंसी और बिजनेस इनोवेशन को बेहतर बनाने के लिए क्लाउड सर्विसेज का लाभ उठाते हैं। टेक्निकल सेशन में कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया, जैसे क्लाउड कंप्यूटिंग की बुनियादी बातें, क्लाउड डिप्लॉयमेंट मॉडल (जैसे पब्लिक क्लाउड, प्राइवेट क्लाउड और हाइब्रिड क्लाउड), क्लाउड सर्विस मॉडल (जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर एज ए सर्विस, प्लेटफॉर्म एज ए सर्विस और सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस), और माइक्रोसाफ्ट एज्युरे सर्विसेज और सॉल्यूशंस का ओवरव्यू के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रैक्टिकल उदाहरणों और इंडस्ट्री में असल इस्तेमाल के मामलों के जरिए, मिस्टर श्रीवास्तव ने क्लाउड से जुड़े मुश्किल कॉन्सेप्ट्स को आसान बनाया और स्टूडेंट्स को क्लाउड टेक्नोलॉजी में महारत हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

संस्कृति विश्वविद्यालय

वेबिनार के संयोजक संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी के डीन डा. पंकज गोस्वामी ने बताया कि वेबिनार का समन्वय विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अमित मिश्रा ने किया। उन्होंने बताया यह वेबिनार एकेडमिक लर्निंग और इंडस्ट्री की जरूरतों के बीच के अंतर को कम करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म साबित हुआ।

कंटेनर ने रौंदे बाइक सवार दोनों युवकों की क मौत

मथुरा। कोसीकलां में आगरा-दिल्ली राजमार्ग पर गांव बंचारी (होडल) हरियाणा से ड्यूटी करके लौट रहे बाइक सवार युवकों को कंटेनर ने टक्कर मार दी। कंटेनर बाइक पर पलट गया, जिससे बाइक सवार एक युवक कंटेनर के नीचे दब गया। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक कोसीकलां एवं अलवाई (छाता) के निवासी थे। मौके पर पहुंची होडल पुलिस ने हाइड्रा के माध्यम से कंटेनर के नीचे दबे शव को बाहर निकाला। होडल पुलिस के अनुसार मृतक दीपक के भाई नकुल निवासी अग्रवाल कॉलोनी ने बताया कि वह जेबीएम कंपनी में नौकरी करता है। साथ में उसका छोटा भाई दीपक 28 वर्ष और उसके भाई का दोस्त कृष्णकांत 26 वर्ष निवासी अलवाई, छाता भी उसके साथ नौकरी करता था। बृहस्पतिवार की शाम करीब साढ़े सात बजे उसका भाई दीपक व कृष्णकांत अपनी ड्यूटी करके बाइक पर कोसीकलां आ रहे थे। बाइक को कृष्णकांत चला रहा था और उसका भाई दीपक पीछे बैठा था। जैसे ही उनकी बाइक रेलवे चैक फ्लाईओवर पर पहुंची तो पीछे से आते कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना के दौरान कंटेनर राजमार्ग पर पलट गया और चीख पुकार मच गई। दीपक कंटेनर के नीचे दब गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कृष्णकांत घायल हो गया। बाद में उसने भी दम तोड़ दिया। वहीं हादसे के बाद राजमार्ग पर काफी देर तक जाम लग गया। वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही होडल पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक दीपक की पत्नी ने पांच दिन पहले ही बेटी को जन्म दिया है।

सपा ने पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

मथुरा। आज समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला कारागार विजिटर मनोज कुमार गोयल एवं समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल के निज निवास राधा प्रेम स्टेट पर स्वर्गीय श्याम सुंदर गोयल की बारहवीं पुण्यतिथि पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके व्यक्तित्व तथा सामाजिक योगदान को स्मरण किया।

भाजपाइयों ने किया संत रविदास समरसता संकल्प कलश वंदन रथ का स्वागत

टूंडला। संत शिरोमणि रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के समरसता संकल्प अभियान के तहत निकाले जा रहे कलश वंदन रथ का शुक्रवार को टूंडला नगर में भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं और भाजपा कार्यकताओं ने विभिन्न स्थानों पर कलश का पूजन-अर्चन कर संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के तहत कलश वंदन रथ का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के वाराणसी से किया गया है। यह रथ प्रदेश के प्रत्येक बूथ क्षेत्र के धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर समरसता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दे रहा है। टूंडला नगर में रथ यात्रा का शुभारंभ मनी की मढ़ैया से हुआ, जो नगला राधेलाल, न्यू शिवनगर और कच्चा टूंडला होते हुए हनुमान मंदिर, चक समाज पर संपन्न हुई। समापन समारोह में पूर्व विधायक शिव सिंह चक ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने जाति-पांति, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव की दीवारों को तोड़कर मानवता, समरसता, समानता और मानवीय मूल्यों का अमर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज भी उनके विचार समाज को एकजुट करने और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष आजाद जैन, कार्यक्रम संयोजक रामतीर्थ सिंह चक, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुशील चक, राजन सिंह निषाद, सुनील पाठक, निर्मल चक, आशू चक, कौशल तिवारी, सतीश चक, हाकिम सिंह चक, गौरव चक, सोनू कश्यप, रमेश चक मुन्नालाल चक, गिरेंद्र सिंह चक, सुनील चक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यशाला में युवाओं को मिला उद्यमिता का मंत्र

फिरोजाबाद। पालिवाल हॉल में गुरुवार को एमएसएमई योजनाओं पर हितधारकों एवं कार्यान्वयन विभाग के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं सदर विधायक मनीष असीजा ने युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला उद्यमी बनने का आह्वान किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में युवाओं और उद्यमियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद ग्लास सिटी और बैंगल सिटी के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है, जो औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि पात्र युवाओं को बिना किसी गारंटी के 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाया जाएगा। सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन और उद्योग विभाग लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बैंक प्रबंधकों से अपील की कि युवा उद्यमियों को अनावश्यक रूप से बैंकों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनके ऋण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थी योगेश कुमार विनय यादव, आशीष कुमार एवं आकांक्षा अग्रवाल को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत पंकज कुमार, जगत सिंह, अजय कांत, राकेश यादव एवं प्रमोद कुमार को भी सम्मानित किया गया। कार्यशाला में उपायुक्त उद्योग संध्या सहित उद्योग विभाग के अधिकारी उद्यमी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

गर्भवती की हत्या मामले में शव की तलाश में तीन प्रदेशों की पुलिस भी रही नाकाम

आगरा। साउथ दिल्ली की युवती की हत्या के बाद चंबल में फेंका शव पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। आरोपी पिता और जीजा को जेल भेजा जा चुका है। मृतका की बहन की भूमिका के बारे में पुलिस पता कर रही है। यूपी के साथ राजस्थान और एमपी पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है। आशंका है कि शव को मगरमच्छ और घड़ियालों ने अपना निवाला बना लिया होगा। दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र की युवती के प्रेम संबंध बस्ती के ही एक युवक से चल रहे थे। वह गर्भवती हो गई। इस बात की जानकारी पर पिता ने बेटी से गर्भपात कराने के लिए कहा लेकिन उसने इंकार कर दिया। पिता उसे अपने पुश्तैनी गांव बासौनी लेकर आए। बेटी को चंबल किनारे पर ले जाकर आत्महत्या का दबाव बनाया। उसके इंकार पर खुद ही पानी में डुबोकर जान ले ली थी। इसके बाद शव को चंबल में बहा दिया था। हत्या में मृतका की बड़ी बहन का पति भी शामिल था। उसने ससुर के मोबाइल से फोटो खींचे थे। दिल्ली पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शव की बरामदगी के लिए पांच दिन की रिमांड पर आगरा लेकर आई थी। मगर पुलिस शव बरामद नहीं कर सकी। टीम वापस चली गई। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया था। पुलिस की छानबीन में पता चला कि मृतका की मां की आठ साल पहले मृत्यु हो गई थी। बड़ी बहन शादीशुदा है। मझला भाई पढ़ाई करता है। पिता की हलवाई की दुकान है। पुलिस यह पता कर रही है कि युवती की हत्या में उसकी बड़ी बहन का हाथ तो नहीं था। क्योंकि उसके पति ने हत्या में ससुर का साथ दिया था। एसीपी पिनाहट अनिल कुमार ने बताया कि दिल्ली पुलिस मामले में पड़ताल कर रही है। आगरा पुलिस शव बरामदगी में सहयोग कर रही है। हालांकि शव मिला नहीं है। राजस्थान और एमपी पुलिस को भी सूचना दी गई है। अगर कहीं कोई शव मिलेगा तो जानकारी देने के लिए कहा गया है। चंबल में घड़ियाल और मगरमच्छ भी है। ऐसे में शव को यह खा सकते हैं।

इस ब्रांड का आटा भूल से भी न खरीदें, इसमें मिलाया जा रहा पत्थर का चूरा

आगरा। गेहूं के आटे में सेलखड़ी यानी मुलायम पत्थर का चूरा मिलाकर बेचने का मामला सामने आने के बाद आगरा में खाद्य एवं औषधि विभाग ने आटा मिलों पर कार्रवाई तेज कर दी है। एक सप्ताह में 30 इकाइयों से 35 से ज्यादा नमूने लिए गए हैं, जबकि बसई खुर्द में 1,496 किलो आटा सील किया गया है। गेहूं के साथ घुन पिसने की कहावत तो सुनी होगी लेकिन सफेद आटे का ऐसा काला सच सामने आया है जिसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे। मुनाफाखोर गेहूं के साथ सेलखड़ी (पत्थर का मुलायम चूरा) को पीसकर लोगों की थाली तक पहुंचा रहे हैं। फिरोजाबाद में गेहूं के आटे में मिलावट पकड़े जाने के बाद शहर में भी खाद्य एवं औषधि विभाग ने आटा मिलों की जांच तेज कर दी है। बीते एक सप्ताह में 30 इकाइयों से 35 से अधिक नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट में कई मिलों में मिलावट का खेल सामने आ सकता है। इसके बाद दोषी मिल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आगरा के बाद प्रदेशभर की आटा मिलों की भी मिलावटखोरी की जांच शुरू हो गई है। गत मंगलवार शाम खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने फिरोजाबाद के रजावली के गांव रामनगर स्थित शिवाय ट्रेडिंग कंपनी (आटा मिल) में 30 किलो सेलखड़ी बरामद किया था। इसे गेहूं के साथ पीसकर राज रसोई प्रीमियम ब्रांड नामक आटे की पैकिंग की जा रही थी। जांच में पता चला सेलखड़ी आगरा से मंगाया जाता है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शिवाय ट्रेडिंग कंपनी के दो संचालकों पर प्राथमिकी दर्ज करा दी है। दोनों फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। खाद्य एवं औषधि विभाग की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने प्रदेशभर में आटा मिलों की जांच के निर्देश दिए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभी तक आटे में चावल के चूरे की मिलावट तो पकड़ी गई थी मगर सेलखड़ी की मिलावट सामने नहीं आई थी। आगरा में बुधवार को बसई खुर्द स्थित श्याम भोग एंटरप्राइजेज में श्याम भोग ब्रांड का 1,496 किलो आटा सील किया गया है। बृहस्पतिवार को भी रात तक कार्रवाई चलती रही। इस दौरान कई जगह ब्रांडेड गेहूं के आटे की पैकिंग के स्थानों पर टीमों को गंदगी मिली। सहायक आयुक्त खाद्य महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सेलखड़ी मिलाकर गेहूं के आटे की बिक्री की शिकायत पर मुख्यालय स्तर से जांच की जा रही है। आगरा में टीम ने 30 आटा मिलों में 35 से अधिक नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने के बाद इन पर कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि मिल संचालक सेलखड़ी के उपयोग की सही जानकारी नहीं देते। कभी ये कीड़ों से अनाज को बचाने तो कभी प्लास्टिक की बोरियों को चिकना करने (आटा बाहर निकलने से रोकने) के लिए इसके उपयोग की बात बताते हैं। हालांकि मजदूरों से सख्ती से पूछने पर पता चला कि ये लोग घटिया और खराब गेहूं पीसकर आटा बनाते हैं। इससे आटे में हल्का कालापन आ जाता है। उसे सफेद और चमकदार बनाने के लिए सेलखड़ी का उपयोग करते हैं।

● आगरा 30 बड़ी मिलों पर छापे के बाद सच आया सामने

यहां करें शिकायत टोल फ्री नंबर 18001805533, कार्यालय 0562-2970049 (सुबह 10 से शाम 5 बजे तक)। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि एक कटोरी में आटा लें और उसमें नींबू की कुछ बूंदें डाल दें। बुलबुले उठने लगें तो मिलावट है। ऐसे ही गिलास में पानी भरें और आटा डालकर चम्मच से मिलाएं। आटा तली में बैठ जाए तो मिलावटी है। तीसरा तरीका यह है कि हथेली पर आटा रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदरा लगेगा, असामान्य चिकनाहट हो तो मिलावट हो सकती है। सीएमओ आगरा डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि लंबे समय तक सेलखड़ी शरीर में पहुंचने से पेट के विकार तेजी से बढ़ते हैं। पेट में दर्द, अपच और आंतों में रुकावट का खतरा बढ़ जाता है।

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर बैठक

आगरा। पुलिस आयुक्त, आगरा दीपक कुमार द्वारा अपर पुलिस आयुक्त, समस्त पुलिस उपायुक्त, समस्त अपर पुलिस उपायुक्त, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त एवं समस्त थाना प्रभारियों के साथ गूगल मीट के माध्यम से गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान श्रावण मास व कांवड़ यात्रा तथा आगामी द्वितीय सोमवार के अवसर पर मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम दर्शन व्यवस्था के दृष्टिगत शांति एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, डीजे संचालन को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित कराने हेतु डीजे संचालकों के साथ बैठक आयोजित करने, कांवड़ मार्गों पर स्थापित विद्युत खंभों एवं लाइनों की सुरक्षा जांच हेतु विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर निरीक्षण व समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने, महिला व बाल सुरक्षा से संबंधित अपराधों के विरुद्ध अभियान चलाने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पूर्व सांसद के बेटे से 17 लाख हड़पने का आरोप, रुपये मांगने पर पिता के दोस्त ने दी धमकी, प्राथमिकी दर्ज

आगरा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद हरद्वार दुबे के बेटे और भाजपा नेता प्रांशु दुबे के साथ उनके पिता के दोस्त ने ही धोखाधड़ी कर दी। आरोप है कि बैंक का लोन चुकाने के नाम पर 27 लाख रुपये उधार लेने के बाद वापस नहीं किए। काफी प्रयास के बाद 10 लाख रुपये लौटा दिए। बकाया 17 लाख रुपये मांगे जाने पर मारपीट की और धमकाया। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है। अजंता एन्क्लेव, धौलपुर हाउस निवासी प्रांशु दुबे ने बताया कि वह दुबे गैस एजेंसी के प्रोपराइटर हैं। पिता दिवंगत हरद्वार दुबे द्वितीय पार्टनर थे। उनके मित्र सुरेश चंद्र ट्रांस यमुना कॉलोनी में रहते हैं। वह सरकारी खाद्य बीज भंडार में कार्यरत थे। वह 2022 में पिता के पास आए। कहा कि उनका एक लोन ग्रामीण बैंक में चल रहा है। परिवार में अनबन चलने के कारण लोन नहीं चुका पा रहे हैं। उन्होंने मदद मांगते हुए रकम देने के लिए कहा। प्रांशु ने बताया कि पिता के कहने पर परिचित सुरेश चंद्र यादव को आईडीबीआई बैंक के ओडी खाते से दो किश्तों में 19 लाख रुपये और 8 लाख रुपये नकद दिए। ऑनलाइन रकम सुरेशचंद्र के बेटे पुष्पेंद्र यादव की फर्म कर काव्या फ्रेट करियर के खाते में गई थी। आरोप है कि यह रकम सुरेश चंद्र यादव के पुत्र की फर्म खाते में इस आश्वासन के साथ ट्रांसफर कराई कि छह माह में लौटा देंगे। गारंटी के तौर पर उन्होंने अपने पुत्र और पुत्रवधू आरती के चेक भी दिए थे। पीड़ित का कहना है कि तय समय पर पूरी रकम वापस नहीं मिली। अब तक केवल 10 लाख रुपये ही लौटाए गए हैं, जबकि करीब 17 लाख रुपये अभी भी बकाया हैं। आरोप है कि बार-बार तकादा करने पर आरोपी टालमटोल करते रहे और फोन उठाना भी बंद कर दिया। तगादा करने घर गए तो उनके साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना रकाबगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हिंदी कार्यशाला एवं प्रतियोगिता के आयोजन में राजभाषा पर दिया गया जोर

मथुरा। राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आगरा के गोवर्धन सभा कक्ष में राजभाषा विभाग द्वारा एक विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मंडल के विभिन्न विभागों के 31 वरिष्ठ रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मासिक पीसीडीओ एवं हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में अवगत कराया गया कि आगरा मंडल (क) क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए यहां राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत प्रयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। कार्यशाला के साथ-साथ मुड़िया पूर्णिमा मेले का महत्व विषय पर एक हिंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर हिंदी तिमाही रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण हेमंत कुमार पाठक द्वारा किया गया, जिसमें राजभाषा से जुड़ी प्रगति और उपलब्धियों को साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा विभाग द्वारा किया गया। यह आयोजन मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक गिरीश कुमार गुप्ता के सफल निर्देशन तथा राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक (सामान्य) बीरेंद्र सिंह चैहान के संरक्षण में संपन्न हुआ।

2.5 लाख की चरस और 63 हजार की ड्रग मनी के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दक्षिण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर तस्करों पिता पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 755 ग्राम अवैध चरस, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2.5 लाख रुपये बताई जा रही है, तथा नशे के कारोबार से अर्जित 63 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर 6 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे थाना दक्षिण पुलिस ने बोहरान गली स्थित एक मकान पर दबिश देकर अनिल पुत्र बाबूराम और उसके पुत्र लक्ष्य निवासी घेर बोहरान गली, थाना दक्षिण को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 755 ग्राम चरस और 63 हजार रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना दक्षिण में मु0अ0सं0 838/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी लक्ष्य के खिलाफ पहले भी हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं और एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज है। वहीं अनिल के विरुद्ध भी एनडीपीएस एक्ट का पूर्व में मुकदमा दर्ज है। पुलिस आरोपियों के मादक पदार्थों के नेटवर्क और सप्लाई चेन की भी जांच कर रही है।

मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

फिरोजाबाद। जनपद में मोबाइल लूट की वारदातों का खुलासा करते हुए थाना शिकोहाबाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, नकदी और पांच लूटे गए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शिकोहाबाद पुलिस को सूचना मिली थी कि मोबाइल लूट की घटनाओं में वांछित बदमाश पुरातन रोड स्थित कोल्ड स्टोर के पास किसी वारदात की फिराक में मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग शुरू की। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन जल्दबाजी में उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। अपने को घिरता देख एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में ऋषि उर्फ कन्हई पुत्र हरनाम, निवासी गिहार कॉलोनी, थाना भोगांव, जनपद मैनपुरी के पैर में गोली लग गई। वहीं उसका साथी मनीष पुत्र विजेंद्र निवासी गिहार कॉलोनी, थाना भोगांव मैनपुरी को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा एक खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस, मोबाइल लूट में प्रयुक्त राइडर मोटरसाइकिल सात हजार रुपये नकद, एक ओप्पो मोबाइल तथा विभिन्न घटनाओं से लूटे गए चार अन्य मोबाइल फोन बरामद किए हैं। थाना प्रभारी अनुज राना के अनुसार दोनों आरोपी थाना शिकोहाबाद क्षेत्र में दर्ज मोबाइल लूट के दो मुकदमों में वांछित थे। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद ने बताया कि गिरफ्तार दोनों बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास है।

बेटी के प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

● जंगल में शव दफनाने का आरोप

मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र से लगभग चार महीने से लापता चल रहे मनोज सोनी के मामले में एक चैंकाने वाला और दहला देने वाला खुलासा सामने आया है। पुलिस जांच में यह आरोप लगाया गया है कि मृतक की पत्नी ने अपनी बेटी के प्रेमी के साथ मिलकर मनोज की हत्या कर दी और शव को अछूता क्षेत्र के जंगल में दफना दिया।

गौरतलब हो कि मनोज सोनी 18 और 19 अप्रैल की मध्यरात्रि अपनी पत्नी के साथ हुए विवाद के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। उनकी पत्नी नैना सोनी ने 21 अप्रैल को गोविंद नगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी, लेकिन अगले ही दिन उसे वापस ले लिया गया। इसके बाद, 9 मई को मनोज के भाई ने थाने में दोबारा गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की। भाई ने नैना के व्यवहार पर संदेह जताते हुए आरोप लगाया था कि मनोज ने अपने हिस्से का मकान अपनी पत्नी के नाम करा दिया था। इसके बाद 7 जून को नैना बच्चों को लेकर घर में ताला लगाकर कहीं चली गई, जिसके बाद से मनोज का कोई अता-पता नहीं था। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिन पहले नैना अपने मायके पहुंची थी, जहां उसके पिता ने मनोज के बारे में पूछताछ की। इस दौरान नैना ने कथित तौर पर यह कबूल किया कि उससे गलती हो गई है। पिता ने तुरंत इसकी सूचना गोविंद नगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने नैना और उसकी मां को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने बताए गए संभावित स्थान पर शव की तलाश शुरू की। गुरुवार को पुलिस ने परिजनों से मिली जानकारी के बाद जंगल के संभावित क्षेत्र में करीब पाँच घंटे तक गहन सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन देर शाम तक शव बरामद नहीं हो सका। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह एक बार फिर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। शव मिलने के बाद उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस इस पूरे हत्याकांड के सभी पहलुओं और इसमें शामिल अन्य संदिग्धों की भूमिका की बारीकी से जांच कर रही है।

सामाजिक सुरक्षा जरूरी

प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिल रहा है लेकिन इन रोजगार की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि इसमें कम आमदनी, सामाजिक सुरक्षा का अभाव और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा जैसी स्थितियों के कारण ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, क्विक कॉमर्स, फूड डिलीवरी और टैक्सी जैसी तमाम सेवाओं में लगे गिग वर्कर्स को चौतरफा शोषण का शिकार होना पड़ता है। इन्हीं चुनौतियों के मद्देनजर बीते साल के अंत में गिग कर्मियों और विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के लिए काम करने वाले कामगारों के एक वर्ग द्वारा मेहनताने और काम के हालात को लेकर की गई हड़ताल ने क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी कंपनियों को अपने कारोबारी मॉडल को नये सिरे से तैयार करने का अवसर प्रदान किया है। गिग कर्मचारियों की मांगें बुनियादी थीं। इनमें न्याय संगत और पारदर्शी वेतन, 10 मिनट में सामान की आपूर्ति करने पर प्रतिबंध तथा अधिसूचित श्रम संहिताओं के अनुरूप वेतन और लाभों का समायोजन करना शामिल था। कुछ मांगे मसलन दस मिनट में डिलीवरी को कंपनियों ने बंद किया। बीते कुछ सालों में क्विक कॉमर्स का तेजी से विस्तार हुआ है और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों की मांग में भारी इजाफा होने की संभावना है। नीति आयोग का अनुमान है कि राइड शेयरिंग, डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और पेशेवर सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों की संख्या एक करोड़ तक हो चुकी है। वर्ष 2029-30 तक यह बढ़कर 2.3 करोड़ तक पहुंच सकती है। दूसरे शब्दों में कहें तो अर्थव्यवस्था का यह खंड युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनने की क्षमता रखता है। इसके बावजूद यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि उनके काम करने के हालात को आदर्श नहीं

माना जा सकता है। पहली बात तो यही कि क्विक कॉमर्स तेजी से एक ऐसा व्यापार मॉडल बनता जा रहा है जो ट्रैफिक नियमों को तोड़ने पर आधारित है। उपभोक्ताओं तक पहुंचने की प्रतिस्पर्धी होड़ ने एक ऐसी संरचना बना दी है जो डिलिवरी पार्टनर्स को तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने और न केवल खुद को बल्कि आम जनता को भी खतरे में डालने के लिए मजबूर करती है। डिलिवरी समय-सीमा और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध को साबित करने के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन समस्या इतनी गंभीर हो गई थी कि बेंगलूरु पुलिस ने इस पर ध्यान दिया और डिलिवरी कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वहां की पुलिस ने यह कदम तब उठाया जब उसने लापरवाह ड्राइविंग के कारण डिलिवरी पार्टनर्स के खिलाफ बुकिंग और जुर्माने में उल्लेखनीय वृद्धि देखी। इसलिए, गिग श्रमिकों की यह मांग कि इन समय-सीमाओं को समाप्त किया जाए, उचित था और इसी माना भी गया। दूसरे, पिछले वर्ष एक से 30 सितंबर के बीच किए गये एक सर्वेक्षण ने गिग कर्मियों और स्थायी कर्मचारियों के बीच बड़े अंतर को उजागर किया। इसमें 47 फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा कि गिग कर्मियों को 10 से 25 फीसदी कम मेहनताना मिलता है। अन्य सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि गिग श्रमिक बेहद असुरक्षित स्थिति में रहते हैं। लंबे समय तक काम करने के बावजूद यानी दिन में 16-16 घंटे काम करने के बावजूद कई गिग कर्मी ईंधन और प्लेटफॉर्म कमीशन जैसी लागतों के बाद न्यूनतम तय वेतन से भी कम कमाते हैं। उन्हें बुनियादी चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। इसके कारण कोई बीमारी या दुर्घटना उनकी मामूली कमाई को पूरी तरह समाप्त कर सकती है। नीति आयोग के वर्ष 2024 के एक सर्वेक्षण ने खुलासा किया कि 90 फीसदी गिग श्रमिकों के पास बचत नहीं है। सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा जैसी बुनियादी चीजें भी नहीं मिलती है। ऐसे में सरकार को आगे आकर गिग वर्कर्स की रोजगार सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम आय आदि को सुनिश्चित करने की गंभीर पहल करनी चाहिए क्योंकि इसमें रोजगार की बड़ी संभावना है।

परिसीमन विधेयक पर सरकार की प्रतिबद्धता

डॉ. अनिता राठौर

गुजरे 16 अप्रैल 2026 को मोदी सरकार ने लोक सभा में परिसीमन विधेयक 2026 पेश किया था और इसके साथ ही दो अन्य विधेयक भी लाये गये थे। एक था संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 और दूसरा था संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2026। इन तीनों ही विधेयकों का उद्देश्य आपस में जुड़ा हुआ था। सबसे बड़ा प्रस्ताव लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या को 550 से बढ़ाकर 850 करने का था। जबकि व्यवहारिक रूप से लगभग 816 निर्वाचित सीटें होने का प्रस्ताव था। इसके पीछे तर्क यह था कि 1971 के बाद देश की आबादी बहुत बढ़ चुकी है, जबकि लोकसभा की निर्वाचित सीटें अभी भी 543 ही बनी हुई हैं। लेकिन यह विधेयक 17 अप्रैल 2026 को 298 मतों के मुकाबले 230 मतों से गिर गया। यानी जहां इस विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े थे, वहीं इसके विरोध में 230 मत पड़े, लेकिन विधेयक के लिए जरूरी दो-तिहाई समर्थन सरकार नहीं जुटा सकी और इस कारण यह विधेयक 54 मतों की कमी के कारण गिर गया। लेकिन मानसून सत्र में जबकि अभी तक सरकार सदन में सही से एक दिन भी अपना कामकाज नहीं कर सकी, बावजूद इसके मोदी सरकार आखिर परिसीमन विधेयक पर फिर से बहस क्यों कराना चाहती है?

> यह भी मानना है कि यदि परिसीमन जैसे विषय पर संसद में चर्चा नहीं होगी, तो राजनीतिक बहस पूरी तरह सार्वजनिक सभाओं, सोशल मीडिया और क्षेत्रीय राजनीति के हवाले हो जायेगी और तब हर कोई अपने-अपने हिसाब से इस स्थिति का निष्कर्ष निकालेगा। इसलिए सरकार चाहती है कि परिसीमन जैसे जटिल सवाल पर संसद में संस्थागत रूप से चर्चा हो और विभिन्न राजनीतिक दल आधिकारिक रूप से अपनी बात संसद में रखें।

भारत में परिसीमन का अर्थ केवल संसदीय सीटों की सीमाएं बदलना भर नहीं है, इसका सीधा संबंध इस बात से भी है कि देश के किस हिस्से को संसद में कितनी तव्वजो मिलेगी। संविधान का मूल सिद्धांत है प्रत्येक सांसद लगभग समान जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे, लेकिन पिछले कई दशकों से लोकसभा सीटों का पुनर्निर्धारण स्थगित रहा है ताकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों को कम जनसंख्या के कारण संसद में अपनी कम आवाज होने का खामियाजा न भुगतना पड़े। लेकिन अब यह विषय फिर से मोदी सरकार के राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है और सरकार का इस संबंध में बुनियादी तर्क यह है कि ऐसा करना संवैधानिक दायित्व है। केंद्र सरकार के मुताबिक लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व समय-समय पर जनसंख्या के अनुरूप संतुलित होना चाहिए। यदि देश की आबादी में व्यापक

बदलाव आया है, तो संसद की संरचना पर भी चर्चा होना स्वाभाविक है। सरकार चाहती है कि इस विषय को केवल राजनीतिक नारेबाजी के बजाय संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से देखा जाए। दूसरा कारण राजनीतिक है। विपक्ष लंबे समय से सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि महत्वपूर्ण फैसले पर्याप्त चर्चा के बिना ले लिए जाते हैं। ऐसे में यदि सरकार स्वयं संसद में बहस का अवसर देती है, तो वह संदेश देना चाहती है कि वह किसी भी विषय से भाग नहीं रही। राजनीतिक दृष्टि से यह सरकार के लिए पारदर्शिता पर संदेश देने का अवसर भी है। साथ ही सरकार की इस मंशा के पीछे एक कारण यह भी है कि परिसीमन को लेकर जो तरह-तरह की भ्रांतियां फैली हुई हैं, विशेषकर दक्षिण भारत के राज्यों में कि उनकी संसदीय शक्ति घट सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों का तर्क है कि वर्तमान जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इन सभी सवालों और आशंकाओं को जब तक व्यापक बहस का मौका नहीं मिलता, तब तक इन्हें लेकर देश की राय स्पष्ट और मजबूत नहीं होगी। मोदी सरकार इसलिए संसद के मानसून सत्र में चाहती है कि परिसीमन पर संसद में बहस हो।

सामयिक

केंद्र सरकार का यह भी मानना है कि यदि परिसीमन जैसे विषय पर संसद में चर्चा नहीं होगी, तो राजनीतिक बहस पूरी तरह सार्वजनिक सभाओं, सोशल मीडिया और क्षेत्रीय राजनीति के हवाले हो जायेगी और तब हर कोई अपने-अपने हिसाब से इस स्थिति का निष्कर्ष निकालेगा। ऐसा न हो, देश परिसीमन के मामले में बिल्कुल स्पष्ट राय रखे, इसलिए मोदी सरकार चाहती है कि परिसीमन जैसे जटिल सवाल पर संसद में संस्थागत रूप से चर्चा हो और विभिन्न राजनीतिक दल आधिकारिक रूप से अपनी बात संसद में रखें। हालांकि जो सब तर्क सरकार दे रही है और जो पहली नजर में सामने दिखायी पड़ रहे हैं, सिर्फ उतने ही कारण नहीं हैं। संसद में परिसीमन को लेकर मोदी सरकार इसलिए भी व्यापक विमर्श चाहती है, क्योंकि आने वाले सालों में भारत में नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन अवश्यंभावी है। देश इस बदलाव के लिए मानसिक और व्यवहारिक रूप से तैयार हो जाए, इसलिए सरकार चाहती है कि संसद का मानसून सत्र समाप्त होने के पहले एक बार संसदीय परिदृश्य में परिसीमन का मुद्दा भी आ जाए, जिससे कि संसद का सत्र खत्म होने के बाद जब सांसद अपने-अपने क्षेत्र में जाएं, तो बातचीत और बहस में आने वाला यह भविष्य का मुद्दा भी शामिल रहे और धीरे-धीरे देश में प्राकृतिक ढंग से इस विषय पर लोकविमर्श मजबूत हो। अगर ऐसा होता है तो इस मुद्दे को लेकर एक राष्ट्रीय सहमति का वातावरण बनेगा जो मौजूदा सरकार के पक्ष में जा सकता है अथवा सरकार इस बात का श्रेय ले सकती है कि वह कठिन मुद्दों को भी साहस के साथ संसद में रखने का हौसला रखती है। हालांकि मोदी सरकार भी मानकर चलती है कि परिसीमन पर फिलहाल बहस शुरू हो जाने का मतलब ये नहीं होगा कि तुरत-फुरत में उसमें कोई निर्णय हो सके। लेकिन अगर एक बार सबसे बड़े संवैधानिक मंच से इस गंभीर विषय पर बहस शुरू हो गई तो फिर हर मंच में इसे किये जाने का आधार भी होगा और कारण भी। सरकार यही चाहती है क्योंकि उसका मानना है कि व्यापक बहस से देश के बहुसंख्यक लोग इस पक्ष में मजबूती के साथ खड़े हो सकेंगे कि हर सांसद को एक निश्चित संख्या में ही लोगों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए, तभी वह ठीक से अपने कामकाज को अंजाम दे सकेगा। जबकि विपक्ष इसे लेकर चिंतित है। मगर वह अपनी यह चिंता बहस के जरिये व्यक्त करने का साहस नहीं जुटा पा रहा। कई विपक्षी दलों का मानना है कि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं होना चाहिए। भारत एक संघीय गणराज्य है, जहां राज्यों के बीच राजनीतिक संतुलन भी उतना ही आवश्यक है, जितना कि प्रतिनिधित्व का संतुलन जरूरी है।

यदि प्रतिनिधित्व का संतुलन अत्यधिक बदलता है तो इसका असर राष्ट्रीय राजनीति के साथ-साथ संसाधनों के वितरण और नीति निर्माण पर भी पड़ सकता है। इसलिए विपक्ष पहले सरकार से स्पष्ट नीति और आश्वासन चाहता है। यही कारण है कि संसद में इस मुद्दे को लेकर संभावित बहस केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं रहने वाली। इसमें जनसंख्या नीति, संघीय ढांचा, राज्यों के अधिकार, क्षेत्रीय असंतुलन और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व जैसे अनेक सवाल भी शामिल होंगे। संभव है कि यह बहस आने वाले सालों की भारतीय राजनीति की दिशा तय करने वाली चचाओं में एक बन जाए। लोकतंत्र में किसी भी विवादास्पद विषय का सबसे अच्छा समाधान संवाद भी होता है। यदि संसद में गंभीर, तथ्य आधारित और मर्यादित बहस होती है, तो उसका लाभ केवल सरकार को ही नहीं होगा और न ही सिर्फ विपक्ष को बल्कि उसका लाभ समूचे लोकतंत्र को मिलेगा। इसलिए सरकार की रणनीति कुछ भी हो, विपक्ष को इस गंभीर बहस से पीछे नहीं हटना चाहिए बल्कि पढ़कर स्वागत करना चाहिए।

सोशल मीडिया

मां सरयू और मां तमसा के पावन आशीर्वाद से अभि-सिंचित पुण्य धरा अंबेडकर नगर के जलालपुर, आलापुर एवं टांडा विधानसभा क्षेत्रों में 706 क. से अधिक की विकास योजनाओं की शुरुआत की। सीएम योगी.

असीमित ऊर्जा

अध्यात्म असीमित ऊर्जा का स्त्रोत है। आध्यात्म की शक्तियां असाधारण हैं। जीव विज्ञान के अनुसार मनुष्य बंदर जाति का एक प्राणी माना गया है। पर उसके अंतराल में परमात्मा ने इतनी विशिष्ट शक्तियों का जखीरा भर रखा है कि उसे सृष्टि का मुकुट मणि कहा जाना बहुत अंशों में सही है। शरीर संरचना में प्रयुक्त हुए असख्यों जीवकोशों में से प्रत्येक घटक ऐसा है जो नन्हें नन्हें गोलक जैसे प्रतीत होते हुए भी असाधरण क्षमता सम्पन्न है। पदार्थ के परमाणु का वैज्ञानिक विधि से नाभिकीय विस्फोट करने पर उससे निकलने वाली प्रचण्ड ऊर्जा समूचे क्षेत्र को प्रभावित करती है। ठीक इसी प्रकार जीवकोशों को सम्मिलित शक्ति भी एक आयन मण्डल बनाती है जिसे अंग्रेजी में आरा कहते हैं और संस्कृत में तोजोवलय। यह विद्युत प्रकाश यंत्र उपकरणों से स्थलूतः तो प्रायः एक जैसा ही दिखता है। उनमें रंगों भर का अंतर पाया जाता है, किन्तु सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो उसमें रंगों का ही नहीं शक्ति का भेद भी पाया जाता है। इसमें जैव चुम्कत्व के गुण भी होते हैं। मोटे तौर से बिजली दो प्रकार की होती है। एक खींचने वाली, दूसरी धकेलने वाली। प्रकारान्तर से इसे उसका गुण कह सकते हैं। इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म के रूप में यह दूसरों के शरीर, मन आदि को अपनी ओर आकर्षित करती है। धक्का मारने वाली दूसरी शक्ति त्रास पहुंचाती है। यह जैव विद्युत सामने वाले को तोड़ती व पतन के गर्व में गिरा देती है। तांत्रिकों और मांत्रिकों में यही भेद होता है।

वेद मंत्रों की दिव्य ध्वनियों का गुंजन मनुष्य को मोहित झंगृत, प्रसन्न और प्रफुल्लित करता है। इससे शक्ति बलिष्ठता मिलती है। जिससे वह आत्मिक प्रगति के क्षेत्र में ऊंचा उठता व आगे बढ़ता है। शक्ति के आदान प्रदान का यह क्रम मित्रों, बालकों, अभिभवकों के बीच भी चलता है, पर सबसे अधिक सामर्थ्य गुरु के शक्तिपात में होती है। जिसने तप साधना द्वारा अपने में शक्ति का भण्डार एकत्रित किया है। वह उसका अनुदान भी किसी को दे सकता है। जिसकी कमाई का आधर रोटी भर है, अपना खर्च ही मुश्किल से चला पाता है, वह क्या किसी को दे सकता है? लिया तो किसी से, कहीं से भी जा सकता है किन्तु दे पाना उन्हीं के लिए संभव है जिनके पास कुछ जमा पूंजी हो। यह जमा पूंजी अध्यात्म क्षेत्र में तप साधना संयम सेवा के आधर पर ही कमाई गयी होती है। अपने को पवित्र बनाकर, अनगढ़ से सुगढ़ बनाकर मनुष्य निरोग बनता है और पुण्य की प्रखरता से बलिष्ट बनता है। यों साधना से जप तप भी करना पड़ता है। किन्तु सबसे बड़ी बात है आत्मशोधन, स्व का परिमार्जन, परिष्कार। यह जितना अधिक गहरा बन पड़ता है, मनुष्य उतना ही गुण, कर्म, स्वभाव से शक्तिशाली होता जाता है।

अंतर्दृष्टि

विचार

किसी के बहुत सताने पर भी, उसे सताने का प्रयास नहीं करना चाहिए, क्योंकि दुखी प्राणी का शोक ही सताने वाले का नाश कर देता है।

–महाभारत.

धर्म–कर्म, सत्य–सदाचार, शक्ति एवं लक्ष्मी सभी शील पर आश्रित हैं। शील ही इन सबकी जड़ है।

–वेदव्यास.

इतिहास, पुराण साक्षी हैं कि मनुष्य के संकल्प के सम्मुख देव, दानव सभी पराजित होते हैं।

–इमर्सन.

संतोष को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। इस मंत्र से कठिन से कठिन समय में मन विचलित नहीं होता।

–प्रेमचंद.

पूंजी तो मृत श्रम है जो जीवित श्रम का शोषण करते समय पिशाच की भांति जीवित रहती है और जितना अधिक जीवित रहती है, उतना ही अधिक शोषण करती है।

–कार्ल मार्क्स.

आप की बात

कर्मियों का शोषण

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में खाली पदों पर भर्ती करने के बजाय प्रदेश सरकार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भर्तियां करती हैं। इससे जो युवा नौकरी में जाते हैं उनका दोहरा शोषण होता है। एक तो अधिकांश सरकारी सेवा प्रदाता कंपनियां युवाओं से घूस लेकर भर्तियां करती हैं, दूसरे उनको बहुत मामूली वेतन मिलता है और तीसरे उनकी नौकरी को भी हमेशा खतरा बना रहता है। यह स्थितियां इसलिए बनी हैं कि अगर सरकार सीधे संविदा पर भर्ती करे तो जो लोग एक बार भर्ती हो जायेंगे वे नौकरी में बने रहने के लिए यूनियन बनाकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, स्थायी करने की मांग करेंगे और फिर वेतन बढ़ाने और बात-बात पर हड़ताल भी करेंगे। कुछ लोगों की मनमानी के कारण आज पूरा युवा परिणाम भुगत रहा है। सरकार अपनी तरफ से संविदा नौकरियों पर भी भारी पैसा खर्च करती है, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी पूरा पैसा नहीं देती हैं। वह खुद भी मुनाफा काटती हैं, उसके कर्मचारी घूस लेते हैं और मामूली वेतन पर युवाओं को रखकर उनका शोषण करती हैं। युवाओं का शोषण रोकने और उनको अच्छा वेतन व सुविधाएं देने के लिए यह जरूरी है सरकार चाहे स्थायी नौकरी दे या संविदा पर रखे, लेकिन भर्तियां सीधे करें। भर्ती में बिचौलिया कंपनियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। हां अगर सरकार को यह डर हो कि यूनियनबाजी होगी तो पहले से ही यह बांड भरा लेना चाहिए कि संविदा नौकरी संविदा ही रहेगी। परमानेन्ट होने के लिए अन्य युवाओं के साथ आवेदन करना होगा। इससे उनकी सेवा सुरक्षा को तय करना चाहिए। दरअसल सरकार को आउट सोर्सिंग भर्तियों के बजाय संविदा भर्तियां करनी चाहिए।

महेश कुमार श्रीवास्तव, बहराइच.

स्टार्टअप इकोसिस्टम

तकनीकी प्रधान इस युग में स्टॉर्टअप कंपनियों ने लोगों के जीवन को आसान बनाने में महती भूमिका निभाई है। आज ये आम जनजीवन के लिए इतनी जरूरी हैं कि इनके विकास जीवन कठिन हो जायेगा। इसलिए सरकार को स्टाटॅअप कंपिनयों की मदद करनी चाहिए ताकि वे डूबने न पायें। अगर स्टॉर्टअप फेल होते हैं, तो इससे लोगों का भरोसा कमजोर होगा और देश तेजी से आगे बढ़ रहे स्टॉर्टअप के सामने चुनौतियों बढ़ेंगी। स्टॉर्टअप के महत्व और भारत की आर्थिक प्रगति में इनकी भूमिका को देखते हुए सरकार ने स्टॉर्टअप नीति लागू की है। आईआईटी और अन्य तकनीकी संस्थानों में स्टॉर्टअप को मदद के लिए, प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय सहायता के लिए योजनाएं शुरू की गयी हैं।

वीरेन्द्र कुमार सिंह, लखनऊ.

सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण

सुरेन्द्र मिश्र सूर्य

अपनी सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण करना प्रत्येक राष्ट्र का नैतिक कर्म है। राज्य का यह दायित्व है कि वह अपने नागरिकों को देश के अतीत से परिचित कराये और उनमें सांस्कृतिक विरासतों के प्रति सम्मान का भाव जागृत करे। दुनिया के तमाम देशों ने अपनी सांस्कृतिक विरासतों को खोजने और बचाने के लिए विभाग और कानून बना रखा है। भारत में भी सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने के लिए पर्याप्त कानून हैं। भारत में सांस्कृतिक स्मारकों को सरंक्षित करने का काम सबसे पहले विलियम जोंस द्वारा सन 1784 ई में एसियाटिक सोसायटी की स्थापना के द्वारा शुरू किया गया था। सन 1861 ई. में अलेक्जेंडर कनिहघम ने तत्कालीन वायसराय जान कनिंघम की सहायता से भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण की स्थापना की। भारतीय पुरातत्वविक सर्वेक्षण (भा.पु.स.) राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासतों के पुरालेखीय अनुसंधान और संरक्षण के लिए एक प्रमुख संगठन है। कानिंघम इस संगठन के पहले महानिदेशक भी बने। उस समय उनके कार्य क्षेत्र में अफगानिस्तान भी आता था। ब्रिटिश सरकार ने भारतीय स्मारकों की खोज व सर्वेक्षण के लिए विभाग की स्थापना करने के साथ सांस्कृतिक सम्पदाओं को चिन्हित और संरक्षित करने के लिए कानून भी बनाए जो आज प्रभावी हैं। ब्रिटिश सरकार ने संरक्षित सम्पदाओं, स्मारकों को सार्वजनिक करने या उसके स्वरूप से छेड़छाड़ करने को दंडनीय अपराध घोषित कर दिया।

आजादी के बाद भारतीय संविधान के भाग 3 नीति निर्देशक तत्व में अनुच्छेद 49 के तहत यह व्यवस्था दी गयी कि 'संसद द्वारा बनाई गई विधि द्वारा या उसके अधीन राष्ट्रीय महत्व वाले घोषित किए गये कलात्मक या ऐतिहासिक अभिरुचि वाले प्रत्येक स्मारकों या स्थान या वस्तु का, क्षय, विरुपण, विनाश, अपसारण, व्ययन, आदि से संरक्षण करना राज्य की बाध्यता होगी। 'देश में विभिन्न सांस्कृतिक विरासत और संपत्तियों की खोज, सुरक्षा और संवर्द्धन के लिए प्रमुख कानून भी बनाए गए हैं जो निम्नलिखित हैं:

- प्राचीन स्मारक अधिनियम 1904.
- प्राचीन संस्मरण, पुरातन स्थल और अवशेष अधिनियम 1958.
- प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम-1959, ये नियम 'प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958' के प्रावधानों के तहत बनाए गए थे।
- पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम-1972.
- पुरावशेष और महान खोज नियम 1973 और एफईटी अधिनियम 1978.
- स्मारकों और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों की अनाधिकृत उत्कृष्टता और इन को नष्ट होने से बचाने के लिए प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 लागू किया गया है।

प्राचीन स्मारक और उत्खनन और अवशेष अधिनियम 1958 के तहत प्राचीन स्मारक को भी परिभाषित किया गया है। इसके तहत इस तरह के किसी भी ढांचे बिल्डिंग, क्लस्टर शिलालेख आदि को भी प्राचीन स्मारक माना जाएगा जिसका कुछ ऐतिहासिक पुरातात्विक और कलात्मक महत्त्व हो और जो एक 100 वर्ष से अधिक की आयु का हो इसके अतिरिक्त प्राचीन स्मारक के अवशेष और स्थान भी इस अधिनियम के तहत आते

विरासतों का संरक्षण राष्ट्र का दायित्व

हैं। निवास स्थान का तात्पर्य ऐसे स्थानों से है जिसके विषय में यह विश्वास किया जा सके कि इसके भीतर प्राचीन ऐतिहासिक महत्व के अवशेष छिपे होंगे। भारतीय संविधान के अंतर्गत मनुष्यों से जुड़े विषयों को कई सूचियों में रखा गया है। केंद्रीय सूची के अंतर्गत प्राचीन और ऐतिहासिक दस्तावेज महिला स्थान और अवशेष इतिहास को स्थान दिया गया है। राज्य सूची में पुस्तकालय संग्रहालय और राज द्वारा वित्तीय रूप से नियंत्रक संस्थान हैं। पुरातात्विक महत्व के स्थान और शेष जिन्हें राष्ट्रीय

महत्व का स्थान नहीं दिया गया है वह समवर्ती सूची में हैं। केंद्रीय सूची में रखे गए विषयों पर केंद्र सरकार को कानून बनाने का अधिकार है जबकि राज्य सूची में रखे गए विषयों पर राज्य सरकार का क्षेत्र दायित्व है। समवर्ती सूची के विषय पर राज्य और केंद्र दोनों कानून बना सकते हैं। प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 के अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति किसी स्मारक को नष्ट करता है या उसका करता है तो उसे तक 500 तक के आर्थिक दंड का प्रावधान है। प्राचीन स्मारक और अवशेष अधिनियम 1958 प्राचीन कलाकृतियों को किसी भी प्रकार नुकसान पहुंचाने को दंडनीय घोषित करता है और ऐसा करने वाले व्यक्ति को 3 महीने तक के कारावास और आर्थिक दंड से दंडित किए जाने का विधान है। प्राचीन स्मारक एवं आवास स्थान और अवशेष अधिनियम 1958 के तहत यह किसी स्मारक का मालिक सरकार से उक्त संपत्ति के संबंध में अनुमोदन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इस कानून के तहत भारतीय मानव सर्वेक्षण को सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का दायित्व सौंप दिया गया है। भारतीय जीव सर्वेक्षण के द्वारा किसी भी क्षेत्र को सुरक्षित घोषित किया जा सकता है और ऐसे क्षेत्र के किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य प्रतिबंधित है। यदि भारतीय मानव सर्वेक्षण आवश्यक समझे तो स्मारक के इर्द-गिर्द भी निर्माण कार्य पर रोक लगा सकती है। इस अधिनियम की धारा 24 के अनुसार रिंगित स्थान पर भी उत्खनन का कार्य किया जा सकता है। राज्य सरकार या अन्य कोई व्यक्त उत्कृष्टता का कार्य नहीं कर सकता। यदि प्राचीन प्रविष्टि को किसी के द्वारा किसी भी प्रकार की क्षति होती है तो क्षति क्षति वसूल किए जाने का विधिक प्रावधान है। क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित करें कब तक उस वस्तु की ऐतिहासिक या पुरातात्विक मूल्य को आँकना आवश्यक नहीं है। इस कानून के तहत ऐसे किसी भी संरक्षित स्मारक का उपयोग किसी भी सभा पार्टी सेमिनार आदि के लिए नहीं किया जा सकता है। यदि कोई स्मारक है तो उस पर किसी प्रकार के नए मजहबी कार्यों को साझा करने की अनुमति नहीं है। संबंधित संरक्षित स्थान के अधिकारी या महानिदेशक की अनुमति के बगैर संरक्षित स्थान के भीतर फिल्मांकन करना फोटोग्राफर्स लेना कानूनन अपराध है। यदि कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के ऐसे कार्य करता है तो उस पर तक 500 तक का अर्थदंड लगाया जा सकता है। संरक्षित इमारत को तोड़ना, हटाना, गलत उपयोग करना या किसी वस्तु को हटाना संज्ञेय अपराध है। इसके लिए 3 महीने के कारावास की सजा हो सकती है। पुलिस अधिकारी अपराध में संलिप्त व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है।

-खुदाई आदि के दौरान कई बार पुरानी मूर्तियां बर्तन सिक्के तलवारे व अन्य सामान भी प्राप्त हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उक्त सम्पत्ति पर भारतीय ट्रेजर ट्रोव एक्ट 1878 में विवरण कानून प्रभावी होगा और उक्त सम्पत्ति सरकार के नियंत्रण में ले ली जाएगी।

- पुरातन वस्तु निर्यात नियंत्रण अधिनियम 1947 के तहत पुरातात्विक महत्व की किसी भी वस्तु जो 100 वर्ष से अधिक पुरानी है, का निर्यात प्रतिबंधित है।

-भारतीय ट्रेजर ट्रोव कानून 1878 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति को कोई छिपा हुआ बोनस मिलता है जिसकी कीमत से 10 से अधिक है और जिसके विषय में या विश्वास रखने का प्रयास कारण है कि वह 100 वर्ष से अधिक पुराना है तो वह व्यक्ति जिला अधिकारी को चिह्नित करेगा करेगा। दंडाधिकारी को उसके मालिक का पता चल जाता है तो 25 एंव 75 के अनुपात में मालिक और पाने वाले के बीच विभाजित करेगा। जिलाधिकारी उचित भुगतान कर इस वस्तु को सरकार की ओर से भी स्वीकार कर सकते हैं।

- दी एन्टिकक्यूटीज एंड आर्ट ट्रेजर्स अधिनियम 1972 के तहत कलाकृतियों के व्यापार को नियमित करने और तस्करी रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गए हैं। इस अधिनियम के तहत वह प्रत्येक व्यक्ति जिसके पास 100 साल पुराना है, वह उसे प्रमाणित कराएं। निबंधन अधिकारी के पास ऐसी कलाकृतियाँ या वस्तु का निबंधन करना भी कानूनन अनिवार्य है। ऐसे किसी भी वस्तु का फोटोग्राफर के साथ भारतीय उत्खनन डेवलपर को भेजा जाना आवश्यक है।

भारत में सांस्कृतिक भविष्य के प्राचीन स्मारकों और पुरालेखीय प्रतिष्ठानों और अवशेषों के रखरखाव की जिम्मेदारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ही है। इसके लिए सम्पूर्ण देश को 24 मंडलों में विभाजित किया गया है। पुरातात्विक अनुसंधान परियोजनाओं के संचालन के लिए बड़ी संख्या में भारतीय पुरातत्वविदों, संरक्षकों, पुरालेखविदों, वास्तुकारों और वैज्ञानिकों का कार्य दल जो कि निरंतर सांस्कृतिक सम्पदाओं और विरासत की सुरक्षा के लिए कार्यरत है।

(लेखक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हैं)

संक्षेप

11 को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा तैयारियों में जुटे भाजपाई

भटनी (देवरिया) । भारतीय जनता पार्टी भटनी मंडल की मासिक बैठक शुक्रवार को बाई पास रोड स्थित एक विद्यालय के परिसर में मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन तिरंगा यात्रा के संयोजक एवं मंडल उपाध्यक्ष सत्यव्रत मिश्रा ने किया। बैठक में आगामी 11 अगस्त को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई ।बैठक के मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी त्रिगुणायक विश्वकर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर तक राष्ट्रप्रेम का संदेश पहुंचाए तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, संगठन की मजबूती और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का किया ।बैठक में निर्णय लिया गया।

समाज के हर वर्ग को मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभः राज्यमंत्री

तहसील पाली में सहरिया संतृप्तीकरण कार्यक्रम में एक साथ सैंकड़ों लोगों के बनाये गये आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र

जिला संवाददाता

ललितपुर । बुन्देलखण्ड क्षेत्र का ललितपुर जनपद, जो अपनी प्राकृतिक सम्पदा के लिए जाना जाता है और प्रकृति के वरदान कही जाने वाली जड़ीबूटियों की उपलब्धता की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण जिला है, यहां के जंगलों में एक ऐसा समुदाय निवास करता है जो इन्हीं जड़ीबूटियों के सहारे अपना जीवन यापन करता है और दूसरों को स्वस्थ्य रखने के लिए जड़ीबूटी औषधि उपलब्ध कराता है, लेकिन आज भी यह वर्ग आर्थिक और सामाजिक विकास से कोसो दूर है। इसका मुख्य कारण ये है कि सहरिया आदिवासी समुदाय के लोगों के पास उनके पहचान व जन्म सम्बंधी कोई वैद्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं है, इसी कारण वे शासन-प्रशासन की अनेकों महत्वपूर्ण व विकास परक योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, परन्तु अब ज्यादा समय तक वे इन योजनाओं से वंचित नहीं रहेंगे, क्योंकि जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश ने जनपद के सहरिया समुदाय को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए आर्थिक व सामाजिक उत्थान का संकल्प लिया है और इनके मूलभूत दस्तावेज बनाये जाने का अभियान शुरू किया है।

- वंचित समुदाय को सरकार की योजनाओं से जोड़कर आर्थिक व सामाजिक विकास है अभियान का लक्ष्य-जिलाधिकारी
- सरकारी योजनाओं से वंचित सहरिया समुदाय के उत्थान के लिए शुरू किया गया सहरिया संतृप्तिकरण अभियान

जिलाधिकारी के इस अभियान के तहत सहरिया लोगों और उनके बच्चों के जन्म व आधारकार्ड बनाये जाने के लिए गांव-गांव में कैम्प लगवाकर जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड बनाये जा रहे हैं।

साथ ही इन दस्तावेजों के बन जाने के बाद सहरिया समुदाय के लोगों को आवास, इज्जतघर, राशन, विद्युत व नल कनेक्शन, कृषि और स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

इसी क्रम में आज शुक्रवार को जिलाधिकारी ने जनपद की जनजाति बाहुल्य पाली तहसील में सहरिया संतृप्तिकरण कार्यक्रम आयोजित कराया, जहा सैंकड़ों की संख्या में सहरिया लोगों के लिए जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार व अन्य प्रमुख सरकारी योजनाओं से सम्बंधित विभागों द्वारा कैम्प लगवाकर मौके पर ही उनके दस्तावेज तैयार कराये गए। इस दौरान स्थानीय लोगों ने तहसील पाली में पहुंचकर अलग-अलग स्टॉलों पर अपने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र व आधार कार्ड बनवाये, साथ ही विभिन्न योजनाओं के लिए अपना पंजीकरण भी कराया ।कार्यक्रम में उ0प्र0 शासन के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ व जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय जनजाति समुदाय के लोगों से वार्ता की, उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सहरिया संतृप्तिकरण अभियान के तहत जिले के ऐसे ग्रामों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां जनजाति आबादी अधिक संख्या में है, वहां पर आधार, जन्म-मृत्यु प्रमाण

पत्र, राशन, जॉबकार्ड सहित अन्य योजनाओं के प्रमाण पत्र व पंजीयन शिविर आयोजित कराये जा रहे हैं। उन्होंने आज के वृहद कार्यक्रम के लिए जनप्रतिनिधिगणों, स्वयं सेवी संस्थाओं व स्थानीय लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति विकास की मुख्य धारा का अंग नहीं बन जाता है ।जनपद में जिलाधिकारी के द्वारा सहरिया समुदाय के लोगों की जमीनों को कब्जामुक्त कराया जा रहा है और जिनके पास जमीनें नहीं हैं उन्हें पट्टे दिये जा रहे हैं। सहरिया जनजाति के लिए जिलाधिकारी ने जो पहल शुरू की है, आप सभी उसका लाभ उठायें और आज यहां रुककर अपने सभी दस्तावेज बनवा लें ताकि आपको सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके ।इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों में नगर पंचायत अध्यक्ष मनीष तिवारी, जिला पंचायत सदस्य अमर विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे, अधिकारियों में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चोहान, उप जिलाधिकारी पाली घनश्याम भारती, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

ई.सी.सी.ई. एजुकेटर्स के पद पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी

बहराइच । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि जनपद बहरइच के परिषदीय विद्यालयों में अवस्थित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में 140 ई.सी.सी.ई. एजुकेटर्स के चयन हेतु अंतिम तिथि के उपरान्त सेवायोजन पोर्टल पर उक्त पद हेतु 3173 आवेदन प्राप्त हुए थे। श्री सिंह ने बताया कि विकास भवन सभागार में जनपदीय चयन समिति की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों एवं संबंधित सेवाप्रदाता फर्म की उपस्थिति में रैण्डमाइजेशन प्रक्रिया संपादित की गयी, जिसमें सेवायोजन पोर्टल पर प्राप्त 3173 आवेदन के सापेक्ष रैण्डमाइजेशन के उपरान्त कुल 420 अभ्यर्थी प्रदर्शित हुए ।विकास भवन सभागार बहराइच में 16 से 19 जून 2026 तक एवं 22 जून 2026 को प्रमाण पत्र/अभिलेखों का परीक्षण/साक्षात्कार में सेवायोजन पोर्टल पर रैण्डमाईजेशन के उपरान्त प्रदर्शित 420 अभ्यर्थियों के सापेक्ष मात्र 197 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जिसके क्रम में समिति द्वारा अभ्यर्थियों का दक्षता प्रमाणीकरण कराया गया। बी.एस.ए. श्री सिंह ने बताया कि प्रमाण पत्र/अभिलेखों का परीक्षण/साक्षात्कार में जनपदीय चयन समिति द्वारा की ग्क्रम में 140 ई.सी.सी.ई. एजुकेटर्स का चयन करते हुए चयनित होंगे।

परेड में एसपी ने परखी पुलिस बल की कार्यक्षमता

जिला संवाददाता

ललितपुर । पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर पुलिस बल की कार्यक्षमता, अनुशासन एवं व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्रिल, टर्नआउट, ड्रेस कोड, शारीरिक दक्षता और सामूहिक

पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

तालमेल का बारीकी से अवलोकन किया तथा आवश्यक ड्रिल अभ्यास कराते हुए अनुशासन, समयपालन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। परेड निरीक्षण के बाद एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर स्थित क्वार्टर गार्द, शस्त्रागार एवं स्टोर रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के समुचित रख-रखाव, साफ-सफाई, उपलब्ध संसाधनों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने परिवहन शाखा का निरीक्षण कर पुलिस वाहनों की साफ-सफाई, संचार व्यवस्था, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब, मोबाइल एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की कार्यशीलता का परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संसाधन हमेशा पूरी तरह क्रियाशील रहें ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनता को तत्काल और प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने पुलिस लाइन स्थित जिमनेजियम का भी जायजा लिया। उन्होंने जिम में उपलब्ध उपकरणों की स्थिति का निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को नियमित व्यायाम कर शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उपकरणों के रख-रखाव और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन भोजनालय का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान भोजनालय के अभिलेखों, साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं भोजन व्यवस्था की समीक्षा की गई। एसपी ने पुलिसकर्मियों को स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए भोजनालय की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों का अर्दली रूम लेकर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्रा, क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने की कानून-व्यवस्था की समीक्षा

ई-रिक्शा चालकों का सत्यापन, महिला सुरक्षा, कांवड़ यात्रा और अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने शुक्रवार को गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चोकी प्रभारियों के साथ कानून-

- मिशन सेफ फ्यूचर के तहत स्कूल वाहनों की जांच तेज होगी
- थाना प्रभारियों को दिए सख्त निर्देश

व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में जनपद की सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, स्कूली बच्चों की सुरक्षा तथा आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर व्यापक समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी थाना एवं चोकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अपराधों की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल बसों, ऑटो, ई-रिक्शा सहित सभी स्कूली वाहनों की नियमित जांच की जाए तथा उनकी फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपद में संचालित सभी ई-रिक्शा चालकों के सत्यापन अभियान को तेज करने के निर्देश दिए। कहा कि चालकों की पहचान, अभिलेखों और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराई जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में सामाजिक सौहार्द एवं

कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी संवेदनशील गतिविधि की सूचना मिलने पर तथ्यों का निष्पक्ष सत्यापन करते हुए विधि एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करें। साथ ही सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक एवं आपत्तिजनक सूचनाओं पर लगातार निगरानी रखी जाए ताकि अफवाहों के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित न होने पाए। एसपी ने जनपद में चेन स्नैचिंग, टप्पेबाजी और अन्य सड़क अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बाजारों, बैंक, एटीएम और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। पूर्व में ऐसे मामलों में शामिल अपराधियों की गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रखने को कहा गया। उन्होंने सभी थाना क्षेत्रों में नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच करने तथा तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि ऐसे वाहनों से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और आमजन को परेशानी होती है, इसलिए इनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में छात्र संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी गतिविधियों पर भी सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए आगामी कांवड़ यात्रा के मद्देनजर एसपी ने यात्रा मार्गों, शिवालयों एवं प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा कांवडि ?ों और आमजन की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की समयबद्ध एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: डीएम

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार मे जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की। बैठक में

- डीएम ने की वित्तीय वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समीक्षा

जिलाधिकारी ने कहा कि पात्र छात्र-छात्राओं को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार मास्टर डाटा लॉक, ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन, अग्रसारण तथा धनराशि अंतरण की सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालय स्तर पर मास्टर डाटा लॉक एवं जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर पर डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापन की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथियों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में छात्रवृत्ति पोर्टल पर विद्यालयों के डाटा, मान्यता, स्वीकृत सीटों, प्रोफाइल सत्यापन, डिजिटल हस्ताक्षर, लंबित विद्यालयों एवं अन्य तकनीकी बिंदुओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने बैंक खातों की सीडिंग एवं एनपीसीआई मैपिंग की शत-प्रतिशत कार्यवाही सुनिश्चित करने, अपात्र छात्रों एवं संस्थानों को समय पर ब्लॉक करने तथा छात्रवृत्ति संबंधी समय-सारिणी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे एसडीएम, बांटे 3 हजार भोजन पैकेट

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्रामो गुनौली, जलालपुर टिकरी, ढेमा मे उपजिलाधिकारी ब्रजेन्द्र उपाध्याय, नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी, सुधाकर पांडेय ने राजस्व टीम के साथ स्थिति का जायजा लिया। तथा बाढ़ प्रभावित परिवारो के बीच पहुंच घर-घर तीन हजार भोजन पैकेट का वितरण किया।

इस दौरान उपजिलाधिकारी ने बाढ़ पीड़ितो की समस्याएं सुना

- बाढ़ पीड़ितो की समस्याओ को सुन राहत कार्यो की ली जानकारी
- क्षतिग्रस्त मकानों और जलमग्न फसलों का सर्वे करने के दिये निर्देश

तथा राहत कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों और जलमग्न फसलों का निरीक्षण कर क्षेत्रीय लेखपालों को तत्काल सर्वे कर प्रत्येक प्रभावित परिवार की क्षति का सही आकलन कर सूची तैयार करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने राहत वितरण की व्यवस्था का भी जायजा लिया और राजस्व टीम को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाये रखने तथा किसी भी जरूरतमंद परिवार को राहत सामग्री उपलब्ध कराने में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिये।

हाईकोर्ट ने अयोध्या में तीन कॉलोनियों के जमीन अधिग्रहण रद करने से किया इनकार

- 1965 का आवास परिषद कानून बरकरार, भू-स्वामियों को 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के समान लाभ देने होंगे: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम, 1965 के भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित नहीं किया जा सकता। हालांकि, इस अधिनियम के तहत जिन भू-स्वामियों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी, उन्हें मुआवजा, पुनर्वास और पुनर्स्थापन के ऐसे लाभ दिए जाएंगे, जो निष्पक्ष प्रतिकर एवं भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत मिलने वाले लाभों से कम नहीं होंगे। इसके साथ ही खंडपीठ ने अयोध्या के विकास के लिए प्रस्तावित आवास एवं विकास परिषद की तीन आवासीय योजनाओं को निरस्त करने से इन्कार कर दिया।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने जनहित याचिका सहित याचिकाओं के एक समूह का निस्तारण करते हुए 173 पृष्ठों का यह फैसला सुनाया। इन याचिकाओं में उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम, 1965 की धारा 28, 31, 32 और 55 की संवैधानिक वैधता तथा अयोध्या की तीन आवासीय योजनाओं के लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण को चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने अधिनियम की धारा 28, 31 और 32 को वैध ठहराया, लेकिन कहा कि यदि धारा 55 और उससे संबंधित अनुसूची को वर्ष 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून में निहित सुरक्षा प्रावधानों को शामिल किए बिना लागू किया जाता है तो यह संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन होगा। अदालत ने इन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने के बजाय उनकी ऐसी व्याख्या की, जिससे यह सुनिश्चित हो कि वर्ष 1965 के अधिनियम के तहत होने वाले प्रत्येक भूमि अधिग्रहण में भू-स्वामियों को वर्ष 2013 के अधिनियम के अनुरूप मौद्रिक मुआवजा, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लाभ मिलें। अदालत ने अयोध्या की तीनों आवासीय योजनाओं को निरस्त करने से इन्कार करते हुए कहा कि ये एक समेकित विकास परियोजना का हिस्सा हैं, जिन पर वर्ष 2020 से चरणबद्ध तरीके से कार्य चल रहा है। इन योजनाओं के लिए भूमि की व्यवस्था खरीद, लैंड पूलिंग और अनिवार्य अधिग्रहण के माध्यम से की गई है। कई चरणों में अवार्ड पारित हो चुके हैं और अधिग्रहित भूमि का एक हिस्सा तीसरे पक्षों को भी आवंटित किया जा चुका है। ऐसे में इस स्तर पर योजनाओं को निरस्त करने से वर्षों की मेहनत, सार्वजनिक धन और व्यापक जनहित प्रभावित होगा। खंडपीठ ने आवास एवं विकास परिषद को निर्देश दिया कि वह वर्ष 2013 के अधिनियम के अनुरूप मुआवजे का निर्धारण कर उसका भुगतान करे तथा जहां आवश्यकता हो, वहां पहले से पारित अवार्डों की समीक्षा कर उन्हें भी इसी कानून के अनुरूप संशोधित किया जाए। अदालत ने परिषद को यह भी निर्देश दिया कि जिन भू-स्वामियों की पूरी भूमि या संपत्ति अधिग्रहित होने से वे पूर्ण रूप से विस्थापित हो गए हैं, उनकी पहचान कर छह माह के भीतर उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद अधिनियम, 1965 की धारा 21 तथा वर्ष 2013 के अधिनियम के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन संबंधी प्रावधानों एवं सिद्धांतों के अनुरूप पुनर्वास योजना तैयार कर लागू की जाए। साथ ही स्पष्ट किया कि मौजूदा या संशोधित अवार्ड से असंतुष्ट भू-स्वामी विधि के अनुसार उन्हें चुनौती देने के लिए स्वतंत्र होंगे। भविष्य में 1965 के अधिनियम के तहत होने वाले सभी भूमि अधिग्रहण भी इसी निर्णय में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुरूप किए जाएंगे।

बिजली विभाग के खिलाफ युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

जिला संवाददाता

बाराबंकी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर तारों को तत्काल बदलने, नई बस्तियों में विद्युतीकरण के लिए खंभे लगाने और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था किये जाने की मांग को लेकर युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष सिकंदर अब्बास रिजवी के

- जर्जर तार बदलने, स्मार्ट मीटर, बिजली कटौती रोकने की पुरजोर मांग

नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने घोसियाना स्थित विद्युत विभाग कार्यालय पहुंच घेराव किया। तथा अधिशासी अभियता विभिन्न समस्याओ वाला ज्ञापन सौपा। उन्होने कहा कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्युत तारों के कारण आए दिन हादसे और बिजली आपूर्ति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। तो वहीं ट्रांसफॉर्मर जलने के बाद ग्रामीणों से पैसे एकत्र करने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। संगठन ने मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों के निलंबन की कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन में पल्हरी गांव, नयापुरवा, जहांगीराबाद, जीतनगर और विटानियों रोड समेत कई स्थानों पर पुरानी 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइनों का सर्वे कराकर आवश्यक कार्यवाही करने तथा गांवों और शहरों में स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने की भी मांग की। मांगे पूरी न होने पर 24 अगस्त 2026 को गन्ना कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, सरजू शर्मा, दिलशाद वारसी, विजय पाल गौतम, फरहान किदवई, सना मुही, तस्लीम खान, नसरीन फातिमा, गुड्डू गौतम, शुभम वाल्मीकि, तरुण बक्श, अखिलेश वर्मा, अमन खान, श्रीकांत मिश्रा, यासमीन खान, रितेश, जुनेद, विष्णु शिल्पकार, अब्दुल समद, मोहम्मद सैफ आदि मौजूद रहे।

डीएम ने की हर घर तिरंगा अभियान की विस्तृत कार्य योजना जारी

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने हर घर तिरंगा अभियान 2026 के सफल एवं व्यापक आयोजन के लिए जनपद स्तरीय विस्तृत कार्ययोजना जारी करते हुए समस्त विभागों को समयबद्ध रूप से कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान का संचालन तीन चरणों में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में इस वर्ष 6 लाख 30 हजार तिरंगा ध्वजों के निर्माण एवं वितरण का लक्ष्य

- 9 से 15 अगस्त तक पूरे जनपद में होंगे तिरंगा मेले, रैलियां, कॉन्सर्ट, प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम

निर्धारित किया गया है। इसके लिए विभिन्न विभागों को विभागवार लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। विकासखण्ड स्तर पर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से तिरंगा ध्वजों का निर्माण कराया जाएगा तथा ग्राम पंचायत भवनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा ध्वज मेले आयोजित कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर तिरंगा ध्वजों का वितरण किया जाएगा। प्रथम चरण में तिरंगा थीम पर सजावट, तिरंगा रोशनी प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियां, शहीद स्थलों की साफ-सफाई तथा स्थानीय बाजारों में तिरंगा आधारित जनजागरूकता गतिविधियां, दूसरे चरण में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों में स्वतंत्रता आंदोलन आधारित प्रतियोगिताएं, भव्य तिरंगा मेला, तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट, तिरंगा प्रदर्शनी तथा हर घर तिरंगा पोर्टल पर अधिकाधिक सेल्फी अपलोड कराने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि 13 से 15 अगस्त के दौरान प्रत्येक घर, शासकीय एवं गैर शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालयों में तिरंगा रैली, वंदे

मातरम्म का सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही अमृत सरोवरों, शहीद स्मारकों एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा पुलिस, एनसीसी, एनएसएस, होमगार्ड एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से तिरंगा बाइक रैली भी निकाली जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि वे राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखते हुए अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराये तथा हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का महाअभियान बनाकर राष्ट्रभक्ति के इस पर्व में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें।

संक्षेप

फोनपे ने लॉन्च किया फिक्स्ड डिपॉजिट डिस्ट्रीब्यूशन

नई दिल्ली। फोनपे ने आज टॉप बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी करते हुए अपने प्लेटफॉर्म पर फिक्स्ड डिपॉजिट डिस्ट्रीब्यूशन की आधिकारिक शुरूआत की घोषणा की। अपनी फाइनेंशियल सर्विस के दायरे को बढ़ाते हुए, फोनपे ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी में एक नया और अपनी तरह का पहला डिजिटल माइक्रो-सेविंग्स प्रॉडक्ट–डेली रिकरिंग डिपॉजिट भी पेश किया है।इस सुविधा में शुरूआती निवेश रोजाना मात्र रुपये 100 है।इस तरह यूजर्स, कम निवेश में ही बचत करने की अच्छी आदत डाल सकते हैं। इस लॉन्च के जरिए यूजर्स सीधे फोनपे ऐप में ही एफडी खोल सकते हैं, जिसे बचत का एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला विकल्प माना जाता है। यहाँ यूजर्स भरोसेमंद पार्टनर बैंकों से एफडी आसानी से खोज सकते हैं, उनकी तुलना कर सकते हैं, और तुरंत बुक कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, पार्टनर बैंकों में आपकी एफडी पर डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन से रुपये 5 लाख तक की राशि का इंश्योरेंस मिलता है।

बीएलएस ई-सर्विसेज ने मजबूत विकास जारी रखा

नई दिल्ली।बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड ने 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के अपने समेकित ऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए।क्यू1 एफवाई 27 में परिचालन एबिटडा 21.2 करोड़ रुपये रहा, जो क्यू1 एफवाई 26 के 17.7 करोड़ रुपये की तुलना में 19.7% अधिक है। क्यू1 एफवाई27 में कर के बाद लाभ 18.6 करोड़ है। इस तिमाही के दौरान बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट कारोबार का कुल लेनदेन मूल्य 29,500 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो क्यू1 एफवाई26 में 26,200 करोड़ रुपये से अधिक था।कंपनी का एसेट-लाइट और आसानी से विस्तार योग्य ऑपरेटिंग मॉडल विकास का एक मजबूत आधार बना रहा।क्यू1 एफवाई 27 में कंपनी का नेटवर्क बढ़कर 1,58,600 से अधिक टचपॉइंट्स और 46,800 से अधिक चैनल सर्विस पार्टनर्स है।क्यू1 एफवाई27 में बीएलएस ई-सर्विसेज ने मजबूत प्रदर्शन किया है।इस तिमाही में कंपनी की कुल आय में सालाना आधार पर 23.3% की वृद्धि हुई। यह वृद्धि हमारे मुख्य व्यवसायों के बेहतर प्रदर्शन और डिजिटल एवं नागरिक सेवाओं के बढ़ते विस्तार की वजह से संभव हुई है।

हिमालया बेबीकेयर का मैची मैची पीएच कैंपेन लॉन्च

नई दिल्ली। हिमालया बेबीकेयर ने अपना नया कैंपेन मैची मैची पीएच लॉन्च किया है। इसका मकसद शिशुओं की नाजुक त्वचा के प्राकृतिक पीएच संतुल को बनाए रखने के महत्व को बताना है। इस कैंपेन में हिमालया बेबीकेयर की पीएच 5.5 जेंटल रेंज शामिल है, जिसमें हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू, हिमालया जेंटल बेबी वॉश, जेंटल बेबी लोशन और जेंटल बेबी क्रीम आते हैं।

ये उत्पाद शिशु की त्वचा केपीएच से मेल खाते हुए त्वचा की सुरक्षात्मक परत को सुरक्षित रखने और नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं, जिससे सिर से पैर तक सौम्य देखभाल सुनिश्चित होती है। इस कैंपेन के केंद्र में एक आकर्षक जो माता-पिता और शिशु के बीच के एक सहज और भावनात्मक पल को दर्शाती है।इसमें एक माँ अपने शिशु को उससे मेल खाता हुआ परिधान पहनाती है और इसी के माध्यम से एक और महत्वपूर्ण मैच- शिशु की त्वचा के पीएच-की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

ओडिशा को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 31648 करोड़ निवेश प्रस्ताव

नयी दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 22 कंपनियों से 31,648 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। राज्य सरकार और उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा आयोजित निवेशक सम्मेलन में इन कंपनियों ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। 22 कंपनियों के साथ 31,648 करोड़ रुपये के एमओयू पर आज हस्ताक्षर हुए हैं, जो इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने की दिशा में हमारी प्रगति का प्रमाण हैं। लंबे समय तक ओडिशा की औद्योगिक अर्थव्यवस्था खनन और खनिजों पर आधारित रही, लेकिन अब राज्य खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण सहित चार प्रमुख क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। किसानों की आय से सीधे जुड़े होने के कारण खाद्य प्रसंस्करण सरकार की प्राथमिकता में है।

सेंसेक्स में 456 अंकों की गिरावट

मुंबई। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बने रहने और बैंकों एवं वित्तीय शेयरों में बिकवाली के दबाव के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में दो दिनों की तेजी थम गयी।सेंसेक्स 456 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 65 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 455.59 अंक यानी 0.58 प्रतिशत टूटकर 78,499.17 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 577.69 अंक यानी 0.73 प्रतिशत तक लुढ़ककर 78,377.07 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 65.35 अंक यानी 0.27 प्रतिशत गिरकर 24,570.65 अंक पर बंद हुआ।कारोबार के दौरान यह 113.25 अंक यानी 0.45 प्रतिशत टूटकर 24,522.75 अंक तक आ गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस में सर्वाधिक 5.90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि बजाज फिनसर्व 4.18 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टेक महिंद्रा के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता और वित्तीय शेयरों में कमजोरी के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। हालांकि कंपनियों के तिमाही नतीजे अपेक्षाकृत सहायक रहे। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.19 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। क्षेत्रवार सूचकांकों में वित्तीय सेवा खंड में 1.33 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि निजी बैंक सूचकांक में 1.04 प्रतिशत, टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 0.90 प्रतिशत और आवासीय वित्त खंड में 0.81 प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं, फोकस आईटी खंड 1.44 प्रतिशत और वाहन खंड 1.33 प्रतिशत चढ़ गया। इस कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स ने कुल 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की तेजी दर्ज की जबकि निफ्टी में 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। पूरे सप्ताह में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) वाले शेयरों के लिए नई नीलामी व्यवस्था लागू होने के बाद दोनों प्रमुख सूचकांकों में अलग-अलग रुख देखने को मिला।शेयर बाजारों ने इस सोमवार से समापन मूल्य तय करने के लिए नकद इक्विटी खंड में समापन नीलामी सत्र शुरू किया है, जो मूल्य निर्धारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने का एक प्रयास है।

रुपया दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.20 प्रति डॉलर पर

मुंबई।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी बातचीत के नतीजों को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की धारणा के बीच रुपये में हल्की गिरावट आई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि ईरान और ओमान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता तथा कच्चे तेल की कीमतों में हाल की तेजी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला।कारोबार के दौरान यह 95.19 से 95.28 प्रति डॉलर के दायरे में रहा और अंत में दो पैसे की बढ़त के साथ 95.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच समझौते पर अनिश्चितता के कारण रुपये में हल्का नकारात्मक रुख रह सकता है।हालांकि, सप्ताहांत मेंइस संबंध में आने वाली किसी भी खबर से बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।उन्होंने कहा कि सकारात्मक घटनाक्रम रुपये को सहारा दे सकता है, जबकि इसके विपरीत स्थिति में दबाव बढ़ सकता है। निवेशकों की नजर अमेरिका के गैर-कृषि रोजगार आंकड़ों पर भी रहेगी।उन्होंने अनुमान जताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 95 से 95.60 के दायरे में रह सकती है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.90 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82.30 डॉलर प्रति बैरल रहा। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंक जबकि निफ्टी 65.35 अंक टूटकर 24,570.65 अंक पर बंद हुआ।

शाकाहारी खाना चार प्रतिशत और मांसाहारी खाना नौ प्रतिशत महंगा

मुंबई। घर पर तैयार शाकाहारी थाली की लागत जुलाई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़ गई, जबकि मांसाहारी थाली नौ प्रतिशत महंगी हो गई।मुख्य रूप से प्याज, खाद्य तेल, रसोई गैस और चिकन की कीमतें बढ़ने से इनके दाम में बढ़ोतरी हुई।

जुलाई में शाकाहारी थाली की औसत लागत बढ़ने का कारण प्याज के दाम में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि खाद्य तेल और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में क्रमशः 11 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मांसाहारी थाली के मामले में प्याज और गैस की महंगाई के साथ ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 14 प्रतिशत की वृद्धि ने भी इसे अधिक महंगा बना दिया। मांसाहारी थाली की कुल लागत में लगभग आधा हिस्सा चिकन का होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्याज की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं क्योंकि बाजार में पुराने स्टॉक के महंगे प्याज की आपूर्ति हुई। इसके अलावा, मार्च-अप्रैल में महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसल और भंडारण प्रभावित होने से भी आपूर्ति पर असर पड़ा।खाद्य तेल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि का कारण आपूर्ति में बाधाएं और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते ऊर्जा कीमतों में तेजी बताया गया। हालांकि, आलू और टमाटर की कीमतों में गिरावट आने से थाली की लागत में बढ़ोतरी कुछ हद तक कम रही।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.51 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 10.51 अरब डॉलर बढ़कर 692.87 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार 6.12 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 682.35 अरब डॉलर रहा था। इस साल 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने और रुपये पर दबाव बढ़ने के कारण कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई, क्योंकि केंद्रीय बैंक को डॉलर की बिक्री कर बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 8.75 अरब डॉलर बढ़कर 564.68 अरब डॉलर हो गईं।डॉलर के संदर्भ में इन परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.68 अरब डॉलर बढ़कर 104.74 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.67 अरब डॉलर पर पहुंच गए।आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में देश का आरक्षित भंडार भी 2.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.78 अरब डॉलर हो गया। पिछले महीने सरकार और आरबीआई ने देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने के लिए एफसीएनआर (बी) समेत कई उपायों की घोषणा की थी।इन प्रयासों से अब तक करीब 32 अरब डॉलर प्राप्त हो चुके हैं।

सोना 200 रुपये बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी रही स्थिर

नयी दिल्ली। सोने के दाम में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन तेजी जारी रही। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 200 रुपये बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच विदेशी बाजारों में आई तेजी का घरेलू बाजार पर सकारात्क असर पड़ा। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये बढ़कर।,54,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गई।बृहस्पतिवार को यह।,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी। हालांकि, स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, पिछले सत्र में तेज उछाल के बाद चांदी की कीमत 2,34,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रही।सोने में लगातार चौथे सत्र में बढ़त जारी रही और यह कीमती धातु जनवरी के बाद से अपने सबसे मजबूत साप्ताहिक प्रदर्शन की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस तेजी का कारण कमजोर डॉलर, महंगाई की उम्मीदों में कमी और अमेरिकी गैर-कृषि रोजगार रिपोर्ट से पहले सर्राफा की लगातार मांग है। निवेशकों के बीच बेहतर होते धारणा के कारण चांदी की कीमतों में भी बढ़त हुई।

अब निजी क्षेत्र के निवेश में भी निरंतर हो रही वृद्धि

नयी दिल्ली। आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि लगातार बढ़ते सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से मिले प्रोत्साहन के कारण अब निजी क्षेत्र का निवेश भी निरंतर और टिकाऊ वृद्धि के मार्ग पर है।

ठाकुर ने हाल के एक विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 2023 सर्वे में जहां निजी निवेश में सुधार के शुरुआती संकेत मिले थे, वहीं अब यह स्थिर और संतुलित गति से ऊपर की ओर बढ़ता दिख रहा है। उन्होंने आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय पांच गुना से अधिक होकर 2025-26 में 10.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है जबकि 2014-15 में यह दो लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष के बजट में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 12.2 लाख करोड़ रुपये रखने का लक्ष्य रखा गया है। ठाकुर ने कहा, विभिन्न संकेतकों- जैसे परियोजनाओं के क्रियान्वयन की संख्या और अटकी परियोजनाओं की संख्या से पता चलता है कि अटकी परियोजनाएं एक दशक के निचले स्तर पर हैं, जो कि एक सकारात्मक संकेत है। निजी निवेश को आकर्षित करने में सार्वजनिक निवेश उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि इस बात पर निर्भर करेगी कि उत्पादक परिसंपत्तियां, वैश्विक प्रतिस्पर्धी उद्योग, गुणवत्तापूर्ण रोजगार और नवाचार के सृजन में सार्वजनिक एवं निजी पूंजी का कितने प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है। आर्थिक मामलों की सचिव ने कहा कि सार्वजनिक नीतियां अनुकूल माहौल बना सकती हैं, लेकिन स्थायी उत्पादकता, वृद्धि और प्रौद्योगिकी प्रगति का वास्तविक आधार निजी क्षेत्र की पहल है। निजी निवेश उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ शोध, नई तकनीकों के उपयोग और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है।उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच बेहतर बनाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि ये विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ हैं। ठाकुर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दुनिया इस समय असाधारण अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, जिसमें भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा बाजार की अस्थिरता, व्यापार रुझानों का विखंडन और तकनीकी बदलाव प्रमुख कारक हैं। पिछले तीन वर्षों में भारत वृद्धि और स्थिरता का केंद्र बना हुआ है, जहां अर्थव्यवस्था औसतन सात प्रतिशत की दर से बढ़ी है और व्यापक आर्थिक स्थिरता भी बनी रही है। मजबूत घरेलू मांग भारत की बड़ी ताकत है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसका सकल प्रवाह रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

झारखंड सरकार ने 8,399 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच शुक्रवार को विधानसभा में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 8,399 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्त वर्ष का पहला अनुपूरक बजट सदन में पेश किया।इससे पहले फरवरी में उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश किया था। कुल अनुपूरक बजट में ग्रामीण विकास विभाग के लिए सबसे अधिक 4,258.67 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।इसके बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के लिए 946.30 करोड़ रुपये तथा ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 885.83 करोड़ रुपये का प्रावधान है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के लिए 490.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 271.61 करोड़ रुपये मिलने का प्रस्ताव है। अनुपूरक मांगों पर चर्चा 10 अगस्त को होनी है।वित्त मंत्री ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की वार्षिक रिपोर्ट भी सदन के पटल पर रखी।उन्होंने कहा कि राज्य का ऋण-जमा अनुपात बढ़कर वर्ष 2026 में करीब 55 प्रतिशत हो गया है जो वर्ष 2024 में लगभग 50 प्रतिशत था। विधानसभा का मानसून सत्र बृहस्पतिवार को शुरू हुआ और यह 12 अगस्त को समाप्त होगा। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने बताया कि सत्र में कुल पांच कार्य दिवस होंगे।

पेज एक का शेष

झारखंड : सरकार

लिए गठित पांच सदस्यीय सरकारी समिति के सदस्य और राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार की ओर से प्रतिनिधिमंडल में एक अधिवक्ता को शामिल किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद नयी सूची सौंपी गई। बातचीत का फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उस बयान के एक दिन बाद लिया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ चर्चा के लिए सरकार तैयार है।सुदिव्य कुमार ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा यह आंदोलन छात्रों का है और सरकार उनसे बातचीत के लिए तैयार है।यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या झारखंड का कोचिंग माफिया इस आंदोलन को अपने हाथ में लेने की कोशिश करता है तो सरकार ऐसा नहीं होने देगी।

चढ़ावा चोरी

शाह सुबह-सुबह संसद में आते हैं और देर रात को ही वापस जाते हैं। वह दिनभर संसद में ही रहते हैं। उन्होंने कहा, अमित शाह वह व्यक्ति हैं जिनका नाम सुनकर सारे आतंकवादी, उग्रवादी कांप उठते हैं। जिस दिन यहां चर्चा होगी, गृह मंत्री अमित शाह जब यहां जवाब देंगे तो आप लोग सुन नहीं पाएंगे। इसके बाद भी सदन में हंगामा जारी रहा और पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। उधर राज्यसभा में ही समान स्थिति रही और विपक्षी सदस्य इन्हीं मांगों को लेकर हंगामा करते रहे। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति सी पी राधाकृष्णन ने आगामी नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए कहा कि करो या मरो के नारे के साथ स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए जो संघर्ष किया उसकी वजह से ही हम आज आजाद हवा में सांस ले रहे हैं। इसके बाद सदस्यों ने कुछ क्षण मौन रखकर स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सभापति ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसी दौरान विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मानसून सत्र के दौरान संसद में गृह मंत्री की लगातार अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया।

खरगे ने कहा कि सरकार सभापति की टिप्पणियों का भी सम्मान नहीं कर रही है और सदन का अपमान कर रही है। इससे पहले बृहस्पतिवार को सभापति राधाकृष्णन ने संसदीय कार्य मंत्री संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू से कहा था कि वह विपक्ष की भावनाओं को गृह मंत्री तक पहुंचाएं और सदन में उनकी मौजूदगी की मांग पर विचार करें। विपक्षी दल 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्वाई को लेकर गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग कर रहे हैं। रीजीजू ने कहा कि सभापति की ओर से कोई निर्देश नहीं दिया गया था और विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने सभापति से कहा, आपने एक टिप्पणी की थी, लेकिन आसन की ओर से कोई निर्देश नहीं दिया गया था।

सपा की

कहा कि अनुपूरक बजट में 59 हजार करोड़ रुपये की जो परियोजनाएं थी उनमें युवाओं के लिए रोजगार, अन्नदाता किसानों के उन्नयन का कार्यक्रम, महिलाओं के स्वावलंबन और गरीबों के कल्याण का प्रावधान किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा लेकिन समाजवादी पार्टी ने विधानसभा सत्र नहीं चलने दिया, हो हल्ला किया। उन्होंने कहा कि सपा ने इसलिए विधानसभा की कार्यवाही नहीं चलने दी, क्योंकि पार्टी की विकास में कोई रुचि नहीं है, गरीबों में कोई रुचि नहीं है।

स्वदेशी आंदोलन

काम 2017 से पहले और 2014 से पहले भी हो सकता था, लेकिन इसके लिए दूरदृष्टि चाहिए।जहां हर काम को केवल वोट के नजरिये से देखा जाता है, वहां गरीबों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों का सम्मान पीछे छूट जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बिजली, सड़क और कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी।उन्होंने कहा, तब न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, न हस्तशिल्पी और न ही कारीगर। जब दंगे और कर्फ्यू होते हैं, बाजार बंद रहते हैं और उसका सबसे अधिक असर कारीगरों, छात्रों, युवाओं और महिलाओं पर पड़ता है।हथकरघा ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत हैं। योगी आदित्यनाथ ने हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए इसका श्रेय डबल इंजन सरकार को दिया। योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बबुआ (बच्चा) करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने कभी विकास में रुचि नहीं ली।मुख्यमंत्री ने कहा, आज मैं अपने कौशल और परिश्रम से भारत की इस गौरवशाली विरासत को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध सभी हस्तशिल्पियों और हथकरघा उद्योग से जुड़े लोगों को बधाई देता हूं।

हाईकोर्ट ने

भवन में लगी आग में 15 लोगों की मौत के बाद राज्य की नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत ने कहा था कि ऐसी घटनाओं के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है, जबकि अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन, स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया था कि संबंधित भवन का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत था, लेकिन उसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था।यह भी स्वीकार किया गया था कि स्वीकृत मानचित्र से विचलन होने के बावजूद अवैध निर्माण को समय रहते नहीं रोका गया। अदालत ने यह भी सवाल उठाया था कि आवासीय भवन को व्यावसायिक बिजली कनेक्शन कैसे प्रदान किया गया।साथ ही, उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम, 2022 के तहत 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले भवनों को अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र से दी गई छूट पर पुनर्विचार की आवश्यकता भी जताई थी। इस बीच, हादसे में जान गंवाने वाले कुछ लोगों के स्वजन की ओर से दाखिल हस्तक्षेप अर्जी को अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि सभी जवाबी हलफनामों की प्रतियां 12 अगस्त तक याचिकाकर्ता, न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) और हस्तक्षेपकताओं के अधिवक्ता को उपलब्ध कराई जाएं। नगर निगम की ओर से अदालत को बताया गया कि उसका जवाबी हलफनामा पहले ही दाखिल किया जा चुका है। मामले की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी।

नीट पेपर

में प्रवेश या बाहर निकलने के दौरान विशेषज्ञों की कोई जांच नहीं हुई या तलाशी नहीं ली गई।इसमें कहा गया कि कुलकर्णी ने आसान प्रश्नों को याद कर लिया था और होटल लौटने के बाद उन्हें लिख लिया। आरोप-पत्र में कहा गया है, वनस्पति विज्ञान के लिए एनटीए की अंग्रेजी से मराठी अनुवादक और प्राणी विज्ञान के लिए अनुवादक मनीषा मांढरे, दिन का काम पूरा करने और होटल के कमरे में लौटने के बाद एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में संबंधित जरूरी पैराग्राफ़ को मार्क करती थीं। आरोप-पत्र में कहा गया है, एक ही तरह की सामग्री के साथ दशकों के अनुभव के कारण वह आसानी से प्रश्नों को एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक की सामग्री से जोड़ने में सक्षम थीं। इसमें कहा गया कि भौतिकी के अनुवाद की जिम्मेदारी संभालने वाली मनीषा संजय हवलदार दिन का काम पूरा करने के बाद दिल्ली में अपने ठहरने के स्थान पर लौटकर प्रश्नों को संक्षेप में लिख लिया करती थीं।

फिर चर्चा

और बेटे का अंतिम दीदार कर लौट गई, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी। शाइस्ता के आने की आशंका को देखते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियां पहले से सतर्क थीं।

एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस गांव में तैनात रही। महिला पुलिसकर्मियों को भी लगाया गया था। अधिकारियों की नजर हर गतिविधि पर रही, लेकिन भीड़ में किसी भी महिला की पहचान शाइस्ता के रूप में नहीं हो सकी।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शाइस्ता के आने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

उधर, परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि आबान अपनी मां शाइस्ता का सबसे लाडला था। वर्ष 2023 में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के समय आबान नाबालिग था। गिरफ्तारी से बचने के लिए शाइस्ता उसी दौरान फरार हो गई थी।तब से अब तक उसका कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। करीब तीन साल बाद बेटे की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर शाइस्ता को लेकर अटकलों का दौर शुरू कर दिया।

पुलिस को आशंका थी कि वह बेटे के जनाजे में शामिल होने का जोखिम उठा सकती है।इसी संभावना को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ खुफिया विभाग भी पूरे दिन सक्रिय रहा। हालांकि दिनभर चली चर्चाओं के बावजूद शाइस्ता के गांव पहुंचने की पुष्टि नहीं हो सकी।

गौरतलब है कि शाइस्ता परवीन के अलावा अतीक की बहन आइशा नूरी और अशरफ की पत्नी जैनब भी अब तक फरार हैं। तीनों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश देने का दावा कर रही है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

धामी कैबिनेट

अनुमति दी है। नियमावली में न्यूनतम मजदूरी, निर्धारित समय से अतिरिक्त काम करने पर दो गुना ओवरटाइम, महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान, डिजिटल माध्यम से वेतन देने और समान कार्य के लिए महिला तथा पुरुष श्रमिकों को समान पारिश्रमिक देने की व्यवस्था की गई है। औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक और नियोक्ता के संबंधों को अधिक व्यवस्थित करने के लिए उत्तराखंड औद्योगिक संबंध नियमावली-2026 को भी मंजूरी दी गई है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की भूमिका को बढ़ाने के उद्देश्य से गौपालन योजना में बदलाव किया गया है। अब सामान्य श्रेणी के पशुपालक भी योजना का लाभ ले सकेंगे। लाभार्थियों को गाय के अलावा भैंस खरीदने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। पशु खरीद के लिए तय यूनिट लागत को 40 हजार से बढ़ाकर 60 हजार रुपये करने का फैसला किया गया है।इससे पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने वाले परिवारों को अधिक सहायता मिलने की उम्मीद है।

हल्द्वानी के गौलापार स्थित उत्तराखंड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय में 122 नियमित पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है।इससे विश्वविद्यालय के संचालन, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होगा और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने में मदद मिलेगी। प्रदेश में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में कैबिनेट ने मेरठ से हरिद्वार तक गंगा एक्सप्रेसवे विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच समझौता ज्ञापन किए जाने को मंजूरी प्रदान की है।

अब मात्र

विशेषताओं में स्टेन-फ्री एवं लाइटवेट, उठाने में बेहद आसान और फर्श को बेदाग-साफ रखने में मददगार है।पारदर्शी बॉडी होने के कारण बाहर से ही एलपीजी गैस का स्तर देखने की सुविधा मिलती है। डिजिटल बुकिंग के लिए इंडियन ऑयल वन ऐप से या फिर स्थानीय इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर्स के माध्यम से सुलभ की जा सकती है।

शत्रु संपत्ति

के नाम दर्ज करा दिया गया।इसके बाद भूमि की बिक्री कर उस पर निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया गया। मामले की सुनवाई के बाद सीजेएम अमित सिंह ने तत्कालीन एसडीएम विश्वमित्र सिंह, तत्कालीन राजस्व निरीक्षक, तत्कालीन हल्का लेखपाल समेत स्वामीनाथ, ओमप्रकाश, रामदयाल, राजेश कुमार और गीता देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस अब मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच की कार्रवाई आगे बढ़ाएगी।

चयन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता से हो

ओपन चयन ट्रायल अनिवार्य हों, विदेशी कोच पर निर्भरता कम हो: मांडविया

नयी दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां एक सम्मेलन में राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के कामकाज का जायजा लेते हुए कहा कि आगामी एशियाई खेलों जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले चयन ट्रायल कैमरे की निगरानी में कराए जाने चाहिए और विदेशी कोच पर निर्भरता कम होनी चाहिए।

इस सम्मेलन में खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, खेल सचिव हरि रंजन राव और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मांडविया ने कहा कि ओपन चयन ट्रायल पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में कैमरे पर रिकॉर्ड किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निशानेबाजी और मुक्केबाजी जैसे खेलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत विदेशी कोच पर निर्भरता कम करने के लिए भारत को तत्काल मजबूत स्वदेशी कोचिंग तंत्र की जरूरत है। मांडविया ने कहा कि हमें अच्छे भारतीय कोच का एक डेटाबेस तैयार करने की जरूरत है। खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के साथ हमें अपने कोच की ट्रेनिंग में भी समान रूप से निवेश करना चाहिए, उन्हें सर्वश्रेष्ठ मौके और अंतरराष्ट्रीय अनुभव उपलब्ध कराना चाहिए। एक प्रशिक्षित कोच ही अंततः देश के लिए विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार करेगा। सम्मेलन में खेल प्रशासन से जुड़े मुद्दों, खिलाड़ियों के कल्याण को बेहतर बनाने और आगामी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारियों की समीक्षा पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अंतर्गत एनएसएफ की अनुपालन स्थिति, सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों, 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक और 2030 अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर भी विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। मांडविया ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि किसी भी खिलाड़ी के साथ कभी अन्याय नहीं हो। अन्याय कई तरीकों में हो सकता है और जहां भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, वहां राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 हमें निवारक और सुधारात्मक कदम उठाने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि खिलाड़ियों को मैदान पर बनाए रखा जाए और देश में मजबूत लीग संस्कृति विकसित की जाए। प्रत्येक एनएसएफ को पूरे साल खिलाड़ियों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी मौके उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना चाहिए। खेल मंत्री ने भारतीय खेलों से डोपिंग समाप्त करने के लिए व्यापक रणनीति की जरूरत दोहराई। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है और सरकार डोपिंग रोधी तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के लिए संशोधनों पर काम कर रही है। एनएसएफ द्वारा उठाए गए मुद्दों में राष्ट्रीय खेल निर्वाचन पैनल (एनएसईपी) की अधिसूचना में हो रही देरी भी शामिल थी। यह पैनल खेल संस्थाओं के चुनाव की निगरानी करेगा। खेल मंत्री ने कहा कि एनएसईपी की अधिसूचना बहुत जल्द जारी की जाएगी। सम्मेलन में मौजूद एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने मंत्री से अनुरोध किया कि क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को भी बेहतर प्रसारण कवरेज दिलाने के लिए कुछ कदम उठाए जाएं। मांडविया ने उन्हें इस विषय पर संबंधित अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों से चर्चा करने की सलाह दी।

अभ्यास मैच : पहले सत्र में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय गेंदबाजों की वापसी

श्रीलंका। भारत के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच के पहले दिन श्रीलंका ने पहली पारी में आठ विकेट पर 363 रन बनाये। श्रीलंका के युवा बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को दबाव में ला दिया लेकिन कुलदीप यादव की अगुवाई में स्पिनरों ने आखिरी सत्र में वापसी की। मैच को प्रथम श्रेणी दर्जा हासिल नहीं है लिहाजा हर टीम को पहले और दूसरे दिन 90 ओवर और आखिरी दिन 45 . 45 ओवर मिलेंगे। पहले दिन आफ स्पिनर सारांश जैन ने 11 ओवर में 54 रन दिये लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिले। कुलदीप ने 18 ओवर में 76 रन देकर दो विकेट लिये जबकि मानव सुतार ने 11 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट चटकाया। रविंद्र जडेजा ने 15 ओवर में 64 रन देकर दो विकेट लिये। पांच सप्ताह बाद लाल गेंद से तेज रहे तेज गेंदबाजों को लय में आने में समय लगा जबकि स्पिनर भी खतरनाक नहीं दिख रहे थे। लय में दिख रहे कुलदीप के आने के बाद तस्वीर बदली। पहले दिन का खेल श्रीलंका के युवा बल्लेबाजों के नाम रहा। सलामी बल्लेबाज निशान फर्नांडो (65 गेंद में 66 रन) ने भारत के सीनियर तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज (13 ओवर में 44 रन) और प्रसिद्ध कृष्णा (आठ ओवर में 32 रन) को बखूबी खेला। फर्नांडो ने रविंदु रसांथा (143 गेंद में 71 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 110 रन की साझेदारी की। फर्नांडो एक गलतफहमी के कारण रनआउट हो गए। सोनल दिनुशा (72 गेंद में 52 रन) ने उम्दा तकनीक का प्रदर्शन करते हुए अच्छे रन बनाये। उन्होंने कुलदीप को एक छक्का भी जड़ा। रमेश मेंडिस ने 49 गेंद में 32 रन जोडे।

भारत-श्रीलंका टेस्ट शृंखला के दौरान प्रशंसकों को मुफ्त प्रवेश

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से गॉल में शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान क्रिकेटप्रेमियों को स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश दिया जायेगा। श्रीलंका क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति में कहा कि श्रीलंका क्रिकेट यह घोषणा करता है कि भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट श्रृंखला के दौरान दर्शकों को मुफ्त प्रवेश दिया जायेगा जिससे क्रिकेटप्रेमियों को विश्व स्तरीय टेस्ट क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। पहला मैच गॉल स्टेडियम पर होगा जबकि दूसरा टेस्ट कोलंबो में 23 से 27 अगस्त के बीच खेला जायेगा। श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट देखने दर्शक कम ही आते हैं। पहले भी भारतीय टीमों ने खाली स्टेडियमों में मैच खेले हैं।

विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं चार भारतीय शटलर

नयी दिल्ली। आयुष शेट्टी का शुरू से एक सपना था, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलना। अब इस 21 वर्षीय खिलाड़ी का यह सपना साकार होने जा रहा है। भारत 17 साल के अंतराल के बाद 17 से 23 के बीच विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस प्रतियोगिता में भारत के चार खिलाड़ी पहली बार अपना भाग्य आजमाएंगे। इन खिलाड़ियों में कर्नाटक के आयुष भी शामिल हैं। आयुष ने पीटीआई से कहा, विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करना और वह भी तब जब भारत 17 साल बाद इसकी मेजबानी कर रहा है। इसलिए यह विशेष है। आयुष को हालांकि कठिन ड्रॉ मिला है, क्योंकि पुरुष एकल के पहले दौर में उनका मुकाबला मौजूदा चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी चीन के शी यू क्यूई से होगा। उनके अलावा महिला एकल की उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुडा तथा महिल युगल की जोड़ी सिमरन सिंघी और कविप्रिया सेल्वम भी पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेलेंगे। स्वाभाविक रूप से सबकी निगाहें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी रहेंगी, लेकिन पदार्पण कर रहे चारों भारतीय खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयुष ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप उन टूर्नामेंटों में से एक था जिन्हें मैं बचपन से ही देखने के लिए उत्सुक रहता था। हर युवा बैडमिंटन खिलाड़ी की तरह मैंने भी एक दिन विश्व चैंपियनशिप में खेलने का सपना देखा था। मैं इस अवसर का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। जहां तक उन्नति का सवाल है तो उन्होंने 17 साल की उम्र में ही खुद को भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है। विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में उनका मुकाबला म्यांमा की थेत हतार थुजार से होगा।

संक्षेप

एआईटीए ने संविधान को एनएसजी अधिनियम के अनुरूप किया

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने अपने संविधान को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के अनुरूप बनाने के लिये अपनी कार्यकारी समिति में उम्र की पात्रता 70 वर्ष तय कर दी है जिसके लिये आमसभा की असाधारण बैठक में यह नियम 25 . 22 के अंतर से पास हो गया। उम्र के प्रावधान पर मतदान करने वाले 47 सदस्यों में से 25 ने 70 वर्ष की सीमा तय करने के लिये वोट किया जबकि 22 का वोट 75 वर्ष बरकरार रखने के लिये था। संशोधित प्रावधान के तहत एक उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने के समय 70 वर्ष से कम उम्र का होना चाहिये। चुने जाने पर वह चार साल का कार्यकाल पूरा करेगा भले ही उस समय 70 वर्ष से अधिक उम्र हो जाये। एआईटीए के अंतरिम अध्यक्ष चिंतन पारिख ने पीटीआई से कहा , ईजीएम पर्यवेक्षकों से मतदान के नतीजे आ गए हैं। एआईटीए कार्यकारी समिति द्वारा रखे गए सभी संशोधनों को ईजीएम ने 95 प्रतिशत से अधिक बहुमत से मंजूरी दे दी है। कार्यकारी समिति का सदस्य बनने के लिये उम्र नामांकन दाखिल करने के दिन 70 वर्ष से कम होनी चाहिये। चुने जाने पर उम्मीदवार चार साल का कार्यकाल पूरा कर सकेगा। अभी प्राथमिकता उत्कृष्ट मेरिट वाले खिलाड़ियों (एसओएम) को चुनने के लिए आवेदन मंगाना है।

तितली माझी ने जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

नोएडा। तितली माझी ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में चल रही एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप के पहले दिन महिलाओं के 45 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता जिससे भारत की शुरूआत शानदार रही। तितली ने स्नैच में 65 किग्रा का वजन उठाया और इसके बाद क्लीन एवं जर्क में 80 किग्रा का भार उठाकर कुल 145 किग्रा का वजन उठा लिया जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए काफी था। इसी स्पर्धा में परिश्मिता गोगोई 141 किग्रा के कुल वजन से चौथे स्थान पर रही। उन्होंने स्नैच में 65 किग्रा का वजन उठाया लेकिन क्लीन एवं जर्क में केवल 76 किग्रा ही उठा सकीं।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की दो खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल मार्च में शरण मांगने वाली ईरान की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान कर दी है। फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आव्रजन मंत्री टोनी बर्क ने उन्हें एक दिन पहले उनके ऑस्ट्रेलियाई गृह नगर ब्रिस्बेन में नागरिकता समारोह में शपथ दिलाई थी।

विश्व कप में 28 साल बाद कोई भारतीय अंपायर नहीं, दिग्गजों ने कहा सुधार की जरूरत

नयी दिल्ली। हॉकी अंपायरिंग को बेहद कठिन और संघर्षपूर्ण कैरियर बताते हुए भारतीय दिग्गजों ने नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप में करीब तीन दशक बाद एक भी भारतीय अंपायर नहीं होने पर निराशा जताते हुए कहा कि अंपायरों की संख्या बढाने की बजाय गुणवत्ता पर फोकस करना होगा।

नीदरलैंड के यूट्रेक्ट में 1998 में हुए विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट के अंपायरों या तकनीकी अधिकारियों में किसी भारतीय को जगह नहीं मिली है और सूची में यूरोपीय देशों का बोलबाला है। भारत के आरवी रघु प्रसाद (2010, 2014, 2018, 2023) , सतिंदर शर्मा (2002, 2006, 2010) , तरलोक सिंह भुल्लर (1994) और अमरजीत सिंह बावा (1990) विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं। पिछले साल 47 वर्ष की उम्र होने पर रिटायर होने से पहले ओलंपिक समेत 200 मैचों में अंपायरिंग करने वाले पहले एशियाई रघुप्रसाद ने भाषा से बातचीत में कहा , बड़े टूर्नामेंटों में अंपायरों की नियुक्तियां एफआईएच अंपायरिंग समिति करती है जिसके लिये पिछले बड़े टूर्नामेंटों, प्रो लीग वगैरह में प्रदर्शन मानदंड रहता है। वहीं कई ओलंपिक और विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके शर्मा ने कहा कि बावा सर, भुल्लर सर के बाद मैने और रघु ने यह सिलसिला कायम रखा था। हमने यूरोपीयों के बीच जाकर अपनी पहचान बनाई थी जो आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि बीजिंग ओलंपिक 2008 में हमारी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन मैं अकेला अधिकारी था जो भारतीय हॉकी का प्रतिनिधि था। चयन के लिये प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव काफी मायने रखता है जहां मुझे लगता है कि अब हम पिछड़ रहे हैं। हॉकी इंडिया की वेबसाइट पर मई 2025 में अपडेट की गई सूची के अनुसार अंपायरों की चार श्रेणियां कोर लीडिंग पैनल , लीडिंग पैनल , हाई पोटेंशियल और नेशनल अंपायर हैं जिनमें पुरूष वर्ग में क्रमशः 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक नाम दर्ज हैं। पुरूष वर्ग में छह एफआईएच पैनल के अंपायर हैं जिनमें से रघुप्रसाद पिछले साल रिटायर हो चुके हैं। वहीं महिला वर्ग में एफआईएच पैनल की चार अंपायर हैं। तकनीकी अधिकारियों में महिला वर्ग में इन्हीं चार श्रेणियों में 50 से अधिक नाम हैं लेकिन एफआईएच पैनल में सिर्फ दो अधिकारी रोहिणी बोपन्ना और सोनिया बाथला हैं। पुरूष वर्ग में करीब 70 नाम हैं लेकिन एफआईएच पैनल के चार ही अधिकारी इसमें शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि संख्या की बजाय गुणवत्ता पर फोकस करना जरूरी है और इसके लिये अंपायरों को अधिक एक्सपोजर देना होगा। घरेलू अंपायर बड़े टूर्नामेंटों में अंपायरिंग नहीं करेंगे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव कैसे मिलेगा।

कोरिया मास्टर्स सेमीफाइनल में आमने सामने होगी अशिमता और रक्षिता रामराज

आसन (दक्षिण कोरिया)। भारत की अश्मिता चालिहा और रक्षिता रामराज ने शुक्रवार को यहां 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां वे आमने-सामने होंगी।

विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में जापान की विश्व में 22वें नंबर की खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल मलेशिया सुपर 100 में हिना से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। रक्षिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त और हमवतन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से हराकर उलटफेर किया। यह मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। तन्वी के खिलाफ यह उनकी चौथी जीत है। तन्वी ने पिछले सप्ताह ताइपे ओपन में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था। हिना ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7-5 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अश्मिता ने स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी की कुछ गलतियों से जापानी खिलाड़ी ने इंटरवल तक 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। अश्मिता ने हालांकि कड़ी चुनौती पेश की। उन्होंने 12-12 और फिर 15-15 पर स्कोर बराबर कर लिया। इसके बाद उन्होंने 17-15 और 18-16 से बढ़त बना ली। हिना ने हालांकि अच्छी वापसी की और क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में अश्मिता ने जोरदार वापसी की। स्कोर 7-7 से बराबर होने के बाद उन्होंने लगातार छह अंक जीतकर 13-7 की बढ़त बना ली। हालांकि हिना ने अंतर को कम करके 14-16 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और अगले छह में से पांच अंक जीतकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम भी कुछ इसी तरह चला, जिसमें अश्मिता ने 9-3 की बढ़त बना ली और इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बरकरार रखी। उन्होंने इसे 18-11 तक पहुंचाया, लेकिन हिना ने जोरदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक जीतकर अंतर को 17-18 तक कम कर दिया। अश्मिता ने अंतिम क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और यादगार जीत हासिल की। रक्षिता और तन्वी के बीच भी मुकाबला काफी रोमांचक रहा। पहले गेम में रक्षिता ने 13-8 की बढ़त बना ली, लेकिन तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले नौ में से आठ अंक हासिल किए और स्कोर को 8-13 से 16-14 तक ले जाने के बाद गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे और तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों ने एक दूसरे से आगे निकलने में कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम के आखिर में तन्वी की तीन गलतियां उन्हें भारी पड़ गई।

अरिहा पंगंबम ने एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

नयी दिल्ली। अरिहा पंगंबम एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप की सीनियर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं।

भारतीय जिम्नास्ट ने फाइनल में 19.100 के स्कोर के साथ पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस प्रतियोगिता में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। अरिहा ने आर्टिस्ट्री के लिए 8.650, एक्ज़ीक्यूशन के लिए 7.600 और डिफ़िकल्टी के लिए 2.850 अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा कि हमारे लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें और उनके कोच को बधाई।

श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ रक्षात्मक नहीं हो सकते भारतीय बल्लेबाज : रहाणे

बेंगलुरू पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भारतीय बल्लेबाजों को श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से गॉल में शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में आक्रामक खेलने की सलाह दी है।

श्रीलंका के 2017 के दौरे पर 3 . 0 से मिली जीत में रहाणे ने अहम भूमिका निभाते हुए एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था। उन्होंने ईटीपीएल द्वारा कराये गए इंटरव्यू में पीटीआई से कहा , मेरा मानना है कि श्रीलंका में पहले दिन का विकेट अच्छा होता है लेकिन गेंदबाज पर हावी होना जरूरी है। मैने श्रीलंका में यही सीखा है कि आप रक्षात्मक नहीं खेल सकते। उन्होंने कहा आपको अधिक आक्रामक होना होगा क्योंकि उनके विकेट स्पिनरों के मददगार है। श्रीलंका के पास बेहतरीन स्पिनर भी हैं और मेजबान टीम को हराना हमेशा कठिन होता है। इतने साल के अपने अनुभव पर मैं इतना ही कह सकता हूं कि किसी को हलके में नहीं लिया जा सकता। किसी समय भारत के लिये सभी प्रारूपों में खेलने वाले रहाणे ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी पिछले कुछ साल में पूरी तरह से बदल गई है, खासकर जबकि टी20 प्रारूप इतना लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल बहुत बदल गया है। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो आप देखेंगे कि कितने टी20 क्रिकेटर भी टेस्ट खेल रहे हैं। स्कूप, लैप, स्विच हिट, रिवर्स स्वीप शॉट लगाये जा रहे हैं जो अच्छी बात है। खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट में हर प्रारूप की जरूरत के मुताबिक तेजी से ढलना होता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बावजूद वह क्रिकेट के लिये योगदान देते रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी खेलना चाहता हूं। यह नहीं कह सकता कि साल में कितने मैच खेलूंगा लेकिन यही कहूंगा कि अभी खेल सकता हूं। यही वजह है कि मैं ईटीपीएल खेल रहा हूं। आईपीएल टीम का मेंटोर बनकर भी खुशी होगी क्योंकि मेरे पास जो अनुभव है , उससे मैं खिलाड़ियों की मानसिकता बखूबी समझ सकता हूं।

यूपी टी-20 लीग ट्रॉफी टूर का आगाज,समीर -आर्यन ने स्टूडेंट्स संग साझा किये सफलता के मंत्र

लखनऊ। तालियों की गूंज, स्टूडेंट्स का जोश और क्रिकेट सितारों की मौजूदगी के बीच यूपी टी-20 लीग सीजन -4 के छह दिवसीय विशेष ट्रॉफी टूर अभियान का शानदार आगाज एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीतापुर रोड से हुआ। यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आईपीएल स्टार समीर रिजवी और उत्तर प्रदेश रणजी टीम के कप्तान आर्यन जुयाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में एसआर

ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत किया। खचाखच भरे सभागार में क्रिकेट और युवा ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। संवाद सत्र के दौरान क्रिकेट सितारों ने स्टूडेंट्स के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने सफलता के पीछे अनुशासन, फिटनेस, निरंतर मेहनत और धैर्य के महत्व पर जोर दिया तथा खेल और करियर से जुड़े स्टूडेंट्स के सवालों के खुलकर जवाब दिए। खिलाड़ियों के साथ सेल्फी लेने और ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए भी स्टूडेंट्स में उत्साह देखते ही बन रहा था। अपने संबोधन में डॉ. संजय कपूर ने कहा कि यूपी टी-20 लीग के पीछे उनके मार्गदर्शक राजीव शुक्ला का विजन है।

भारत में नहीं हुई ईंधन की किल्लत: पुरी

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि इस साल होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से आपूर्ति बाधाएं पैदा होने के बावजूद भारत ने विविध स्रोतों, बढ़ी हुई रिफाइनिंग क्षमता और घरेलू उत्पादन के जरिए उपभोक्ताओं को किसी अभाव का सामना नहीं करने दिया।

पुरी ने कहा कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल हाइड्रोकार्बन की उपलब्धता तक सीमित रखने के बजाय आयात के विविधीकरण, रणनीतिक साझेदारियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार और वैकल्पिक ईंधनों जैसे व्यापक दृष्टिकोण को अपनाया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों का आवागमन बाधित होने के बावजूद देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रही। पुरी ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत अपने कच्चे तेल का लगभग आधा आयात इसी मार्ग से जुड़े देशों से करता था, जबकि 90 प्रतिशत एलपीजी और 60 प्रतिशत गैस आयात भी इसी रास्ते से होता था। उन्होंने कहा कि आपूर्ति बाधित होने के बावजूद भारत ने स्रोतों में विविधता लाकर देश में कहीं भी कमी नहीं होने दी। उन्होंने कहा, "मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि एक भी पेट्रोल पंप सूखा नहीं पड़ा। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात स्रोतों को 27 से बढ़ाकर 41 देशों तक कर दिया है, जबकि पेट्रोल पंपों की संख्या 2014 के लगभग 52,000 से बढ़कर अब 1.07 लाख हो गई है। शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार भी 55 क्षेत्रों से बढ़कर 309 तक हो गया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से आयात में आई कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया। पुरी ने कहा कि आज अमेरिका भारत के लिए एलपीजी का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है, जो कुल आयात का लगभग 67 प्रतिशत है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने 84,000 करोड़ रुपये के समुद्र मंथन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज को बढ़ावा देना है। इस योजना में निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी और सरकार ड्रिलिंग लागत का 50 प्रतिशत या प्रति कुआं 650 करोड़ रुपये तक मदद देगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपतटीय क्षेत्रों को खोज के लिए खोला है और भविष्य में लाइसेंस के और अवसर दिए जाएंगे। साथ ही, कम्प्रेस्ड बायोगैस और एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए कहा कि 1.07 लाख पेट्रोल पंपों में से केवल चार मामलों में गड़बड़ी पाई गई, जो किसी व्यापक समस्या का संकेत नहीं है। मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उपभोक्ताओं पर कम पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सीमित वृद्धि हुई, जिसे कर कटौती ने संतुलित कर दिया। भारत ने अब तक वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद खुद को काफी हद तक सुरक्षित रखा हुआ है, लेकिन वैश्विक चुनौतियां अभी बरकरार हैं। नई वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था सुरक्षित, स्मार्ट और टिकाऊ होनी चाहिए।

ई-कॉमर्स मंचों से बढ़ायी जा सकती है हथकरघा उत्पादों की वैश्विक पहुंच

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि देश का हथकरघा क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्रदान करता है और ई-कॉमर्स मंचों के माध्यम से इसके उत्पादों की वैश्विक पहुंच को और बढ़ाया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 35 लाख लोग कार्यरत हैं, जिनमें 25 लाख से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह क्षेत्र देश के समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता की एक मजबूत नींव के रूप में काम करेगा। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार 2025 भी प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि इस क्षेत्र के टिकाऊ विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों का समुचित उपयोग आवश्यक है। आधुनिक डिजिटल समाधानों के जरिए बाजार तक पहुंच को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, ई-कॉमर्स मंचों के माध्यम से भारतीय हथकरघा उत्पादों की वैश्विक बाजारों तक पहुंच को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। मुर्मू ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार से लैस कई प्रतिभाशाली युवा उद्यमी इस क्षेत्र में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं और संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सक्रिय सहयोग दिया जाना चाहिए, ताकि उनका उत्साह और कौशल इस क्षेत्र की दीर्घकालिक और बहुआयामी सफलता सुनिश्चित कर सकें। राष्ट्रपति ने कहा कि युवा उद्यमी, डिजाइनर और स्टार्टअप पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक रुझानों, ब्रांड और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से जोड़कर नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

संक्षेप

बस में हुए विस्फोट में 14 लोग घायल

जरामना (सीरिया)। सीरिया की राजधानी एक उपनगर में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में 14 लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। सीरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार रात को बताया था कि विस्फोट में दो लोगों की मौत हुई है। शुक्रवार को जारी एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि मलबे से बरामद तीन कटे हुए अंगों के आधार पर मौत का आंकड़ा गलत तरीके से दर्ज कर लिया गया था। बयान के अनुसार, जांच के बाद यह पता चला कि ये अंग जीवित बचे मरीजों के हैं जिनकी सर्जरी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जरामना में धमाका एक मिनीवैन टैक्सी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ। धमाके के समय टैक्सी में यात्री सवार थे। मिनबर अंसार अल-रसूल नामक एक कम चर्चित समूह ने एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। सीरियाई अधिकारियों ने बम विस्फोट मामले में अब तक किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी या जांच के नतीजों की घोषणा नहीं की है। जरामना में ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। यहां ड्रूज समुदाय के कुछ सदस्यों और देश की इस्लामवादी नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार का समर्थन करने वाले सुन्नी मुसलमानों के बीच तनाव रहा है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस की एक ऑनलाइन खुदरा कंपनी के गोदाम में लगी आग

मास्को। यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन से यूराल पर्वत क्षेत्र में रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन खुदरा कंपनी के एक गोदाम को निशाना बनाया। स्थानीय अधिकारियों और कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह स्थान दोनों देशों की सीमा से 2,000 किलोमीटर से अधिक दूर है। यूक्रेन ने इस साल यूराल क्षेत्र में कई दूरस्थ ठिकानों को निशाना बनाया है। यूक्रेन ने इससे पहले पश्चिमी साइबेरिया में रूस की एक तेल रिफाइनरी पर भी हमला किया था, जो सीमा से करीब 2,500 किलोमीटर दूर है। रूस के चौथे सबसे बड़े शहर येकातेरिनबर्ग में वाइल्डबेरीज कंपनी के एक गोदाम में हमले के कारण आग लग गई। कंपनी के अनुसार, अधिकांश सामान को नुकसान नहीं पहुंचा। हाल के हफ्तों में यूक्रेन के हमलों की चपेट में आए वाइल्डबेरीज के एक दर्जन से अधिक गोदाम जलकर खाक हो चुके हैं। यूक्रेन इन हमलों के जरिये रूस की जनता और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। क्षेत्रीय गवर्नर डेनिस पासलर ने बताया कि तीन ड्रोन ने गोदाम की छत को निशाना बनाया। अधिकारियों के अनुसार गोदाम से 800 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

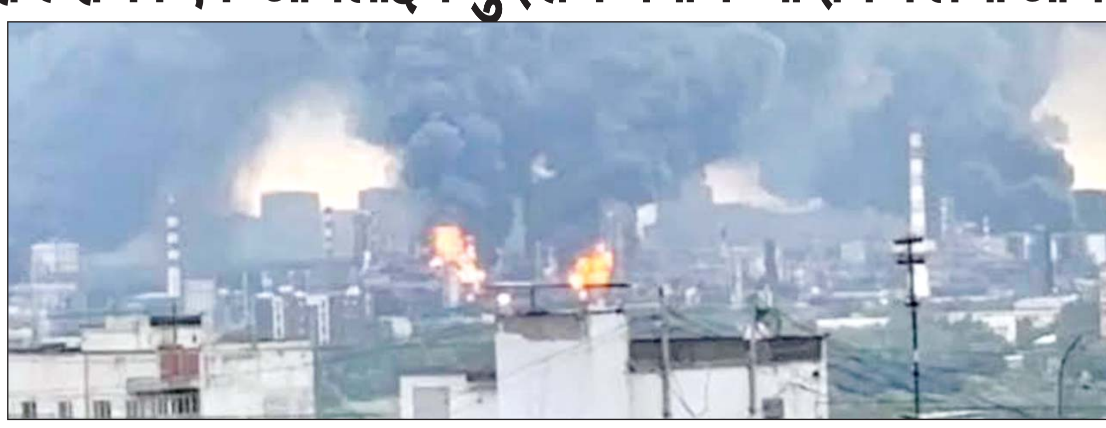

किसानों के खातों में 5000 करोड़ रुपये से अधिक जमा: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने कृषि ऋण माफी योजना के तहत राशि जारी करना शुरू कर दिया है। आधार प्रमाणीकरण पूरा होने के बाद 6.22 लाख किसानों के बैंक खातों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की कर्जमाफी राशि जमा कर दी गई है। इस वर्ष शुरू की गई इस पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर कृषि ऋण माफी योजना के तहत पात्र किसानों के दो लाख रुपये तक के अल्पकालिक फसल ऋण माफ किए जा रहे हैं। योजना में वर्ष 2019 से 2025 के बीच लिए गए ज्ण शामिल हैं। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि पहली सूची में करीब 16 लाख किसानों के नाम थे, जिसे जमीन के सत्यापन के लिए भेजा गया था। आधार प्रमाणीकरण के बाद करीब 6.22 लाख किसानों की पहली सूची अंतिम रूप से तैयार हुई और आज उनके बैंक खातों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा कर दी गई। जिन पात्र किसानों का आधार प्रमाणीकरण पूरा हो जाएगा।

चीन के निर्यात की वृद्धि दर घटी

बैंकॉक। उच्च प्रौद्योगिकी वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों और वाहनों की मजबूत वैश्विक मांग के बावजूद जुलाई में चीन के निर्यात वृद्धि की रफ्तार पिछले महीने की तुलना में कुछ धीमी पड़ गई। सीमा शुल्क विभाग के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में 125.6 अरब डॉलर रहा चीन का व्यापार अधिशेष जुलाई में घटकर 112.5 अरब डॉलर रह गया।

चीन का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर लगभग 24 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इससे पिछले महीने जून में इसमें 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। वहीं, आयात जुलाई में सालाना आधार पर 27.5 प्रतिशत बढ़ा, जो जून में दर्ज 36 प्रतिशत की वृद्धि से कम रहा। जुलाई में चीन के व्यापार में तेजी कुछ कम हुई, लेकिन व्यापक तस्वीर यह है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और हरित प्रौद्योगिकी उत्पादों की वैश्विक मांग मजबूत रहने से निर्यात और आयात का मूल्य ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से एल्यूमीनियम की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे चीन के एल्यूमीनियम निर्यात में वृद्धि हुई। व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि चीन अब मुख्य रूप से कम लागत वाले विनिर्माण से आगे बढ़कर उन्नत विनिर्माण के लिए आवश्यक मशीनरी और प्रमुख कलपुर्जों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है। जनवरी से जुलाई की अवधि के दौरान उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों का निर्यात एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में लगभग 41 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान वाहनों का निर्यात 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा मशीनरी का कुल निर्यात 26 प्रतिशत बढ़ा।

ब्रिक्स की अलग मुद्रा के पक्ष में नहीं है भारत

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत, ब्रिक्स समूह की अलग मुद्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं है और ऐसी किसी योजना का समर्थन नहीं करता है।

ब्रिक्स समूह में दुनिया की उभरती और विकासशील 11 अर्थव्यवस्थाएं - ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। यह समूह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। जयपुर में ब्रिक्स देशों के व्यापार एवं उद्योग मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद गोयल ने संवाददाताओं से कहा, भारत ब्रिक्स मुद्रा के पक्ष में नहीं है। हम इसके पक्ष में नहीं हैं कि ब्रिक्स मुद्रा जैसी नयी योजना लाई जाय। भारत का उसपर विरोध है। गोयल का यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि वर्ष 2024 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर के स्थान पर किसी अन्य मुद्रा को बढ़ावा देने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी दी थी।

पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स के सदस्य देश, खासकर रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर के विकल्प की तलाश तथा अलग ब्रिक्स मुद्रा की संभावनाओं पर चर्चा करते रहे हैं। गोयल ने बताया कि बैठक में सदस्य देशों के बीच संतुलित व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा हुई। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए आसान तथा पर्याप्त वित्त उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इंटरटेनमेंट...

शूटिंग के दौरान रश्मिका मंधाना को लगी चोट

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंधाना ने पुष्टि की है कि अपनी आगामी फिल्म मायसा की शूटिंग के दौरान उनके दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। अभिनेत्री ने बताया कि यह उनकी लगातार तीसरी चोट है। मंधाना ने सोमवार शाम इंस्टाग्राम पर अपनी सेहत को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की। यह पोस्ट उन खबरों के बाद आई है, जिनमें कहा गया था कि डॉक्टरों ने उन्हें छह सप्ताह के पूर्ण आराम की सलाह दी है। उन्होंने लिखा, चोट लगना बहुत बुरा होता है। मैं चाहती थी कि किसी को इसके बारे में पता न चले, लेकिन अब सबको मालूम है। माफ कीजिए, मैं कुछ समय से गायब थी, लेकिन अब वापस आ गई हूं। यह कुछ समय पहले हुआ था और यह मेरी लगातार तीसरी चोट है। मुझे अपने शरीर को मशीन नहीं, इंसानी शरीर मानते हुए उसका ख्याल रखना सीखना चाहिए। अभिनेत्री ने बताया कि मायसा के एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उनके दाहिने कूल्हे से पैर को जोड़ने वाली टेंडन में से एक अलग हो गई। उन्होंने कहा मेरे दाहिने कूल्हे की एक टेंडन अलग हो गई है। अब उसके दोबारा जुड़ने के बाद ही मैं सामान्य तरीके से पैर उठा पाऊंगी। यह मायसा के डांस की शूटिंग के दौरान हुआ। यह अब तक की मेरी सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है। हालांकि, उन्होंने प्रशंसकों को भरोसा दिलाया कि उनकी तबीयत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा," दर्द है, लेकिन असहनीय नहीं। शायद भगवान मुझे यह कह रहे हैं कि अगर मैं खुद आराम नहीं करूंगी तो वह मुझे जबरन आराम करा देंगे। मंधाना ने इस चोट को अजीबोगरीब दुर्घटनौ बताया और कहा कि वह पहेलियां (पजल्स) हल करके अपने इस मजबूरी के ब्रेक का पूरा सदुपयोग कर रही हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें अपने फिटनेस रूटीन की कमी सबसे ज्यादा खल रही है। उन्होंने लिखा, मैं पूरी कोशिश कर रही हूं कि मेरा वजन न बढ़े, क्योंकि मैं नियमित रूप से व्यायाम करती हूं। अब कुछ समय तक यह सब नहीं कर पाऊंगी। जब मैं व्यायाम नहीं करती तो बस खाना शुरू कर देती हूं और मिठाइयों की दीवानी बन जाती हूं। फिलहाल इतना ही, अगर कुछ और होगा तो जल्द बताऊंगी। आप सब चिंता मत कीजिए।

मेलबर्न में दिखायी जायेगी हुमा की फिल्म बयान

नयी दिल्ली। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न (आईएफएफएम) में अपनी आगामी फिल्म बयान की प्रस्तुति से पहले कहा कि इस फिल्म में उनकी भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक रही है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बिकास रंजन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में हुमा रूही नाम की एक दृढ़ निश्चयी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो यौन उत्पीड़न के आरोपी एक प्रभावशाली नेता से जुड़े मामले की जांच करती है। उन्होंने एक बयान में कहा रूही एक ऐसी महिला है, जो भारी दबाव के बीच भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहती है। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एक अभिनेत्री के रूप में कई तरह से अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का मौका दिया है। इस फिल्म की रोमांचक जांच-पड़ताल की कहानी के साथ-साथ सत्ता, सच और न्याय से जुड़े सवालों ने मुझे इसे करने के लिए आकर्षित किया।

आवारापन-2 में इमरान हाशमी फिर निभायेंगे शिवम पंडित का किरदार

मुंबई। फिल्म आवारापन के 19 साल बाद अभिनेता इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में वापसी कर रहे हैं। विशेष फिल्म्स ने बुधवार को फिल्म का ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में उम्र और हालात से बदले शिवम की वापसी दिखाई गई है, जो अपने अतीत के नतीजों का सामना करते हुए बदला लेने के मिशन पर निकलता है। फिल्म में इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में लौटे हैं, जबकि दिशा पटानी जारा के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री शबाना आजमी नफीसा की भूमिका अदा कर रही हैं। फिल्म में पूरन गब्बी (जोरावर), अनिरुद्ध रावल (सिकंदर), सुरेंद्र विक्की (जयदीप), विजयंत कोहली (महमूद) और अतुल कुमार (समर्थ) भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी मिथुन, जीत गांगुली, अमाल मलिक, अंकित सचदेवा और वासिफ अहमद ने संभाली है, जबकि गीत सईद कादरी, रश्मि विराग, अखिल सचदेवा और सचिन सिंह चंदेल ने लिखे हैं।

ब्लूफ्लाई में रसेल क्रो के साथ दिखेंगी प्रियंका

लॉस एंजिलिस। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा फिल्म ब्लूफ्लाई में अभिनेता रसेल क्रो के साथ नजर आएंगी। द ब्लफ की अभिनेत्री ने बृहस्पतिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की। पोस्ट में उन्होंने समाचार वेबसाइट डेडलाइन में छपे लेख की तस्वीर भी साझा की थी। उन्होंने इसके साथ लिखा, अब अगली फिल्म की ओर। डेडलाइन के अनुसार, विज्ञान पर आधारित काल्पनिक कथा वाली इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन निमरोड एंटल ने किया है। फिल्म का निर्माण हाईलैंड फिल्म ग्रुप के तहत एरियन फ्रेजर और डेल्फिन पेरियर, पोलाइट सोसाइटी के तहत माइकल जेफरसन, ब्रोकन ओपन पिक्चर्स के लिए डेविड फ्रिगेरियो, जी2 डिस्पैच के तहत डेबोरा ग्लोवर एवं वैनेसा याओ गुओ ने किया है। फिल्म की आधिकारिक कहानी के अनुसार, गम में डूबे संयुक्त राष्ट्र के एक अनुवादक को कांगो के घने जंगलों में एक विमान को वापस लाने के गुप्त मिशन पर भेजा जाता है। इस मिशन का मकसद दुर्घटना का शिकार हुए एक ऐसे रहस्यमयी विमान को ढूंढना है।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com